खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 04 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-301

उपराज्यपाल ने फर्जी पत्रकारों को हटाने का आदेश दिया

जम्मू, 03 नवंबर (ब्यूरो)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अधिकारियों को जम्मू कश्मीर में सक्रिय फर्जी पत्रकारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सरकारी विभागों द्वारा केवल प्रामाणिक मीडिया पेशेवरों को ही मान्यता दी जाए और उनकी नियुक्ति की जाए।

कल श्रीनगर में उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में फर्जी पत्रकारों के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, यह मामला, जो हाल ही में संपन्न जम्मू कश्मीर विधानसभा के शरदकालीन सत्र में भी उठा था, ने प्रशासन की गंभीर चिंता को जन्म दिया। बैठक में मौजूद एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि पत्रकारिता के नाम का दुरुपयोग करने वालों को कानून का सामना करना होगा। उन्होंने सभी उपायुक्तों और एसएसपी को ऐसे तत्वों की पहचान करने और उन्हें व्यवस्था से बाहर करने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया।

बताया जा रहा है कि उपराज्यपाल ने अधिकारियों को प्रत्येक जिले में मान्यता प्राप्त और सक्रिय पत्रकारों का एक सत्यापित डेटाबेस तैयार करने के लिए मिलकर काम करने का भी निर्देश दिया है। विभागों को यह भी कहा गया है कि वे केवल उन्हीं मीडिया प्रतिनिधियों को नियुक्त करें जिनकी साख डीआईपीआर द्वारा विधिवत सत्यापित हो। उपराज्यपाल ने आगे निर्देश दिया कि पत्रकारिता के नाम पर फेसबुक पेज, आनलाइन समाचार पोर्टल या सोशल मीडिया हैंडल चलाने वाले व्यक्तियों या समूहों को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) द्वारा विधिवत पंजीकृत और सत्यापित किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म को उनके द्वारा प्रकाशित सामग्री के लिए जवाबदेह बनाया जाना चाहिए और उन्हें मीडिया नैतिकता और वैध रिपोर्टिंग के दायरे में रहकर काम करना चाहिए।

अधिकारियों ने बताया कि यह कदम बढ़ती शिकायतों के बीच उठाया गया है कि कुछ लोग पत्रकारों के रूप में मीडिया पहचान पत्रों या सोशल मीडिया प्लेटफार्म का दुरुपयोग करके अधिकारियों को डरा रहे हैं और उनसे लाभ प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा सत्र में कई विधायकों ने भी इस चिंता को उठाया था और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए एक तंत्र की मांग की थी। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकार उन सच्चे पत्रकारों की भूमिका को महत्व देती है जो ईमानदारी और ज़िम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करते हैं। हालांकि, इस पेशे को बदनाम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अपरिहार्य है।

कश्मीर की सबसे महंगी फसल पर संकट

पंपोर में केसर का उत्पादन 90 फीसद घटा

जम्मू, 03 नवंबर (ब्यूरो)। कश्मीर का प्रसिद्ध केसर क्षेत्र एक बार फिर गंभीर संकट से जूझ रहा है जबकि उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि इस साल उत्पादन लगभग 90 प्रतिशत तक गिर गया है। कश्मीर का केसर कटोरा कहे जाने वाले पंपोर के किसानों का कहना है कि इस सीजन में उत्पादन सामान्य स्तर का बमुश्किल 10-15 प्रतिशत ही है, जिससे हजारों परिवार आर्थिक संकट में हैं।

उत्पादकों ने चिंता व्यक्त की कि अगर तुरंत सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए, तो सदियों से कश्मीर की पहचान रही यह फसल लुप्त हो सकती है। केसर उत्पादक संघ, जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष अब्दुल मजीद वानी ने कहा कि इस साल कंदों में ठीक से अंकुरण नहीं हुआ है। वे कहते हैं कि उत्पादन मुश्किल से 15 प्रतिशत है। यह पिछले साल की फसल का आधा भी नहीं है, जो सामान्य फसल का लगभग 30 प्रतिशत ही था। हर साल यह घट रहा है, और सरकार इस क्षेत्र की सुरक्षा के प्रति गंभीर नहीं दिखती। मुख्य समस्या बार-बार लंबे समय तक सूखे, प्रभावी सिंचाई की कमी और हाल के वर्षों में उपलब्ध कंदों की खराब गुणवत्ता है।

किसानों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कृषि मंत्री से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और आपातकालीन कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने तत्काल सिंचाई सुविधाओं, केसर के मैदानों की नियमित निगरानी, कंदों की अवैध निकासी और बिक्री को रोकने के उपाय, और नए सिरे से रोपाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कंदों की उपलब्धता की मांग की। कश्मीर में केसर की खेती का रकबा 1996-97 में 5,707 हेक्टेयर से घटकर 2019-20 में केवल 2,387 हेक्टेयर रह गया है, 65 प्रतिशत की कमी। जबकि सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि उत्पादन 2021 में 17.33 मीट्रिक टन से घटकर 2022 में 14.87 मीट्रिक टन रह गया और 2023 में मामूली रूप से बढ़कर 14.94 मीट्रिक टन हो गया।

हालांकि, पिछले वर्ष का उत्पादन सामान्य उत्पादन का केवल लगभग 30 प्रतिशत ही बताया गया है। हालांकि, उत्पादकों का तर्क है कि ये आंकड़े जमीनी स्तर पर वास्तविकता को नहीं दर्शाते हैं। उनके अनुसार, पिछले वर्ष का वास्तविक उत्पादन औसत फसल का बमुश्किल 20 प्रतिशत था और इस वर्ष उन्हें समान या उससे भी कम उत्पादन की उम्मीद है।

डॉ गोपाल मोर एसोचैम की प्रबंध समिति के सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेयरहाउसिंग उद्योग की हैदराबाद स्थित स्केलर ग्रुप के निदेशक डॉ. गोपाल मोर को हाल में देश की सबसे पुरानी एवं शीर्ष उद्योगपतियों की संस्था एसोसियेटिड चैबर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया की मैनेजिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

एसोचैम की सहायक महासचिव डॉ. अंबिका शर्मा ने यह जानकारी देते हुये कहा कि डॉ गोपाल मोर को एसोचैम की 105 वी वार्षिक महासभा की बैठक में प्रबंध समिति का सदस्य नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। श्री मोर का कार्यकाल एसोचैम की अगली वार्षिक बैठक तक है।

एसोचैम ने डॉ मोर का प्रबंध समिति के सदस्य के रूप में स्वागत करते हुये कहा कि आपके नेतृत्व और बहुमूल्य योगदान से आर्थिक विकास में निरंतरता और व्यापार एवं उद्योग को उन्नत बनाने में एसोचैम के उद्देश्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

डॉ. मोर हाल ही में वेयरहाउसिंग ओनर्स एसोसियेशन ऑफ इंडिया (थ-ख) के भी निदेशक चुने गए है।

डॉ गोपाल मोर एक सामाजिक नेता होने के नाते अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के भी राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री भी है। इन प्रमुख संगठनों के अतिरिक्त डॉ मोर अनेक समाजिक संगठनों के साथ जुडे हुए है।

जम्मू में चार साल बाद फिर से सजा मुख्यमंत्री का दरबार

जम्मू, 03 नवंबर (ब्यूरो)। कश्मीरियों की आशंका के बीच जम्मू कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में आज सोमवार सुबह दरबार सज गया। अब छह महीने के लिए नागरिक सचिवालय और अन्य चलंत कार्यालय जम्मू में ही काम करेंगे। जम्मू में दरबार-मूव समारोह में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड आफ आनर दिया गया। समारोह के बाद सीएम उमर ने जम्मू स्थित सचिवालय परिसर का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर जम्मू कश्मीर के उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने खुशी जताई और इस परंपरा को जम्मू के महाराजा की विरासत से जुड़ा बताया। वे कहते थे कि लोग खुश हैं, सभी खुश हैं। भाजपा वाले कहते थे कि नेशनल कांफ्रेंस जम्मू विरोधी है। आज उमर अब्दुल्ला सरकार ने दिखा दिया है कि जिस दरबार मूव को आपने रोका था, उसे उमर अब्दुल्ला सरकार ने शुरू किया है। अब जम्मू के लोगों को तय करना है कि भाजपा उनके हित में है या उमर अब्दुल्ला सरकार या नेशनल कांफ्रेंस उनके हित में है। यह महाराजा की विरासत है, जिसकी शुरुआत हमने आज की है और सही मायने में हमने महाराजा साहब को श्रद्धांजलि दी है।

दरबार मूव का तात्पर्य जम्मू कश्मीर के सचिवालय और अन्य सभी सरकारी कार्यालयों के एक राजधानी शहर से दूसरे राजधानी शहर में अर्धवार्षिक स्थानांतरण से है। मई से अक्टूबर तक, सरकारी कार्यालय ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में संचालित होते थे, जबकि शेष छह महीने वे शीतकालीन राजधानी जम्मू में कार्य करते थे। इस परंपरा को आधिकारिक तौर पर वर्ष 2021 से 'बंद' किया जा चुका था जबकि उसके प्रति सच्चाई यह थी कि यह गैर सरकारी तौर पर लगभग 500 कर्मियों के साथ जारी था। ये कर्मी उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के वित्त आयुक्त, सामान्य प्रशासनिक विभाग के आयुक्त सचिव तथा पुलिस महानिदेशक के कार्यालयों में लिप्त कर्मी हैं जो दोनों राजधानियों में आ-जा रहे थे।

पारंपरिक दरबार मूव की बहाली पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, दरबार मूव पर रोक लगना जम्मू के लिए एक बड़ा झटका था। मैंने इसे बहाल करने का वादा किया था और आज हमने वह वादा पूरा कर दिया है। इससे जम्मू की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन हर चीज को पैसे से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, जिसे इस प्रथा को खत्म करने का एक कारण बताया गया था।

जम्मू कश्मीर में दरबार मूव की शुरूआत महाराजा रणवीर सिंह ने 1872 में बेहतर शासन के लिए की थी। कश्मीर, जम्मू से करीब 300 किमी दूरी पर था, ऐसे में डोगरा शासक ने यह व्यवस्था बनाई कि दरबार गर्मियों में कश्मीर व सर्दियों में जम्मू में रहेगा। 19वीं शताब्दी में दरबार को 300 किमी दूर ले जाना एक जटिल प्रक्रिया थी व यातायात के कम साधन होने के कारण इसमें काफी समय लगता था। अप्रैल महीने में जम्मू में गर्मी शुरू होते ही महाराजा का काफिला श्रीनगर के लिए निकल पड़ता था। महाराजा का दरबार अक्तूबर महीने तक कश्मीर में ही रहता था। जम्मू से कश्मीर की दूरी को देखते हुए डोगरा शासकों ने शासन को ही कश्मीर तक ले जाने की व्यवस्था को वर्ष 1947 तक बदस्तूर जारी रखा। जब 26 अक्टूबर 1947 को राज्य का देश के साथ विलय हुआ तो राज्य सरकार ने कई पुरानी व्यवस्थाएं बदल ले लेकिन दरबार मूव जारी रखा। राज्य में 148 साल पुरानी यह व्यवस्था आज भी जारी है। दरबार को अपने आधार क्षेत्र में ले जाना कश्मीर केंद्रित सरकारों को सूट करता था, इस लिए इस व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं लाया गया था।

अनियंत्रित डम्पर की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत, कई घायल

जयपुर, 03 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक अनियंत्रित डम्पर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी जिसमें 11 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे लोहा मंडी में जब ट्रैफिक सामान्य था, अचानक एक तेज रफ्तार से आ रहे डम्पर ने अनियंत्रित होकर एक कार को टक्कर मार दी। रफ्तार इतनी अधिक थी कि इसके बाद उसने कई वाहनों और मोटर साइकिलों को चपेट में ले लिया। बाद में वह डिवाइडर से टकराकर पलट गया। थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक उदयसिंह ने 11 लोगों की मरने की पुष्टि की है। इस घटनामें कई लोग घायल हुए हें। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गये और घायलों को निकालकर कांवटिया पहुंचाया जहां से गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में आक्रोश है और स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की है।

उत्तराखंड देवभूमि से अध्यात्म और शौर्य की परंपराएं प्रवाहित होती रही हैं : राष्ट्रपति

देहारादून, 03 नवम्बर (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड की देव-भूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं। भारत का यह पवित्र भूखंड अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली रहा है। कुमाऊं रेजिमेंट तथा गढ़वाल रेजिमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है।

उत्तराखंड राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यहां के युवाओं में भारतीय सेना में सेवा करके मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है। उत्त-राखंड की यह शौर्य परंपरा सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतान्त्रिक परंपरा को शक्ति प्रदान करने में उत्तराखंड के अनेक जन-सेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्रीमती मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर, लोकतन्त्र के इस मंदिर में, विधान सभा के विशेष सत्र में आप सबके बीच आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य विधान सभा के पूर्व और वर्तमान सदस्यों तथा राज्य के सभी निवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान, यहां के जनमानस की आकांक्षा के अनुरूप, बेहतर प्रशासन और संतुलित विकास की दृष्टि से, वर्ष 2000 के नवंबर महीने में इस राज्य की स्थापना की गई।

राष्ट्रपति ने कहा, यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि विगत पच्चीस वर्षों की यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों ने विकास के प्रभावशाली लक्ष्य हासिल किए हैं। पर्यावरण, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य ने सराहनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा, डिजिटल और फिजिकल कनेक्टविटी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्रों में भी विकास हुआ है। विकास के समग्र प्रयासों के बल पर राज्य में ह्यूमन डेवलपमेंट इंडिसेज के कई मानकों पर सुधार हुआ है।

श्रीमती मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि राज्य में साक्षरता बढ़ी है, महिलाओं की शिक्षा में विस्तार हुआ है।

मातृ एवं शिशु-मृत्यु-दर में कमी आई है तथा स्वास्थ्य सेव-ाओं को सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की मैं विशेष सराहना करती हूं। उन्होंने कहा, महिला सशक्तीकरण के प्रयासों से सुशीला बलूनी, बछेन्द्री पाल, गौरा देवी, राधा भट्ट और वंदना कटारिया जैसी असाधारण महिलाओं की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण को राज्य की पहली महिला विधान सभा अध्यक्ष नियुक्त करके उत्तराखंड विधान सभा ने अपना गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा, मैं चाहूंगी कि सभी हितधारकों के सक्रिय प्रयास से उत्तराखंड विधान सभा में महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी हो।

राजग की सरकार में बिहार में जंगलराज इतिहास बन चुका है : अमित शाह

सीतामढ़ी, 03 नवम्बर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार में जंगलराज इतिहास बन चुका है और राज्य में विकास के नए कीर्तिमान बन रहे हैं।

श्री शाह ने आज सीतामढ़ी जिले में राजग प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुये कहा कि राजग की सरकार में जंगलराज इतिहास बन चुका है, अब राज्य में में इंफ्रास्ट्रक्चर, इनो-वेशन से विकास के नए कीर्तिमान बन रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि बेलसंड का आज़ादी के आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान था। बेलसंड के 24 स्वतंत्रता सेनानियों को अंग्रेजों ने काला पानी की सजा दी थी। उन्होंने कहा कि लालू एंड कंपनी ने उन्हें भुला दिया है। उन्होंने कहा कि राजग सरकार इन 24 स्वतंत्रता सेनानियों का स्मारक बनाएगी।

श्री शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान करते-करते अब छठी मैया का अपमान कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब-जब इन लोगों ने श्री मोदी मोदी का अपमान किया है, जनता ने उसका जवाब उन्हें हराकर दिया है। आने वाले चुनाव में सीतामढ़ी वालों को इसे याद रखना है।उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस वाले लोग राम मंदिर के विरोधी हैं। श्री मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाया। अब हम सीता जी का भव्य राम मंदिर बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन सीतामढ़ी में सीता माता के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी, उसी दिन सीतामढ़ी से लेकर अयोध्या तक वंदे भारत ट्रेन भी चालू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो अयोध्या आयेगा, वह सीतामढ़ी भी आयेगा और बिहार के टूरिज्म को बहुत फायदा होगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी जीविका दीदियों के खातों में 10 हजार रुपए डाले हैं। उन्होंने कहाा कि राजद वाले चुनाव आयोग के पास जाकर कह रहे हैं कि यह दस हजार रुपए वापस ले लो। उन्होंने कहा कि वह जीविका दीदियों से कहना चाहते हैं कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है, किसी में दम नहीं जो महिलाओं को मिलने वाले पैसे रोक ले। यह यहीं नहीं रुकेगा आने वाले समय में हम उन्हें दो लाख रुपए देंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि महाठगबंधन में न नेता है, न नीति है। मालूम ही नहीं है कि कौन, किस सीट से लड़ रहा है,जबकि राजग की पांचों पार्टियां, पांडव की भांति एकमुश्त होकर बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि वह बिहार चुनाव का परिणाम अभी बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को आठ बजे मतपेटी खुलेगी और दोपहर एक बजे तक लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। भारी बहुमत से बिहार में राजग की सरकार बनेगी।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 04 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-301

बांग्लादेश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने किया आधिकारिक खुलासा

बांग्लादेश तख्तापलट में था सीआईए का हाथ

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इसमें सैन्य हस्तक्षेप से लेकर अमेरिकी की खुफिया एजेंसी सीआईए की भूमिका तक की अलग-अलग जगहों पर चर्चा की जा रही थी। अब एक किताब में यह दावा किया गया है कि दरअसल शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के पीछे सीआईए का हाथ था। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दौर में गृह मंत्री रहे असदुज्जमां खान कमाल ने इस तख्तापलट को सीआईए की सटीक साजिश बताते हुए देश के सेना प्रमुख और हसीना के रिश्तेदार वकार-उज-जमां पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। असदुज्जमां खान ने दावा किया है कि वकार-उज-जमां सीआईए की जेब में है और उन्होंने हसीना की पीठ में छुरा घोंप दिया है।

यह चौंकाने वाला खुलासा दीप हालदार, जयदीप मजूमदार और साहिदुल हसन खोकन द्वारा लिखित और जगरनॉट द्वारा प्रकाशित पुस्तक इंशाअल्लाह बांग्लादेश: द स्टोरी ऑफ एन अनफिनिश्ड रेवोल्यूशन में किया गया है। हालांकि, यह पुस्तक अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। पुस्तक में असदुज्जमां खान के हवाले से लिखा गया है, यह हसीना को उखाड़ फेंकने के लिए लंबे समय से रची गई सीआईए की एक सटीक साजिश थी। हमें नहीं पता था कि वकार पर सीआईए का हाथ था। कुछ समय पहले तक बांग्लादेश के दूसरे सबसे ताकतवर शख्स रहे असदुज्जमां खान ने बताया है, हमें नहीं पता था कि जनरल वकार-उज-जमां सीआईए के पे-रोल पर हैं।

सीआईए के पिट्ठू सेनाध्यक्ष ने घोंपा हसीना की पीठ में छुरा

सेंट मार्टिन द्वीप सौंपने के लिए दबाव दे रहा था अमेरिका

असदुज्जमां ने बताया कि उनके देश की प्राथमिक रक्षा खुफिया एजेंसी, बांग्लादेश के सैन्य खुफिया महानिदेशालय और साथ ही बांग्लादेश की प्रमुख नागरिक खुफिया एजेंसी, राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया ने प्रधानमंत्री हसीना को यह चेतावनी नहीं दी थी कि वकार ने उन्हें धोखा देने का मन बना लिया है। साथ ही, उन्होंने शक जताया है कि इस साजिश में में शीर्ष अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। असदुज्जमां खान ने दावा किया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए (सीआईए) दक्षिण एशिया में मजबूत नेतृत्व नहीं चाहती। उनका कहना है कि अमेरिका ऐसे देशों में कमजोर सरकारें देखना पसंद करता है ताकि अपने हितों को आसानी से साध सके। जब उनसे पूछा गया कि सीआईए के सहयोग से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन करने से अमेरिका को क्या फायदा होगा।

उन्होंने कहा, इसके दो कारण हैं। पहला, दक्षिण एशिया में बहुत ज्यादा शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्ष न हों। नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और शेख हसीना जैसे मजबूत नेता अगर उपमहाद्वीप पर राज करें, तो सीआईए के लिए अपने हित साधना मुश्किल हो जाता है। अमेरिकी रणनीति हमेशा कमजोर सरकारों के साथ काम करने की रही है। खान ने यह भी दावा किया कि इसके पीछे एक तात्कालिक कारण सेंट मार्टिन द्वीप था। उनका कहना है कि भारतीय प्रेस अब इस पर रिपोर्ट कर रही है लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हमें बहुत पहले ही आगाह कर दिया था कि अमेरिका उन्हें सत्ता से बाहर करने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि वह सेंट मार्टिन द्वीप पर अपना नियंत्रण चाहता है।

सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर पहले शेख हसीना खुद भी ऐसा ही दावा कर चुकी हैं। हसीना ने सत्ता गंवाने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि अगर वह इस द्वीप को अमेरिकियों को सौंप दें तो वह बिना किसी समस्या के सत्ता में बनी रह सकती हैं। भौगोलिक दृष्टि से सेंट मार्टिन द्वीप की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है,

▶10 पर

कटिहार और सहरसा की चुनावी जनसभा में बोले पीएम मोदी

एनडीए की पहचान विकास इंडी की पहचान विनाश

कटिहार, 03 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटिहार में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए की पहचान विकास है, लेकिन राजद-कांग्रेस और इंडी गठबंधन की पहचान ही विनाश है। वे बिहार को विनाश की तरफ से ले जा रहे थे कि एनडीए ने बिहार को उनके चंगुल से बाहर निकाल लिया। पीएम मोदी ने कहा, बिहार की जनता राजनीति की पारखी है। जो कहा जाता है, बिहार की जनता उससे आगे की बात समझ जाती है। आप राजद और कांग्रेस के पोस्टरों को देखिए। जो वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे, जो बिहार में जंगलराज लाए उनकी तस्वीरें पोस्टरों से गायब हैं। अगर कहीं है तो पोस्टरों के कोने में छोटी तस्वीर है। यह दूरबीन से भी नहीं दिखती है। जो उनके लिए इतने बड़े नेता थे, जिनके परिवार के सारे लोग चुनाव के मैदान में हैं, उन्हें ही गायब कर दिया। तेजस्वी पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अपने पिता की नाम बोलने और छपवाने में शर्म क्यों आ रही है? वह कौन सा पाप है, जिसको राजद वालों को बिहार के नौजवानों को छिपाना पड़ रहा है?

पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों के पोस्टरों में कांग्रेस लगभग गायब है। राजद ने कांग्रेस को कट्टा दिखाकर मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित करवा दिया। अब कांग्रेस को उसकी हैसियत भी दिखाई जा रही है। कांग्रेस के नामदार कुछ हफ्तों पहले तक बिहार में बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। उनकी तस्वीर को पोस्टर और घोषणा पत्र में बौना बना दिया है। राजद के नेता जो वादे और घोषणाएं कर रहे हैं, तो कांग्रेस के लोग ही उनपर विश्वास नहीं करते हैं। कांग्रेस और राजद के बीच लंबे समय से एक भीषण झगड़ा चल रहा है। कांग्रेस के नामदार ने छठ को इसलिए ड्रामा बताया ताकि बिहार के लोग राजद पर गुस्सा उतारे और राजद को पराजित करें। कांग्रेस के दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े नेताओं के बयान आप सुने होंगे। अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस के नेताओं के बिहार के लोगों के लिए जानबूझकर अपमानजनक बातें बुलवाई जा रही है। केरल में कांग्रेस नेताओं ने बिहार की तुलना बीड़ी से कर दी। तमिलनाडु के जो नेता बिहारियों को गाली देते हैं, उन्हें प्रचार के लिए कांग्रेस ने बिहार में बुलाया है। राजद और कांग्रेस वाले एक-दूसरे का वोट बैंक छिनना चाहते हैं।

राजद-कांग्रेस को कट्टा और कट्टरपंथी पसंद है

आस्था के अपमान पर राहुल और लालू को घेरा

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले वोट पाने के लिए देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। गरीब, दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े को जो मुफ्त राशन मिल रहा, वह घुसपैठियों को मिलना चाहिए क्या? क्या आपका हक घुसपैठियों को देना चाहिए? राजद और कांग्रेस वाले अनाज, मुफ्त इलाज समेत सारी सुविधाएं घुसपैठियों को देना चाहते हैं। वह देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिहार और देश के संसाधनों पर भारत के नागरिकों का ही हक है। आपका ही हक है। यह हक हम किसी को चुराने नहीं देंगे। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोगों को कट्टा और कट्टरपंथी ही पसंद है। जबकि भाजपा घुसपैठियों को बाहर करने की बात करती है। कट्टरपंथियों के दबाव में राजद और कांग्रेस वालों ने तीन तलाक और नए वक्फ कानून का विरोध किया। इन कानूनों को यह लोग कूड़ेदान में फेंकना चाहते हैं। राजद और कांग्रेस वाले कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक चुके हैं। लालटेन, पंजे और लाल झंडे वालों को बिहार को दशकों तक विकास से दूर रखा। क्योंकि इनके एजेंडे में विकास था ही नहीं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन की सरकार बनी।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के लोग गरीबों को डराते थे। जंगलराज वालों की इसी सोच की वजह से हमारे कटिहार में विकास नहीं हुआ। कांग्रेस और राजद ने इसको पिछड़ा जिला घोषित कर अपना पल्ला झाड़ दिया। जब किसी अफसर को सजा देनी होती थी तो उसे कटिहार भेज देते थे। जब 2014 में आपने मोदी को अपनी सेवा का मौका दिया तो मैंने तय किया कि आपको मुश्किलों में नहीं रहने दूंगा। इसलिए मैंने कटिहार को आकांक्षी जिला घोषित किया। आज यहां सड़क और रेल लाइन का जाल बिछ रहा है।

▶10 पर

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में

आरटीसी बस और टिप्पर ट्रक की टक्कर में 19 की मौत

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार की सुबह, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की एक बस की रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के मिर्ज़ागुडा के पास हैदराबाद-बीजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बजरी से लदे एक टिप्पर लॉरी से टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में दोनों वाहनों के चालकों सहित कुल 19 लोग मारे गए, जिनमें 12 महिलाएं और एक 10 महीने का बच्चा शामिल है। कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है।

दुर्घटनास्थल का दौरा करने और मीडिया को जानकारी देने वाले अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने आगे कहा कि अब तक कुल मृतकों में से आठ शवों की पहचान कर ली गई है और उन्हें हैदराबाद के उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि टिप्पर चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के कारण यह दुखद दुर्घटना हुई।

उन्होंने बताया, टक्कर के समय बस में 72 यात्री सवार थे। आरटीसी बस चालक और टिप्पर चालक दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, साथ ही अगली पंक्तियों में बैठे कई यात्रियों की भी मृत्यु हुई।

घायलों को शुरू में चेवेल्ला सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को बाद में हैदराबाद के गांधी और उस्मानिया अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ उनके उपचार के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया: तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में हुई दुर्घटना से जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों के लिए 50,000 रुपए की सहायता की भी घोषणा की।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि, आज सुबह चेवेल्ला के पास मिर्ज़ागुडा में हुई दुखद बस दुर्घटना पर गहरा दुख है, जिसमें लगभग 19 लोगों की जान चली गई। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की और राज्य प्रशासन को पीड़ितों के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और सभी आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने राज्य सरकार को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने और मृतकों के परिवारों को सभी आवश्यक सहायता देने का निर्देश दिया।

▶10 पर

प. बंगाल में एसआईआर शुरू होते ही दहशत में घुसैपठिए

भागने के चक्कर में पकड़े गए 48 बांग्लादेशी

बशीरहाट, 03 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में एसआईआर का ऐलान किए जाने के बाद से बांग्लादेशी घुसपैठियों में दहशत मची हुई है। अब ये घुसपैठिए देश छोड़कर भागने की फिराक में हैं लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से ये बच नहीं पा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट सीमा क्षेत्र से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे 48 बांग्लादेशी घुसपैठियों सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गिरफ्तार किया है।

बीएसएफ ने बताया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के बाद ये घुसपैठिए भारत छोड़ने की कोशिश कर रहे थे। एसआईआर की घोषणा के बाद हिरासत में लिए जाने या निर्वासित किए जाने के डर से ये घुसपैठिए फरार होने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ ने ऐसे 33 बांग्लादेशियों को पकड़ा और उन्हें स्वरूपनगर पुलिस थाने को सौंप दिया था। फिर दूसरी खेप में बीएसएफ ने 15 अन्य बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल

▶10 पर

बिहार के दरभंगा में बोले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ

महागठबंधन में 3 बंदर... पप्पू टप्पू अप्पू

दरभंगा, 03 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दरभंगा के केवटी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राजद-कांग्रेस महागठबंधन को जमकर धोया। सीएम योगी ने कहा, राजद सांप है और कांग्रेस रामद्रोही। ये देशद्रोही और मां जानकी के विरोधी हैं। यह लोग सनातन परंपरा को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, बिहार के महागठबंधन में भी तीन बंदर हैं। इनका नाम पप्पू, अप्पू और टप्पू। पप्पू सच बोल नहीं सकता, अप्पू सच सुन नहीं सकता और टप्पू सच देख नहीं सकता। उन्होंने किसी का नामस नहीं लिया, लेकिन सब लोग समझ गए कि वे राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के बारे में बोल रहे हैं। योगी ने कहा कि ये तीनों बंदर पप्पू, टप्पू और अप्पू न सच देखते हैं, न सच सुनते हैं और न सच बोलते हैं। उन्हें एनडीए सरकार के विकास का सच दिखाई नहीं देता। न सुनाई देता है और न उनमें यह सच बोलने की नैतिक शक्ति है।

न सच देखते हैं, न सच सुनते हैं, न सच बोलते हैं

सीएम योगी ने कहा, मैं मां जानकी का संदेश लेकर उत्तर प्रदेश से मिथिला आया हूं। जनसभा में योगी ने केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बुलडोज़र कार्रवाई से माफिया और अपराधियों का सफाया हुआ है, और अब राज्य माफिया और अपराध-मुक्त बन चुका है। उन्होंने जनता से अपील की कि बिहार में भी डबल इंजन की सरकार बनाकर विकास, विरासत और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करें। कहा कि वह मां जानकी का संदेश लेकर उत्तर प्रदेश से आए हैं। उन्होंने मिथिला में जानकी मंदिर (पुनौरा धाम) के निर्माण, राम-जानकी सड़क और अन्य विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर जोर दिया। विपक्ष पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि 2005 से पहले बिहार की स्थिति ऐसी थी कि बीमार लोग घर में ही मर जाते थे।

▶10 पर

शोध और विकास के लिए लॉन्च हुआ एक लाख करोड़ का फंड

टेक्नोलॉजी से ही परिवर्तन का अगुआ बना भारत: मोदी

नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2025 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने देश में रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) के लिए 1 लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट ऐंड इनोवेशन (आरडीआई) स्कीम फंड लॉन्च की। इस मौके पीएम मोदी ने कहा, दुनिया में सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत के पास है। भारत एथिकल और ह्यूमन सेंट्रिक एआई के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है। भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का उपभोक्ता नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के माध्यम से परिवर्तन का अगुआ बन गया है। 21वीं सदी में वैश्विक विशेषज्ञों के एक साथ आने और उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर विचार-विमर्श करके दिशा प्रदान करने की सख्त जरूरत है। पीएम मोदी ने इस पहल में विभिन्न मंत्रालयों, निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स और छात्रों की

▶10 पर

टीम इंडिया की जीत पर झूमे सेलेब्स, श्रद्धा कपूर बोलीं

1983 वाला पल देने के लिए शुक्रिया

2 नवंबर 2025 देशवासियों के लिए बहुत खास रहा। ये दिन भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गया है, क्योंकि इसी दिन महिला क्रिकेट टीम ने अपना पहला खउउ महिला विश्व कप ट्रॉफी जीत लिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर विश्व कप जीता और 52 साल का लंबा इंतजार खत्म किया। इस खास मौके पर बॉलीवुड सेलेब्स भी जश्न में डूब गए हैं। अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका चोपड़ा, श्रद्धा कपूर और कियारा आडवाणी तक, सभी ने सोशल मीडिया पर बधाई दी है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक जीत से बॉलीवुड में गर्व की लहर दौड़ गई। फेमस हस्तियों ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया की इस शानदार उपलब्धि का जश्न मनाया।

अभिषेक बच्चन ने कहा– शाबाश लेडीज

अभिषेक बच्चन सबसे पहले रिएक्शन देने वालों में से थे, उन्होंने लिखा, 'कम ऑन!!!! इंडिया!!! विश्व चैंपियन। शाबाश देवियों।' प्रियंका चोपड़ा ने एक भावुक नोट साझा करते हुए कहा, 'मैं नीले रंग के नायकों को देखते हुए बड़ी हुई हूं... आज रात, वे सभी उनकी तरह दिख रहे हैं। विश्व चैंपियन। बधाई हो टीम इंडिया।'

अनुष्का शर्मा ने दी बधाई

अनुष्का शर्मा लिखती हैं, 'आप चैंपियन!! कितनी महत्वपूर्ण उपलब्धि।' कियारा आडवाणी ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा, 'क्या अविश्वसनीय क्षण है, आपने इतिहास रच दिया!!! हमारी महिला खिलाड़ियों को बधाई।'

श्रद्धा कपूर का पोस्ट

श्रद्धा कपूर की भावुक पोस्ट लाखों लोगों की भावनाओं को दर्शाती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दशकों से, सिर्फ माता-पिता सुनते हैं कि 1983 कैसा लगा। हमें हमारा ये वाला पल देने के लिए शुक्रिया लड़कियों। यह पीढ़ियों के लिए है।'

अजय देवगन ने कहा– ऐसी रात कभी नहीं भूलेंगे

अजय देवगन ने टीम के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा, 'एक ऐसी रात जिसे हम कभी नहीं भूलेंगे। शुक्रिया, चैंपियंस। इस टीम ने दुनिया को दिखा दिया है कि सच्चा साहस और विश्वास क्या कर सकता है!'

सुनील शेट्टी ने कहा– पसीना, हौसला और हिम्मत

सुनील शेट्टी ने लिखा, 'पसीना। हौसला। हिम्मत। निश्छल दिल। और इसी तरह इतिहास को एक नई चमक मिली! हमारी महिलाएं गौरव के पीछे नहीं भागीं, बल्कि उसे अपना लिया। हर छोटी बच्ची जिसके पास सपने हैं, और हर एक भारतीय जो जोर से कह रहा है – हम विश्व विजेता हैं।'

राजामौली को भी गर्व

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने एक्स पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, 'विश्व की चैंपियन! हमारी महिला खिलाड़ियों ने कर दिखाया! दीप्ति की हरफनमौला प्रतिभा और शैफाली की विस्फोटक बल्लेबाजी ने गौरव की राह प्रशस्त की। हर भारतीय का दिल गर्व से भर गया है!'

'इतिहास रच दिया'

अभिनेता-फिल्म निर्माता फरहान अख्तर भी जश्न में शामिल हुए और उन्होंने पोस्ट किया, 'इतिहास रच दिया! हमारी नीली जर्सी वाली लड़कियों को बधाई। चैंपियन की तरह बल्लेबाजी और गेंदबाजी की और अब... वे विश्व चैंपियन हैं! क्या खेल था! एक बेहतरीन टीम प्रदर्शन। चलिए, जश्न शुरू करते हैं...।'

टिस्का चोपड़ा के वो किरदार, जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर छोड़ी गहरी छाप

अभिनेत्री और निर्देशक टिस्का चोपड़ा खूबसूरती के साथ-साथ मजबूत किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने बहुत सारी फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है, लेकिन उनके कुछ किरदार ऐसे थे जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ दी। आइए टिस्का के बेमिसाल और यादगार किरदारों के बारे में जानते हैं। 2023 में आई 'हिट: द थर्ड केस' एक तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसमें लीड रोल में सुपरस्टार नानी को देखा गया। फिल्म में उन्होंने एडीजीपी कर्णिका आहूजा का रोल प्ले किया था, जिसमें वो खौफनाक और हत्यारे गैंग को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस रोल में टिस्का की संजीदगी से भरी एक्टिंग को खूब पसंद किया गया था।

2022 में आई टीवी सीरीज 'दहन: रकन का रहस्य' में आईएएस ऑफिसर अवनि राउत का किरदार निभाया था। अवनि राउत एक जिद्दी और अपने फर्ज को मानने वाली ऑफिसर हैं और विज्ञान पर यकीन करती हैं, लेकिन सुपरनेचुरल ताकतों से सामना होने के बाद उनका नजरिया बिल्कुल बदल जाता है।

करीना कपूर और अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी फिल्म 'गुड न्यूज़' (2019) में टिस्का चोपड़ा ने फर्टिलिटी डॉक्टर डॉ. संध्या जोशी का रोल निभाया था। फिल्म में उनकी कॉमेडी टाइमिंग और ह्यूमर को काफी पसंद किया गया था, लेकिन फिल्म के आखिर में उनका किरदार बेहद संजीदा हो गया।

2015 में आई फिल्म 'रहस्य' में टिस्का चोपड़ा ने आरती महाजन नाम की महिला का रोल प्ले किया है, जिन्हें अपनी ही बेटी के मर्डर केस में फंसाने की कोशिश की जाती है। इस फिल्म में टिस्का का अभिनय इतना जोरदार था कि उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। 2007 में आई फिल्म 'तारे जमीन पर' ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में आमिर खान भी थे और टिस्का ने ईशान की मां माया अवस्थी का रोल प्ले किया था। फिल्म में एक्ट्रेस ने सामाजिक स्तर के दबाव और मानसिक बीमारी से जूझ रहे बच्चे के संघर्ष के बीच पुल बनने वाली मां का रोल प्ले किया, जो सभी मां के लिए प्रेरणादायक है।

ए.आर. रहमान के संगीत पर फिल्ममेकर ईशा छाबड़ा ने किया कमाल, गुलिस्तान चले से जीता दिल

अमेरिका में फिल्म मेकिंग की पढ़ाई कर रहीं युवा फिल्ममेकर ईशा छाबड़ा ने अपने नवीनतम प्रोजेक्ट, 'गुलिस्तान चले' म्यूजिक वीडियो के साथ सिनेमा की दुनिया में एक शानदार दस्तक दी है। इस विज़ुअली स्टनिंग वीडियो में ईशा ने न केवल निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। इस प्रोजेक्ट को दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है, उन्होंने ही इसे गाया है और इसके बोल लिखे हैं। यह म्यूजिक वीडियो अब ग्लोबल ग्लो फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम हो रहा है और अपनी कलात्मक परिपक्वता और भावनात्मक गहराई के लिए खूब प्रशंसा बटोर रहा है। 'गुलिस्तान चले' वीडियो में ईशा छाबड़ा की परिष्कृत सिनेमाई संवेदनशीलता और रहमान के भावपूर्ण साउंडस्केप का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। ईशा की सबसे खास बात उनकी दृश्य कविता (तळींरिश्र झेशींी) के माध्यम से कच्चे मानवीय भावों को व्यक्त करने की क्षमता है। एक स्टूडेंट फिल्ममेकर होने के बावजूद, उनका निर्देशन और ऑन-स्क्रीन प्रदर्शन उल्लेखनीय आत्मविश्वास, सौंदर्यपरक सटीकता और दृश्य कहानी कहने में लय की गहरी समझ को दर्शाता है। यह प्रोजेक्ट ईशा की अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनिंग और दिल को छू लेने वाली भारतीय कहानी कहने की कला का मिश्रण है। अपनी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए, ईशा छाबड़ा ने कहा: यह प्रोजेक्ट संवाद के बजाय भावनात्मक तरीके से कहानियाँ कहने की मेरी इच्छा से पैदा हुआ था। कैमरे के पीछे और सामने दोनों जगह काम करना एक पुरस्कृत चुनौती थी।

ए.आर. रहमान के संगीत ने हर फ्रेम को जीवंत कर दिया, जिसने इस अनुभव को अविस्मरणीय बना दिया। मैं ए.आर.आर. के मार्गदर्शन के लिए आभारी हूँ और ग्लोबल ग्लो फिल्म्स द्वारा निर्मित इस खूबसूरत गीत का हिस्सा बनकर धन्य हूँ। संगीत ारशीीी ए.आर. रहमान ने इस प्रोजेक्ट में अपनी सिग्नेचर भावनात्मक गहराई लाई है। उनकी खूबसूरत धुनें और आत्मनिरीक्षण वाले बोल फिल्म में आत्मा भरते हैं, इसे एक साधारण म्यूजिक वीडियो से उठाकर एक चलती-फिरती सिनेमाई अनुभव बनाते हैं। 'गुलिस्तान चले' ईशा छाबड़ा को एक रोमांचक युवा फिल्ममेकर-अभिनेत्री के रूप में स्थापित करता है, जो वैश्विक सौंदर्यशास्त्र को भारतीय सिनेमा के भावनात्मक सार के साथ जोड़ती हैं।

46 की उर्वशी ढोलकिया ने ढाया कहर

कोमोलिका के नाम से घर-घर फेमस हुईं उर्वशी ढोलकिया 46 की उम्र में भी कहर बरपाती हैं। भले ही वह 27-28 साल के बेटों की मां हैं लेकिन ग्लैमर में कोई कमी नहीं। उनकी दिलकश अदा का हर कोई दीवाना है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बार फिर से पारा बढ़ा दिया है। सर्दी में गर्मी का एहसास करा दिया है। उनकी लेटेस्ट बिकिनी फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं।

उर्वशी ढोलकिया ने इंस्टाग्राम पर 2 नवंबर को अपनी कुछ फोटोज शेयर कीं, जो कि समंदर किनारे की थीं। वहां वह बिकिनी में अलग-अलग पोज देती दिखाई दीं। साथ ही उनके पेट पर वो स्क्रैच मार्क्स ने भी सबका ध्यान खींचा। कभी वह कुर्सी पर इठलाती दिखीं तो कभी पानी में आग लगाती नजर आईं।उर्वशी ढोलकिया ने कैप्शन में खुद को वॉटर बेबी बताया है। उनकी फोटोज पर उनके बेटे क्षितिज ढोलकिया ने कमेंक किया, 'ये स्ट्रेच मार्क्स ताकत, जीवन और प्यार की कहानी बयां करते हैं। मुझे उस महिला पर गर्व है जो इन्हें खूबसूरती से पहनती है।' वहीं अरिजीत तनेदा, रोहित वर्मा, निशा रावल समेत अन्य ने रेड हार्ट और फायर इमोजी के जरिए एक्ट्रेस की तारीफ की है।

वहीं फैंस ने भी वाहवाही की। एक ने लिखा, 'कौन बो-लेगा इनके इतने बड़े बेटे हैं ये तो अपनी बहुओं को भी कॉम्प्लेक्स दे दे।' एक ने लिखा, 'मैं तुम्हें देखते हुए बड़ा हुआ, मैं बूढ़ा हो गया और तुम अभी भी जवान हो।' एक ने लिखा, 'क्या खुद को मेंटन किया है।' एक ने लिखा, 'वो स्ट्रेज मार्क्स कहता है हे मम्मा।' एक ने लिखा, 'आपने इस सडे को तो एकदम गर्म बना दिया।

फराह खान की यूट्यूब से हो रही छप्परफाड़ कमाई, बोलीं

मैंने सबसे ज्यादा पैसा दिलीप के साथ व्लॉगिंग से कमाया

फराह खान ने कुछ महीने पहले अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था और कुक दिलीप के साथ व्लॉगिंग करने लगीं। देखते ही देखते उनके व्लॉग्स फेमस हो गए और दिलीप भी स्टार बन गया। अब तो फराह के यूट्यूब चैनल पर 2.4 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। फराह के व्लॉग्स न सिर्फ पॉपुलर हुए हैं, बल्कि उनसे वह छप्परफाड़ कमाई कर रही हैं। फराह ने हाल ही सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में इस बारे में बात की।

फराह खान ने बताया कि कंटेंट क्रिएशन ने उनकी कमाई को और अधिक बढ़ा दिया है। बल्कि उन्होंने फिल्में डायरेक्ट करके इतना पैसा नहीं कमाया, जितना यूट्यूब से कमाया। जब सानिया मिर्जा ने फराह से कोरियोग्राफी, कंटेंट क्रिएशन और डायरेक्शन में से किसी एक को चुनने को कहा, तो फराह बोलीं, 'मुझे तो बस एक ही चुनना है? तो, सबसे ज्यादा पैसा कंटेंट क्रिएशन में है।'

फराह खान ने डायरेक्ट कीं ये फिल्में, पिछली फिल्म ने कमाए थे 383 करोड़ रुपये

यह सुनकर सानिया हैरान रह गईं और कहा कि ये वो बोल रही हैं, जिन्होंने 300 करोड़ रुपये की फिल्म बनाई है। मालूम हो कि फराह की पिछली डायरेक्टेड फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 383 करोड़ रुपये कमाए थे। यह 2014 में आई थी। उससे चार साल पहले फराह ने अक्षय कुमार और कटरीना कैफ स्टारर 'तीस मार खां' डायरेक्ट की थी, जो बुरी तरह फ्लॉप रही। फराह ने 'ओम शांति ओम' और 'मैं हू ना' भी डायरेक्ट कीं, जो हिट रहीं।

11 साल से नहीं डायरेक्ट की फिल्म, फिर भी बंपर कमाई कर रहीं फराह

फराह ने 11 साल से कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की है। वह रियलिटी शोज और अब यूट्यूब चैनल से बंपर कमाई कर रही हैं। फराह ने फिर 300 करोड़ की फिल्म की बात सुनकर कहा, 'नहीं, पर्सनली मैंने कंटेंट क्रिएशन में सबसे ज्यादा पैसा कमाया है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें कि मैं क्या करना चाहती हूं, तो मैं डायरेक्शन करना चाहूंगी। यही मेरा काम है।'

फराह ने राखी को दिखाया था अपना घर, दिलीप की कमाई पर यह थीं बोली

फराह खान के लेटेस्ट व्लॉग की बात करें, तो उसमें राखी सावंत नजर आई थीं। फराह ने राखी को घर बुलाया था और साथ में डिश बनाई। तब फराह ने अपना अपार्टमेंट दिखाते हुए बताया था कि यह तीन मंजिला है, जिसमें सात बेडरूम, एक पर्सनल लिफ्ट और एक स्विमिंग पूल है। जो पर्सनल लिफ्ट है, वह सीधे उनके घर में खुलती है।'

मंगल का वृश्चिक में गोचर

7 दिसंबर तक अपनी स्वराशि वृश्चिक में रहेंगे मंगल

ग्रहों के सेनापति मंगल 27 अक्तूबर 2025 को दोपहर 02:43 मिनट पर तुला से निकलकर अपनी स्वयं राशि वृश्चिक में आ गया है। जब भी कोई ग्रह अपनी स्वराशि में गोचर करता है, तो उसका प्रभाव और भी कई गुना बढ़ जाता है। वैदिक ज्योतिष में हर एक ग्रह का अपना स्वभाव और कारकत्व होता है, जो उसी के साथ फल प्रदान करता है। ज्योतिष में मंगल को उग्र ग्रह माना जाता है। यह साहस, ऊर्जा, उत्साह, रक्त, सेना और युद्ध का कारक ग्रह होता है। मंगल जुनून, महत्वाकांक्षा और दृढ़ता का प्रतीक ग्रह माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मंगल अगले 41 दिनों तक वृश्चिक राशि में ही रहेंगे। इसके बाद यह वृश्चिक राशि को छोड़कर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल के राशि परिवर्तन का सभी राशि के जातकों पर प्रभाव पड़ेगा। कुछ राशियों पर इस गोचर का शुभ, तो कुछ पर अशुभ प्रभाव होगा। जब नवग्रहों का पूजन किया जाता है, तब मंगल को दक्षिण दिशा में स्थापित किया जाता है। माना जाता है कि मंगल देव भूमि पुत्र हैं। ये पूर्व दिशा में उगता है और पश्चिम में अस्त होता है। इसे भौम भी कहा जाता है। मंगल देव की पूजा से भूमि-भवन से जुड़ी दिक्कतें दूर होती हैं। मंगल का रंग लाल है। इनका वाहन मेष यानी भेड़ है। यह गोचर शीघ्रता से परिणाम देने वाला साबित होगा और देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गति आएगी।

मंगल को ज्योतिष शास्त्र में सेनापति माना गया है। मंगल समस्त साहसिक कार्य जैसे सेना, अग्निशमन सेवाएं, पुलिस आदि के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता का भी प्रतिनिधित्व करता है। मंगल अग्नि तत्व ग्रह होने के साथ-साथ एक उत्तेजनात्मक ग्रह भी है। मंगल का प्रभाव युद्ध, भूमि, साहस, पराक्रम और बिजनेस पर भी होता है। साथ ही ये ग्रह वैवाहिक जीवन, भौतिक सुख-सुविधाओं और सफलता को भी प्रभावित करता है

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

मंगल की वजह से देश में आंदोलन, हिंसा, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है। हवाई या पानी से जुड़ी दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। सेना और पुलिस विभाग से जुड़े बड़े मामले सामने आ सकते हैं। जल सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। प्राकृतिक प्रकोप एवं रक्त से संबंधित बीमारियों को बढ़ावा देगी, संक्रमण बढ़ने के भी संकेत हैं। लाल वस्तुओं के भाव भी बढ़ेंगे। वर्तमान ग्रहों की स्थितियां मौसम में भी उतार-चढ़ाव लाएंगी। वृश्चिक राशि जल तत्व की राशि है। इसलिए नौसेना से जुड़े बड़े फैसले, विवाद या दुर्घटना होने की आशंका है।

विवाद की आशंका

मंगल के चलते इस अवधि में सेना और पुलिस विभाग से जुड़े हादसे हो सकते हैं। इनसे जुड़ी घटनाएं या बड़े फैसले हो सकते हैं। सेना या सुरक्षा बलों को लेकर जनता में असंतुष्टि या गुस्सा रहेगा। लोगों को अपने काम पूरा करने के लिए भागदौड़ अधिक करना पड़ेगी। राजनीतिक दलों में आपसी विवाद बढ़ेंगे। आरोप-प्रत्यारोप का क्रम जनवरी के पहले पखवाड़े तक चरम पर पहुंचता दिखेगा। साथ ही पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद भी हो सकते हैं।

करें पूजा-पाठ और दान

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का वृश्चिक राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि–कार्य में सफलता व व्यापार में धन लाभ मिल सकता है। रिश्तों में सुधार होगा और आपकी लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी। निवेश से अच्छा रिटर्न भी आने की संभावनाएं हैं।

वृषभ राशि – आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। अगर किसी दुकान या मकान के काम को लेकर परेशान थे, तो वह पूरे होंगे। इस दौरान धन के अवसर बढ़ने से नए लोगों से बात भी करेंगे।

मिथुन राशि –आपके लिए सकारात्मक परिणाम से भरा रहेगा। कला के क्षेत्र में आगे आएंगे और कुछ नए लोगों से भी जुड़ेंगे। इस समय कारोबार से धन की प्राप्ति होगी। मिथुन राशि के जो लोग नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन के क्षेत्र से हैं, उनके करियर में प्रगति होगी।

कर्क राशि – आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। आप क्रोध पर नियंत्रण रखें। हालांकि, जो लोग मेडिकल और इंजीनियरिंग के सेक्टर से जुड़े हैं, उन्हें आगे आने के नए मौके मिल सकते हैं।

सिंह राशि –इस राशि के लिए यह समय कल्याणकारी रहेगा। आप वाहन, घर या कोई अन्य संपत्ति की खरीदारी करेंगें। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी और कोई बड़ी कारोबारी डील भी इस समय आप कर सकते हैं।

कन्या राशि–ससुराल पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। हालांकि, आपको व्यापार में पार्टनरशिप करने से बचना होगा। संतान की प्रगति से संतुष्ट रहेंगे।

तुला राशि – मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आपको काम को लेकर तनाव रहेगा। इसके अलावा स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। आपको बाहर के खाने-पीने से थोड़ा परहेज रखना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशि – यह समय आपके लिए खास रहेगा। कोर्ट-कचहरी में फंसा हुआ मामला हल होगा। परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। छात्रों को परीक्षा में जीत हासिल होगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

धनु राशि –समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप किसी भी नए काम का प्रारंभ न करें। अगर संभव है, तो व्यापार से जुड़ी कोई भी यात्राएं न करें। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं।

मकर राशि–इस समय नए वाहन को घर लेकर आएंगे। समय करियर के लिए शुभ रहेगा। यदि कोई योजना में पूर्व में धन निवेश किया था, तो अब लाभ मिलने के योग है। इस समय खरीद-बिक्री में सफलता और मानसिक शांति का एहसास होगा।

कुंभ राशि –कारोबार में नए लोगों से जुडेंगे। इस समय घर और बाहर दोनों जगह तालमेल बिठाने में दिक्कतें आएंगी। धैर्यवान बने रहें। जिम्मेदारियों को समझदारी से निभाना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मीन राशि –आपके लिए यह समय शुभ रहेगा। घर से दूर रहने वाले जातकों को परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का सुनहरा मौका मिलेगा। नौकरी और व्यापार दोनों में सफलता मिलेगी। इसके अलावा वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी।

फिश पेंटिंग घर की इस दिशा में लगाएं, गुड लक होगा शुरू धन-दौलत में होगी दोगुनी वृद्धि

मछलियों की पेंटिंग अक्सर लोग अपने घरों में लगाते हैं। घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ इसे वास्तुशास्त्र में बहुत शुभ भी माना जाता है। कहते हैं कि घर में मछलियों की पेंटिंग लगाने से आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे घर की सही दीवार पर लगाने से जातक को गृह क्लेश से भी मुक्ति मिलती है और जीवन से बुरा वक्त दूर हो सकता है। लेकिन अगर आपने इस शुभ पेंटिंग को गलत स्थान या दिशा में लगाया है, तो पेंटिंग का विपरीत प्रभाव भी देखने को मिल सकता है।

फिश पेंटिंग सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मछलियों की पेंटिंग को सही दिशा में लगाने से जातक को घर की आर्थिक समस्याओं से निजात मिल सकती है और धीरे-धीरे धन लाभ के योग बनने लगते हैं। माना जाता है कि वास्तु के सभी नियमों का ख्याल रखकर अगर कोई व्यक्ति फिश की पेंटिंग लगाता है, तो इससे उसके घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इससे परिवार के सदस्यों को जीवन और करियर में तरक्की प्राप्त होती है। साथ ही, गुड लक हमेशा साथ रहता है और घर में सौभाग्य आता है। इस एक पेंटिंग को घर में लगाने से परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है और मानसिक शांति भी महसूस होती है।

इस दिशा में लगाएं फिश पेंटिंग

माना जाता है कि मछलियों की तस्वीर को घर में सही दिशा में लगाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसा न करने से घर में इसका विपरीत प्रभाव देखने को मिल सकता है। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, फिश पेंटिंग को हमेशा घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप इसे उत्तर दिशा में भी लगा सकते हैं। पेंटिंग के लिए इन दिशाओं को सबसे उत्तम माना गया है। इस दिशा में मछलियों की तस्वीर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर रहती है।

घर में फिश पेंटिंग लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, मछलियों की तस्वीर को घर में कभी भी ऐसे स्थान पर नहीं लगाना चाहिए जहां गंदगी रहती हो। ऐसा करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

फिश पेंटिंग को रसोईघर या बाथरूम या टॉयलेट की पास वाली दीवार पर लगाने की भी मनाही होती है। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता आ सकती है।

घर में कभी भी मछलियों की ऐसी तस्वीर नहीं लगानी चाहिए, जिसमें मछलियां धुंधली दिखाई दे रही हों या तस्वीर कहीं से टूटी-फूटी हो। इस प्रकार की फोटो लगाना शुभ नहीं माना जाता है।

वास्तु के अनुसार, मछलियों की तस्वीर के बैकग्राउंड पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कभी भी ऐसी पेंटिंग न लगाएं जिसमें पीछे तूफान या जल में ज्यादा उथल-पुथल दिख रही हो।

घर में ऐसी लगाएं मछलियों की तस्वीर

माना जाता है कि घर में फिश की ऐसी पेंटिंग लगानी चाहिए जिसमें वे चलती हुईं नजर आ रही हों और पीछे का बैकग्राउंड भी पॉजिटिव होना चाहिए। वास्तु के अनुसार घर में कोइ और सुनहरी मछली की तस्वीर लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में हमेशा संतुलन और प्रेम बना रहता है। आप चाहें तो फिश पेंटिंग को अपने घर के लिविंग रूम में लगा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिल सकता है।

घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु टिप्स का रखें ख्याल

दूर होगा दुर्भाग्य और खुलने लगेंगे तरक्की के नए रास्ते

हर मनुष्य के घर में मंदिर सबसे पवित्र स्थान होता है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा चारों ओर फैलती है। शास्त्रों में घर के मंदिर में दिन में दो बार पूजा करने का नियम बताया गया है। ऐसा करने से मन को शांति महसूस होती है और जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार, घर का मंदिर सही दिशा में न हो या इससे जुड़ी कुछ गलतियां की गई हों, तो इससे विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में पूजा घर बनवाते और पूजा करते समय वास्तु के कुछ विशेष नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इससे घर की परेशानियां दूर हो सकती हैं और परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की मिल सकती है।

इस दिशा में होना चाहिए घर का मंदिर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में मंदिर बनवाते या रखते समय दिशा का ध्यान रखना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए सबसे अच्छी दिशा उत्तर-पूर्व मानी गई है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप घर के पूर्व या उत्तर दिशा में भी मंदिर रख सकते हैं। लेकिन कभी भी मंदिर को दक्षिण दिशा में स्थान नहीं देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंदिर में मूर्तियां रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

पूजा घर में भगवान की प्रतिमा या मूर्तियों को पूर्व या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। साथ ही, इन मूर्तियों को मंदिर की दीवार से कुछ दूरी पर रखना चाहिए। मान्यता है

कि ऐसा करने से धूप की सुगंध और सकारात्मकता मंदिर में चारों ओर फैलती है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर पूजा घर बनाने से जातक को वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल सकता है और घर में खुशनुमा माहौल बना रहता है। वहीं, मंदिर में कभी भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मंदिर में भूलकर भी न कराएं ऐसे रंग

अपने पूजा घर में पेंट कराते समय या मंदिर घर लाते समय रंग का विशेष ध्यान जरूर देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कभी भी मंदिर में तेज और काले, नीले आदि जैसे डार्क पेंट नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। इसकी बजाए आप मंदिर में सफेद, हल्का पीला, आदि कलर करा सकते हैं। इन रंगों से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है परिवार के बीच शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है।

इस स्थान पर रखें पूजा का सामान

घर के मंदिर में पूजा का सामान रखने के लिए भी वास्तु में सही दिशा और स्थान बताया गया है। इसका ख्याल जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि धूप, दीपक, तेल, धार्मिक किताबें आदि को मंदिर में पश्चिम दीवार की ओर रखना चाहिए। लेकिन भूलकर भी कोई भी सामान मूर्तियों के ऊपर वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, मंदिर को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां से पर्याप्त मात्रा में धूप की रोशनी अंदर पड़ती हो। इस प्रकार घर में मंदिर रखने से आपके जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी धीरे-धीरे नष्ट हो सकती हैं।

पूजा घर की नियमित सफाई है बेहद जरूरी

वास्तु के अनुसार, कभी भी पूजा घर में गंदगी नहीं जमा होनी चाहिए। इससे जातक को विपरीत प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मंदिर और भगवान की प्रतिमा को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। साथ ही, पूजा घर में गलती से भी खंडित मूर्तियों को नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु नियमों का ख्याल रखते हैं, तो इससे गृह क्लेश से मुक्ति मिलती है, परिवार के बीच प्रेम बना रहता है और जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुल सकते हैं।

हाथ की इन तीन रेखाओं के बारे में जानने वाला, समझने लगता है भविष्य के संकेत

जब तक कोई अनुभव हमारी इंद्रियों या अंतर्मन से न जुड़ जाए, तब तक उस पर विश्वास करना कठिन होता है, यही कारण है कि दुनिया में आस्तिक और नास्तिक जैसी दो विचारधाराएं हैं। ये दोनों विचारधाराएं एक-दूसरे से भिन्न होते हुए भी गहराई में जाकर देखे जाएं तो एक-दूसरे पर अन्योन्याश्रित हैं। मानव की जिज्ञासा और उसकी आस्था तथा निराशा के बीच ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान एक अनोखा सेतु है।हथेली की रेखाएँ व्यक्ति की प्रवृत्तियों, क्षमताओं और स्वभाव की गुप्त चाबी हैं। जैसे जन्मकुण्डली में ग्रह संकेत रूप में व्यक्ति के बारे में सब कुछ बता देते हैं, उसी प्रकार से हाथों की लकीरें बहुत सारे रहस्यों का पर्दाफाश करती हैं। इसलिए प्राचीन ऋषियों से लेकर आधुनिक विद्वानों तक, हर युग में ज्योतिष शास्त्र के अन्तर्गत हस्तरेखा तथा जन्मकुण्डली विज्ञान, मानव स्वभाव और नियति को समझने का एक सशक्त माध्यम है।

अध्यात्मिकवेत्ताओं के अनुसार ब्रह्मांड के सारे नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होते हैं। ज्योतिष शास्त्र कार्य-कारण सिद्धांत के अनुसार चलता है। जैसे किसी बीज में भविष्य का पेड़ छिपा होता है, वैसे ही किसी व्यक्ति की हथेली और उसकी जन्मकुण्डली में उसका भविष्य और व्यक्तित्व की दिशा अंकित होती है।ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा, जन्मकुण्डली इत्यादि के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को केवल भविष्यवाणी तक ही सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि ये प्रकृति द्वारा जीवन में दी गई अनन्त संभावनाओं को पहचानने का माध्यम है। अनन्त सम्भावनाओं में से व्यक्ति अपने लिए, अपनी सफलता के लिए सम्भावनाओं का चयन कर उस पर दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ अपना भविष्य बना सकता है।

मस्तिष्क रेखा है व्यक्ति की मानसिकता का दर्पण – मस्तिष्क रेखा हथेली में व्यक्ति की बुद्धि, विचार शक्ति और मानसिक प्रवृत्ति को दर्शाती है।

हृदय रेखा है स्नेह और भावनाओं की पहचान – हृदय रेखा प्रेम, करुणा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

जीवन रेखा है जीवन शक्ति और आयु का संकेत – जीवन रेखा व्यक्ति की आयु, जीवनशक्ति और स्वास्थ्य को दर्शाती है।

हथेली की तीन रेखाओं को विस्तार से जानने वाला भविष्य की दिशा समझने लगता है।

सपने में दिख रही सुंदर महिला तो पलटने वाली है आपकी किस्मत, जानें शुभ होगा या अशुभ?

रात के वक्त सोते समय नींद में लोगों को अकसर कई तरह के सपने आते हैं। सुबह उठने के बाद कुछ लोगों को सपने याद रहते हैं और कुछ लोग इसे भूल जाते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार नींद में आने वाले हर सपने का कुछ न कुछ अर्थ जरूर होता है। ये सपने सिर्फ हमारी कल्पना भर नहीं होते, बल्कि हमारे भविष्य से जुड़े गहरे संकेत भी होते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। सपनों में दिखाई देने वाले व्यक्ति और घटनाएं हमारे भविष्य और वर्तमान से गहराई से जुड़ी होती हैं। कुछ सपने शुभ फल देने वाले होते हैं, जो आने वाले समय में सफलता और धन लाभ का संकेत देते हैं, जबकि कुछ सपने विपरीत परिस्थितियों और संकट की ओर इशारा करते हैं। जैसे सपने में खुद को दुल्हे के रूप में देखना आने वाली किसी बड़ी विपत्ति की ओर इशारा करता है।

रात को आने वाले सपने शुभ या अशुभ?

स्वप्न शास्त्र कहता है कि सपनों में दिखाई देने वाली चीजें हमारे वर्तमान और आने वाले समय से जुड़ी होती हैं। इसलिए सपनों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। ये सपने हमारे जीवन में घटने वाली घटनाओं के पूर्व संकेत हो सकते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। कुछ सपने सीधे तौर पर भविष्य से जुड़े होते हैं, जबकि ज्यादातर सपने आपकी दिनचर्या या तनाव का प्रतिबिंब हो सकते हैं।

सुबह आने वाले सपनों का मतलब?

सपनों के माध्यम से जीवन में आने वाली खुशियों या परेशानियों का पहले से ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए तो कई तरह की कठिनाइयों से बचा जा सकता है। माना जाता है कि सुबह 4 बजे से 6 बजे के बीच आने वाले सपने सच होते हैं और उनका आपके जीवन पर अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

सपने में सुंदर महिला को देखना?

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में सुंदर और सजी-धजी महिला का दिखना शुभता और समृद्धि का संकेत माना जाता है। यह संकेत देता है कि आपके जीवन में जल्द ही धन, सुख और समृद्धि आने वाली है। माना जाता है कि आपके घर पर जल्द ही मां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है।

सपने में आभूषण धारण किए महिला को देखना?

अगर सपने में कोई महिला आभूषण धारण किए हुए दिखती है, तो इसका अर्थ है कि आपके रुके हुए काम पूरे होने वाले हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना बताता है कि आपको जल्द ही सफलता मिलने वाली है। अगर दीवाली के आसपास आप ये सपना देखते हैं तो ये आपके लिए सोने पर सुहागा होने वाला है।

संपादकीय

घुसपैठिए हैं तो भगाओ उन्हें

बिहार में प्रथम मतदान तीन दिन बाद है। माहौल खूब तप चुका है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में भी घुसपैठियों का मुद्दा शिद्दत से उठाया है। देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर को थी। उसे हम 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के तौर पर मनाते हैं। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठ या अवैध प्रवास को 'राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए खतरा' करार दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वोट बैंक के लिए सरकारों ने घुसपैठ के प्रति आंखें मूंद रखी हैं और देश की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों को लक्षित नहीं किया, लेकिन गृहमंत्री ने कहा कि मुस्लिम आबादी 24.6 फीसदी हो गई है। अर्थात देश में मुसलमान 35-36 करोड़ से अधिक हैं। गृहमंत्री ने तल्खी से कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। मुस्लिम आबादी ही घुसपैठिए हैं, यकीन नहीं होता, क्योंकि बीते दिनों नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, नेपाल आदि देशों के भी अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजा गया है। बांग्लादेशी घुसपैठियों का आंकड़ा हम 1975-76 से सुनते आ रहे हैं कि करीब 2 करोड़ बांग्लादेशी हमारे देश में हैं। यह आरएसएस और जनसंघ का बुनियादी, वैचारिक, राजनीतिक मुद्दा रहा है। 2016 में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक सवाल के जवाब में संसद को बताया था कि घुसपैठियों की संख्या 2 करोड़ से अधिक है। उनकी गणना मुश्किल है, क्योंकि उनके पास वैध, सरकारी दस्तावेज हैं, बेशक अवैध तरीके से हैं। 2004 में यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने संसद में खुलासा किया था कि देश में 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध प्रवासी हैं। गौरतलब है कि तत्कालीन भारत सरकार ने उन्हें 'घुसपैठिए' करार नहीं दिया था। मौजूदा गृह मंत्रालय का यह भी डाटा है कि देश में 40,000 से अधिक रोहिंग्या मुसलमान भी हैं, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उप्र, राजस्थान और तेलंगाना आदि राज्यों में फैले हैं। रोहिंग्या की अधिकतर घुसपैठ म्यांमार और बांग्लादेश से होती रही है। सवाल यह है कि यदि देश में इतने घुसपैठिए हैं और प्रधानमंत्री अलग-अलग चुनावों में, बार-बार, यह मुद्दा उठाते रहे हैं, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से 'नेशनल डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा भी की थी, तो इन घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने में सरकार अभी तक नाकाम क्यों रही है? घुसपैठ एक राष्ट्रीय समस्या है अथवा सियासी संग्राम है या देश की सुरक्षा के लिए वे वाकई खतरा हैं, यथार्थ क्या है? प्रधानमंत्री मोदी का बार-बार इस मुद्दे पर चिंता और सरोकार जताना तार्किक नहीं लगता, जबकि मोदी सरकार का घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजने का आंकड़ा 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान ही रहा है। मोदी सरकार ने 2017 में 1175, 2018 में 1118, 2019 में 1351, 2023 में 1547, 2024 में 1694, 2025 में अभी तक 723 कथित घुसपैठियों को पकड़ा है। मान लेते हैं कि सभी को उनके मूल देश वापस भेज दिया जाएगा, तो सरकारी आंकड़ों का कुल 10,000 भी नहीं हुआ। खुद सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि देश में 2 करोड़ से अधिक घुसपैठिए हैं। सरकार की जवाबदेही क्या है? इन आंकड़ों से तो स्पष्ट है कि देश कभी भी घुसपैठिया-मुक्त नहीं होगा! गृहमंत्री अमित शाह ने यह भी खुलासा किया है कि पश्चिम बंगाल में ही मुस्लिम आबादी वृद्धि 40 फीसदी है, जबकि सीमावर्ती इलाकों में यह बढ़ोतरी 70 फीसदी तक जाती है। क्या मुस्लिम आबादी की इस बढ़ोतरी को ही 'घुसपैठिए' मान लिया जाए? यह न्यायिक नहीं होगा। चूंकि बिहार में चुनाव है, लिहाजा सवाल किया जाना चाहिए कि सीमांचल क्षेत्र के तहत किशनगंज संसदीय सीट पर करीब 68 फीसदी मुस्लिम आबादी क्यों है? इन सवालों के जवाब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ही दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में भी घुसपैठियों का मुद्दा शिद्दत से उठाया है। देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर को थी। उसे हम 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के तौर पर मनाते हैं। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठ या अवैध प्रवास को 'राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए खतरा' करार दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वोट बैंक के लिए सरकारों ने घुसपैठ के प्रति आंखें मूंद रखी हैं और देश की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों को लक्षित नहीं किया, लेकिन गृहमंत्री ने कहा कि मुस्लिम आबादी 24.6 फीसदी हो गई है। अर्थात देश में मुसलमान 35-36 करोड़ से अधिक हैं। गृहमंत्री ने तल्खी से कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। मुस्लिम आबादी ही घुसपैठिए हैं, यकीन नहीं होता, क्योंकि बीते दिनों नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, नेपाल आदि देशों के भी अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजा गया है। बांग्लादेशी घुसपैठियों का आंकड़ा हम 1975-76 से सुनते आ रहे हैं कि करीब 2 करोड़ बांग्लादेशी हमारे देश में हैं। यह आरएसएस और जनसंघ का बुनियादी, वैचारिक, राजनीतिक मुद्दा रहा है। 2016 में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक सवाल के जवाब में संसद को बताया था कि घुसपैठियों की संख्या 2 करोड़ से अधिक है। उनकी गणना मुश्किल है, क्योंकि उनके पास वैध, सरकारी दस्तावेज हैं, बेशक अवैध तरीके से हैं। 2004 में यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने संसद में खुलासा किया था कि देश में 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध प्रवासी हैं।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण जीएसटी बचत उत्सव का परिदृश्य दिखाई दिया

घरेलू खपत के दम पर मजबूत अर्थव्यवस्था

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, लेकिन इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है। साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। इसी तरह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय वैश्विक व्यापार की चुनौतियों और ट्रंप के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच तेज घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत व्यय भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत सहारे के रूप में हैं। गौरतलब है कि हाल ही में दिवाली के त्योहारी बाजार में बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही है। ई-कॉमर्स ने दमदार उछाल दर्ज की है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण जीएसटी बचत उत्सव का परिदृश्य दिखाई दिया है। रुपए को मजबूती मिली है। शेयर बाजार और विदेशी मुद्रा भंडार की उंचाई बड़ी है। महंगाई में कमी और जीएसटी की दरें घटना देश के बाजारों की तेज बढ़त के लिए एक बड़ा आधार है। विगत 13 अक्टूबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2025 के दौरान खुदरा महंगाई घटकर 1.54 प्रतिशत रह गई। यह इससे पिछले महीने 2.07 प्रतिशत थी। यह खुदरा महंगाई दर सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। इस बार सितंबर 2025 में खुदरा महंगाई दर आठ साल में सबसे कम है और यह आरबीआई के लक्ष्य के निचले स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ-साथ सितंबर माह में थोक महंगाई दर भी तेजी से घटकर 0.13 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। महंगाई दर के घटने के साथ-साथ 22 सितंबर से जीएसटी सुधारों के लागू होने से इस बार दिवाली के त्योहारी बाजार में खरीदी को पंख लगते हुए दिखाई दिए हैं। जीएसटी में सरलता और नए

भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है। साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। इसी तरह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय वैश्विक व्यापार की चुनौतियों और ट्रंप के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच तेज घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत व्यय भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत सहारे के रूप में हैं। गौरतलब है कि हाल ही में दिवाली के त्योहारी बाजार में बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही है। ई-कॉमर्स ने दमदार उछाल दर्ज की है।

जीएसटी ढांचे के रोडमैप के तहत जीएसटी के चार टैक्स स्लैब में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब में बदलाव ने त्योहारी बाजार को नई ऊर्जा दी है। जीएसटी की दरों के साथ-साथ आयकर में कटौती से लोगों को लगभग 2.5 लाख करोड रुपए की बचत प्राप्त हुई है। इससे देशवासी बचत से हुई खुशी के साथ खरीदी का बचत उत्सव मनाते हुए दिखाई दिए हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि अक्टूबर 2025 में भारत का फाइनेंशियल वेलबीइंग इंडेक्स (एफडब्ल्यूबीआई) 110.3 तक पहुंच गया है, जो वैश्विक औसत 103.6 से ज्यादा है। इसके साथ ही उपभोक्ता विश्वास भी पिछले साल से 8 अंक बढ़ा है, जो 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक जहां वर्ष 2023 में दिवाली के त्योहारी बाजार में 3.75 लाख करोड़ रुपये और वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीददारी हुई थी, वहीं इस बार त्योहारी सीजन के तहत खरीददारी पांच लाख करोड़ रुपये के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। इस बार दिवाली पर देश में लोगों की क्रय शक्ति बढने और अमेरिका में डॉलर की वैल्यू घटने से इस साल त्योहारी सीजन में चांदी और सोने के भाव भी रिकॉर्ड स्तर पर रहे हैं। डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है। शेयर बाजार का ग्राफ बढ़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के स्तर पर रहा है। इन सबके परिणामस्वरूप इस समय औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई दे रहा है। मांग व उत्पादन बढने से रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हो रही है। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू खपत के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक, वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त और सितंबर माह में अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने 14 अक्टूबर को मिस्र में आयोजित वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत एक महान देश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके एक बहुत अच्छे दोस्त हैं और उन्होंने शानदार काम किया है। साथ ही उन्होंने भारत से अच्छे कारोबार संबंधों का संकेत दिया।

इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भारत के अधिकारियों के एक उच्च स्तरीय दल ने अमेरिका में प्रभावी चर्चा की है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत को ट्रंप के ऊंचे टैरिफ से हो रहे नुकसान की पूर्ति के लिए भारत के साथ रूस के व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए अपने कैबिनेट मंत्रियों को निर्देश दिए हैं। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। निश्चित रूप से इस समय भारत मजबूत घरेलू खपत और नई वैश्विक आर्थिक अनुकूलताओं की उम्मीदों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश को वर्ष 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनाने के मद्देनजर कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा। जीएसटी के बाद अब देश को विकसित भारत के लक्ष्य के लिए ऊंची आर्थिक विकास दर के मद्देनजर नई पीढ़ी-अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढने की जरूरत है। इन सुधारों के तहत जीवन में आसानी, कारोबार सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, प्रशासन को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। ऐसे में देश को कृषि, बैंकिंग, श्रम, बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि सुधारों की डगर पर आगे बढना होगा। उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के मंत्र से प्रेरणा लेते हुए पूरे देश में और अधिक करोड़ों लोग स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों के उपयोग को जीवन का मूलमंत्र बनाएंगे तथा इससे देश मजबूत घरेलू खपत के साथ आत्मनिर्भरता की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। उम्मीद करें कि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लगातार आगे बढ़ रहे भारत में घरेलू खपत तथा प्रति व्यक्ति आय में और तेजी से वृद्धि होगी और इससे अर्थव्यवथा के साथ आम आदमी की मुस्कुराहट भी बढ़ती हुई दिखाई देगी।

कुछ अलग

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं होना चाहिए

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ो। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

देश दुनिया से

दो राज्य, अलग-अलग रास्ते

वर्ष 1966 में पंजाब और हरियाणा के जन्म को याद करते हुए, मेरे विचार 1947 में हुए पंजाब के पहले विभाजन की ओर चले जाते हैं, जब भयानक सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, लूटपाट, बलात्कार और हत्याओं ने पूरे लाहौर को अपनी चपेट में ले लिया था, उस शहर में हमारा परिवार दशकों से बसा था। बंटवारे के बाद, हमें अपना घर-बार छोड़कर भागना पड़ा और भारत की सरहद में पहुंचने से पहले अनगिनत खतरों का सामना करना पड़ा। हालांकि, मरने वालों की सही संख्या का पता नहीं है, लेकिन अनुमान है कि 20 लाख से ज़्यादा लोग मारे गए और लगभग पांच गुना ज़्यादा बाशिंदे बेघर होकर शरणार्थी बन गए। नए देश को गंभीर समस्याएं निरंतर त्रस्त करती रहीं, सरकारी खजाना खाली था और पूर्वी पंजाब (बाद में पंजाब, भारत कहलाया) में अकाल जैसी स्थिति थी; सीमा पार करके आए लाखों-लाख लोगों के भोजन के लिए पर्याप्त अनाज नहीं था। अगले दो दशकों तक, पंजाब में एक के बाद एक बनी सरकारों ने, एक समर्पित नौकरशाही के मज़बूत समर्थन से, मानव इतिहास में शायद सबसे बड़े जबरन नागरिक पलायन के बाद पैदा हुई अनगिनत चुनौतियों का बखूबी सामना किया। रेडक्लिफ लाइन (जिसने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तय की) स्थापित होने से पहले, सिखों ने एक अलग होमलैंड की मांग उठाई। उनकी आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं। आज़ादी के बाद, शिरोमणि अकाली दल ने इस मांग को फिर से उठाने के लिए ज़ोरदार आंदोलन किया। यह देखते हुए कि भारत के अन्य राज्यों में पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया गया था, पंजाबी भाषी राज्य की मांग कोई अपवाद नहीं थी। हालांकि, सिख समुदाय की राजनीतिक आकांक्षाओं के साथ जुड़ने के बाद इसने कुछ अलग रंगत ले ली। राज्यों के भाषाई और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन की जांच के लिए गठित राज्य पुनर्गठन आयोग (1953-55) ने पंजाब के विभाजन को विशुद्ध भाषा के आधार पर करने को खारिज कर दिया। इसने पंजाब को द्विभाषी (पंजाबी और हिंदी) राज्य बनाए रखने का समर्थन किया। सिखों के राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने की गर्ज से पंजाब हिंदू महासभा ने शिरोमणि अकाली दल की पंजाबी सूबे की मांग का पुरज़ोर विरोध किया और पंजाब को हिंदी-बहुल राज्य बनाए रखने के लिए आंदोलन किया। मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों, जोकि एक सक्षम किंतु अपने अधिनायकवादी रवैये के लिए जाने जाते नेता थे, उन्होंने अपने कार्यकाल (1956-64) के दौरान शिरोमणि अकाली दल और हिंदू महासभा के आंदोलनों से प्रभावी ढंग से निबटा। दिल्ली में, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू किसी भी ऐसे फैसले के खिलाफ थे जिसके परिणामस्वरूप हिंदू-सिख सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता हो। उक्त दोनों पक्षों के आंदोलन 1950 के दशक से लेकर 1960 के दशक तक चलते रहे, जब तक कि केंद्र सरकार भाषा के आधार पर पंजाब का फिर से गठन करने की मांग पर सहमत नहीं हो गई। साल 1966 में, पंजाब में 18 जिले थे, जिनमें से लगभग सात मुख्य रूप से हिंदी भाषी माने जाते थेः अंबाला, संगरूर, करनाल, गुड़गांव, रोहतक, हिसार और महेंद्रगढ़ के कुछ हिस्से। ऊपर बताए गए ग्रुप में, अंबाला (जो कि 1947 तक एक महत्वपूर्ण ब्रिटिश छावनी थी) और करनाल को अपेक्षाकृत ज़्यादा विकसित माना जाता था क्योंकि वे ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रंक (जीटी) रोड पर स्थित थे। जबकि बाकी जिले तथाकथित भीतरी इलाकों में थे और 'पिछड़े' माने जाते थे। इन जिलों में नियुक्ति को सज़ा के तौर पर देखा जाता था, खासकर राजनीतिक रूप से जुड़े उन अधिकारियों के लिए जो सिर्फ अमृतसर, जालंधर और लुधियाना जैसे 'मेन लाइन' जिलों में ही काम करने के आदी थे, ये सभी जिले ऐन जीटी रोड पर स्थित थे। आम धारणा यह थी कि हरियाणा नामक पूरा इलाका 'पिछड़ा' है और इसे बाकी पंजाब से अलग करने से सिर्फ इसकी और उपेक्षा एवं गिरावट ही होगी। केंद्र सरकार ने कैरों के खिलाफ भ्रष्टाचार और अधिकार के दुरुपयोग के आरोपों की जांच के लिए जस्टिस एस.आर. दास आयोग बनाया था। इस आयोग की रिपोर्ट सामने आने के बाद, 1964 के मध्य में, उभरते राजनीतिक माहौल ने कैरों को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया। जून 1964 में कैरों के जाने से राज्य प्रशासन के कामकाज पर असर पड़ा। एक और झटका तब लगा जब पाकिस्तान ने अगस्त 1965 में 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' शुरू कर दिया, जिसका मकसद जम्मू और कश्मीर में बड़ी संख्या में प्रशिक्षित आतंकवादियों को भेजना था ताकि वहां अराजकता और अव्यवस्था फैलाई जा सके और घाटी पर कब्जा किया जा सके। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की नाकाम कोशिश एक बड़े पैमाने के युद्ध में बदल गई, जिसमें पंजाब युद्ध का मुख्य मैदान बन गया। पश्चिमी कमान की सेना ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को करारी हार दी। युद्ध का मुख्य मैदान होने के नाते, पंजाब इस संघर्ष से प्रभावित हुआ। 1965 की लड़ाई के बाद कुछ विवादों ने एक ऐसा राजनीतिक-सैन्य माहौल बनाया, जिसने मेरी याद्दाश्त में, पंजाब के पुनर्गठन को स्वीकार करने के केंद्र सरकार के फैसले को काफी हद तक प्रभावित किया। शिरोमणि अकाली दल और हिंदू महासभा के लंबे समय तक चले आंदोलनों और, बाद में, 1965 के युद्ध ने पंजाब में बेचैनी और अनिश्चितता का माहौल बना डाला था, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था के कामकाज को भी प्रभावित किया था। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री (जून 1964 - जनवरी 1966) और, बाद में, इंदिरा गांधी (1966-77 और 1980-84) दोनों ही पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में राजनीतिक स्थिरता को तुरंत बहाल करने की ज़रूरत को लेकर गंभीर रूप से चिंतित थे; उन्होंने भाषाई आधार पर इसके पुनर्गठन की ज़रूरत को स्वीकार किया। केंद्र सरकार का रुख तब साफ हो गया जब उसने मार्च 1966 में नए राज्यों की सीमाओं को तय करने और अन्य ज़रूरी सिफारिशें करने के लिए जस्टिस जे.सी. शाह कमीशन नियुक्त किया। शाह कमीशन की रिपोर्ट (मई 1966) ने सितंबर 1966 में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम पारित होने का रास्ता साफ कर दिया। इस अधिनियम के पारित होने के बाद, सभी आईएएस, आईपीएस और अन्य सेवाओं के अधिकारियों से उस कैडर की अपनी प्राथमिकता वाली पसंद बताने के लिए कहा गया जिनमें वे नियुक्त होना चाहते थेः पंजाब, हरियाणा या हिमाचल प्रदेश। यह काम जल्दी पूरा हो गया। यह पक्का करने के लिए कि पुनर्गठन से जुड़े सभी मामले कुशलता, पारदर्शिता और निष्पक्षता से तय हों, जुलाई 1966 की शुरुआत में राज्य में यूनिटरी (एकात्मक) शासन लागू किया गया और पूर्व कैबिनेट सचिव और जाने-माने आईसीएस अधिकारी धर्म वीरा को पंजाब और हरियाणा का गवर्नर नियुक्त किया गया। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के मुख्य प्रावधानों में शामिल थेः पंजाब (11 ज़िले, मुख्य रूप से पंजाबी बोलने वाले) और हरियाणा (सात ज़िले, मुख्य रूप से हिंदी बोलने वाले) नामक राज्यों का गठन; चार पहाड़ी ज़िलों और तीन अन्य ज़िलों के कुछ हिस्सों को मिलाकर हिमाचल प्रदेश (तब एक केंद्र शासित प्रदेश) बनाना; चंडीगढ़ को पंजाब से अलग करके एक केंद्र सरकार शासित प्रदेश रखना, जो पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी के रूप में काम करेगा; सभी संपत्ति, राज्य की जमीन-जायदाद, देनदारियां और कर्ज़ 60:40 के अनुपात में बांटे जाएंगे; सिविल और पुलिस अधिकारियों को स्थानीयता (डोमिसाइल) और भाषा में दक्षता के आधार पर तीनों कैडर में बांटा जाएगा; विधायी सीटों के साथ-साथ संसद में प्रतिनिधित्व भी बांटा जाएगा।

आप का नजरिया

कांगड़ा के अभिभावक

सियासत यूं ही छलक जाती है, किश्तियां तूफानों से जब गुजर जाती हैं। छलकती सियासत के दरियाओं का मिलन इस बार कांगड़ा में हुआ, तो पूरी ब्यास नदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की गलबहियों में शांता कुमार की खुशी का महासागर देखा गया। यह जाहिर तौर पर इस दशक की बेहतरीन फोटो या फोटोशूट होगा और प्रसन्नता के बाजुओं में पूरा जिला इसमें अपने अभिभावक को तलाश करेगा। सवाल भंवरे की तरह कांगड़ा के राजनीतिक बागीचों की खबर देते हैं, लेकिन खडंहर हो चुके इस जिला की आबरू में अब दांत कहां बचे। बेशक इस मिलन की बरसात में मौसम की खबर है, वरना तपते रेगिस्तान में कांटों के सिवा अब बचा ही क्या। तो क्या हिमाचल भाजपा अपने कांटे चुनने के लिए कांगड़ा के सियासी रेगिस्तान को छान मारेगी। वैसे 'रन फार यूनिटी' में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर इतना तो दौड़ ही चुके हैं कि कांगड़ा के टेढ़े रास्ते सीधी मंजिल तक पहुंचने की गवाही दे रहे हैं। कांगड़ा पिछले कई दशकों से अपने लिए सही अभिभावक की तलाश में कभी शिमला, कभी मंडी, तो कभी हमीरपुर को देख रहा है। ऐसे में मंडी के सरोकार क्या कांगड़ा के त्योहार बनेंगे। यहां दो पार्टियों के बीच कांगड़ा के सबूत चुनने की प्रतियोगिता में अगर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू खुद को जिला का अभिभावक मानते हैं, तो प्रश्नों की फसल उगा कर जयराम ठाकुर ने अपने प्रवास की प्रासंगिकता की जमीन हथिया ली। जयराम ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण में सुक्खू सरकार की भूमिका का तराजू खड़ा कर दिया है। यह मसला कांगड़ा के बीच कांगड़ा का है, कांगड़ा बनाम हमीरपुर संसदीय क्षेत्र का है या धूमल सरकार से सुक्खू सरकार तक के सफर का है। बहरहाल जयराम ने सुलगते प्रश्नों के बीच से आंच निकालकर सरकार से ही नहीं पूछा, बल्कि कांगड़ा की सियासी मिलकीयत में अपनी कड़छी घुमा दी है। यह इसलिए भी कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र तपोवन लौट रहा है और इसके मायने कांगड़ा अपने कानों से सुनेगा। कांगड़ा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में अपना जज्बा दिखा रहे 92 वर्षीय शांता कुमार की विरासत में कांगड़ा के पांव यूं तो अपनी शक्ति से नहीं चले, लेकिन वयोवृद्ध नेता के कदम निरंतर चले। कुल मिला कर शांता के बाद कांगड़ा से ऐसा नेता सामने नहीं आया जो प्रदेश की हैसियत में दर्ज हो। भाजपा ने हमीरपुर और मंडी के बीच अपनी सरकारें चला लीं, तो कांग्रेस भी शिमला से नीचे उतर कर हमीरपुर की पैरवी में अपना रुतबा दिखा रही। ऐसे में यह तो मानना पड़ेगा कि कांगड़ा के पास अपना अभिभावक नहीं, इसलिए हमीरपुर और मंडी के रास्ते अब यहां सियासत के टुकड़े अर्जित हो रहे हैं। बावजूद इसके कि शांता कुमार में यह हुनर है कि वह 92 वर्ष तक हिमाचल के राजनीतिक इतिहास के सक्रिय अध्याय नजर आते हैं, उनके प्रश्रय की विरासत में कांगड़ा के नेता तिनका-तिनका बिखरते रहे। वह खिलखिलाते हैं तो सामने जयराम ठाकुर नजर आते हैं। वह तारीफ करते हैं तो कांग्रेस के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी श्रेय पाते हैं। शांता कुमार की राजनीति में कांगड़ा के सुखद एहसास अगर जयराम ठाकुर को दिल से कबूल कर रहे हैं, तो यह आगामी चुनावों की छांव भी हो सकती है। पहले कार्यकाल में बतौर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भले ही सत्ता के स्पर्श में कांगड़ा से अपना नाता बना पाए, लेकिन अब जिला का अभिभावक बनने के लिए उन्हें नई पारी की शुरुआत करनी पड़ेगी। कांगड़ा के सियासी वातावरण में शांता कुमार के बाद कौन, यह प्रश्न भाजपा के चेहरों में विपिन सिंह परमार, विक्रम सिंह या पवन काजल से पूछा जाएगा, तो कांग्रेस के वजूद में ऐसा कौन है जो पूरे जिला की तकदीर से नत्थी होगा। क्या सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी नाव को नादौन-देहरा के पत्तन से चलाते हुए धौलाधार की हवाओं को वश में कर लेगी या कांग्रेस से भाजपा में गए सुधीर शर्मा के हिस्से आई पंडित राजनीति के गुल खिल जाएंगे। जो भी हो, शांता कुमार की राजनीतिक जागीर से कांगड़ा के अभिभावक की पहली मंजूरी तो जयराम ठाकुर को मिल रही है, लेकिन परिदृश्य में अनुराग ठाकुर और जगत प्रकाश नड्डा के पदचाप भी सुने जा रहे हैं।

जाहिर तौर पर इस दशक की बेहतरीन फोटो या फोटोशूट होगा और प्रसन्नता के बाजुओं में पूरा जिला इसमें अपने अभिभावक को तलाश करेगा। सवाल भंवरे की तरह कांगड़ा के राजनीतिक बागीचों की खबर देते हैं, लेकिन खडंहर हो चुके इस जिला की आबरू में अब दांत कहां बचे। बेशक इस मिलन की बरसात में मौसम की खबर है, वरना तपते रेगिस्तान में कांटों के सिवा अब बचा ही क्या। तो क्या हिमाचल भाजपा अपने कांटे चुनने के लिए कांगड़ा के सियासी रेगिस्तान को छान मारेगी। वैसे 'रन फार यूनिटी' में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर इतना तो दौड़ ही चुके हैं कि कांगड़ा के टेढ़े रास्ते सीधी मंजिल तक पहुंचने की गवाही दे रहे हैं। कांगड़ा पिछले कई दशकों से अपने लिए सही अभिभावक की तलाश में कभी शिमला, कभी मंडी, तो कभी हमीरपुर को देख रहा है। ऐसे में मंडी के सरोकार क्या कांगड़ा के त्योहार बनेंगे। यहां दो पार्टियों के बीच कांगड़ा के सबूत चुनने की प्रतियोगिता में अगर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू खुद को जिला का अभिभावक मानते हैं, तो प्रश्नों की फसल उगा कर जयराम ठाकुर ने अपने प्रवास की प्रासंगिकता की जमीन हथिया ली। जयराम ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण में सुक्खू सरकार की भूमिका का तराजू खड़ा कर दिया है।

दृष्टि कोण

मतदाता सूची सुधार की दिशा में चुनाव आयोग का अगला कदम

हाल ही में चुनाव आयोग द्वारा देशव्यापी एसआईआर (मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण) यानी कि एसआईआर के दूसरे चरण की बात कही गई है, यह स्वागत योग्य कदम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बारह राज्यों में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) होगा। पाठकों को बताता चलूं कि बिहार के बाद चुनाव आयोग ने दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ सहित देश के नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मंगलवार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का ऐलान किया है। जानकारी के अनुसार संबंधित राज्यों की मौजूदा वोटर लिस्ट फ्रीज हो गई है तथा मंगलवार से ट्रेनिंग के साथ एसआइआर प्राढिया शुरू होकर सात फरवरी 2026 को खत्म होगी। इस दौरान 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने के साथ सत्यापन भी करेंगे। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। बीएलओ घर-घर जाकर जो गणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म देंगे, इसमें मतदाता की हर डिटेल पहले से भरी होगी और फोटो लगानी होगी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन राज्यों में 21 साल बाद एसआईआर की प्राढिया की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 2002 से 2004 में एसआइआर किया गया था, इसलिए इस बार होने वाली पूरी प्राढिया में 2003 की वोटर लिस्ट को आधार बनाया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि चुनावी राज्य असम में अभी एसआईआर नहीं होगी। दरअसल, असम के लिए नागरिकता नियम देश के दूसरे हिस्सों से अलग हैं। चुनाव आयोग के अनुसार असम के लिए अलग से रिवीजन ऑर्डर्स जारी किए जाएंगे और वहां एसआईआर के लिए अलग तारीख की घोषणा की जाएगी। बहरहाल, मीडिया में आईं खबरें बतातीं हैं कि इस महाअभियान में एक दर्जन सूबों के करीब 51 करोड़ मतदाताओं के नाम की जांच की जाएगी और सात लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) इस टास्क को

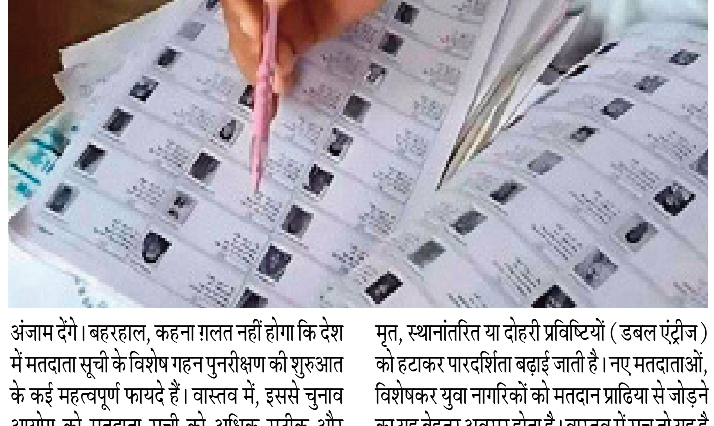

अंजाम देंगे। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत के कई महत्वपूर्ण फायदे हैं। वास्तव में, इससे चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन (अपडेट करने) बनाने में मदद मिलती है। मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टियों (डबल एंट्रीज) को हटाकर पारदर्शिता बढ़ाई जाती है। नए मतदाताओं, विशेषकर युवा नागरिकों को मतदान प्राढिया से जोड़ने का यह बेहतर अवसर होता है। वास्तव में सच तो यह है कि इसके जरिए हर योग्य नागरिक को मताधिकार सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। साथ ही, इससे चुनाव की विश्वसनीयता और लोकतांत्रिक प्रणाली की मजबूती में भी वृद्धि होती है। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण यानी कि एसआईआर से लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होती हैं, क्योंकि यह निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करता है। यह अभियान देश और समाज के नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने का भी कार्य करता है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छूटे हुए मतदाताओं को भी जोड़ा जा सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे अधिकारियों को क्षेत्रवार सत्यापन करने का अवसर मिलता है, जिससे विभिन्न त्रुटियों में कमी आती है। इससे मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ती है। दूसरे शब्दों में कहें तो देश में आज एसआईआर की जरूरत इसलिए है क्योंकिराजनीतिक दल मतदाता सूचियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। कितनी बड़ी बात है कि फर्जी, मृत या उस स्थान पर नहीं रहने वाले लोग भी आज मतदाता बने हुए हैं। जो देश के नागरिक नहीं वह लोग भी मतदाता बने हुए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 04 नवंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 10:37 तक
नक्षत्र : रेवती दोपहर 12:35 तक
योग : वज्र सायं 03:42 तक
करण : गर दोपहर 12:35 तक
चन्द्रराशि : मीन दोपहर 12:35 तक
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैकुंठ चतुर्दशी, भद्रा रात्रि 10:37 से , पंचक दोपहर 12:35 तक , गण्डमूल चालू है,कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232, 9866165126
Chidamber011@gmail.com

अधिकारी लोगों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से करें निस्तारित : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 03 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में जुटी हुई है। आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता से निस्तारण कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी दिशा में एक सार्थक कदम है। इसके माध्यम से मुख्यमंत्री परिवादियों से सीधा संवाद कर उनकी परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण कर रहे हैं। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो। सिलिकोसिस ग्रस्त रामअवतार का बनेगा सर्टिफिकेट, मिलेगा योजना का लाभ सिकराय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

घर–घर होगा सत्यापन: भाजपा ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर कसी कमर

कोटा, 03 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित 'मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण' के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (डखठ) को लेकर अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी संबंध में जयपुर में भाजपा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें कोटा जिले से भी कई प्रमुख पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि कार्यशाला में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, कोटा देहात जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर, जिला महामंत्री रितेश चित्तौडा, महावीर नायक, शैलेन्द्र ऋषि सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 27 अक्टूबर को राज्य में मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (डखठ) की घोषणा की है। इस अभियान में भाजपा के बीएलए–2 (बूथ लेवल एजेंट–2) सरकारी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ मिलकर पूरा सहयोग करेंगे। कार्यशाला में दी गई जानकारी के अनुसार, इस अभियान के तहत: सत्यापन प्रक्रिया: बीएलओ स्तर से मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जाएगा। घर–घर विजिट: सत्यापन के लिए बीएलओ मतदाता के निवास पर कम से कम तीन बार विजिट करेगा। आधार वर्ष: साल 2002 की मतदाता सूची को 'एसआईआर अर्हता' का आधार माना जाएगा। जिन वोटरों का नाम 2002 की सूची में शामिल है, उनका ऑनलाइन वेरिफिकेशन होगा और उन्हें कोई दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

सीकर रोड सड़क हादसा

चिकित्सा मंत्री ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर लिया स्थिति का जायजा

जयपुर, 03 नवंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को सीकर रोड पर हरमाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में दिवंगत हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही, हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे और हादसे के मृतकों तथा घायलों के बारे में जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन से पूरी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को त्वरित एवं बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, कांवटिया एवं अन्य अस्पतालों में भर्ती घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि घायलों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इससे पहले घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री ने दूरभाष पर वार्ता कर सवाई मानसिंह अस्पताल एवं कांवटिया अस्पताल प्रशासन को अलर्ट करते हुए घायलों के उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों का जीवन बचाने के लिए उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं।

राजस्थान के आरएपीएस संयंत्र में हाइड्रोजन सल्फाइड रिसने से बेहोश हुए मजदूर की नौ दिन बाद मौत

चित्तौड़गढ़, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र (आरएपीएस) के भारी पानी संयंत्र में 'हाइड्रोजन सल्फाइड' गैस के रिसाव के कारण कुछ दिन पहले बेहोश हुए एक मजदूर की मौत हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मजदूर धर्मेंद्र लोहार और आरएपीएस में एक ठेकेदार के अधीन काम करने वाले चार अन्य श्रमिक 25 अक्टूबर को रखरखाव कार्य के दौरान भारी पानी संयंत्र में 'हाइड्रोजन सल्फाइड' गैस के रिसाव के बाद बेहोश हो गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि रिसाव के कारण बेहोश हुए चार अन्य मजदूरों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रावतभाटा थाने के सहायक उप–निरीक्षक (एएसआई) शांतिलाल बुनकर ने सोमवार सुबह पत्रकारों को बताया कि वेंटिलेटर पर रखे गए धर्मेंद्र लोहार की रविवार देर रात कोटा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। लोहार लगभग 15 से 20 वर्षों से आरएपीएस स्थित भारी जल संयंत्र में संविदा श्रमिक के रूप में कार्यरत था। इस बीच लोहार की बहन ने संयंत्र प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिवार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की है।

एएसआई ने बताया कि कोटा के महाराव भीमसिंह (एमबीएस) अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जा रहा है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिवार को सौंप दिया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि लोहार की बहन चित्तौड़ के भैंसरोडगढ़ निवासी सीमा लोहार ने शिकायत दर्ज कराई है कि भारी जल संयंत्र में जहरीली गैस के रिसाव के बाद उसका भाई बेहोश होकर गिर पड़ा। मामले में आगे की जांच जारी है।

कुरुक्षेत्र में 15 नवंबर से 10वें विश्व अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 03 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 15 नवंबर से धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 10वां विश्व अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन हो रहा है, जो 5 दिसंबर तक चलने वाला है। यह जानकारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को प्रेसवार्ता करके दी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, पहली बार यह महोत्सव 21 दिनों तक चलेगा, जिसमें संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्म का अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। 2014 में प्रधानमंत्री ने कुरुक्षेत्र के आगमन के दौरान कहा था कि गीता स्थली के तौर पर पहचान दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद हमने गीता महोत्सव को कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का फैसला लिया था। 2016 में इसकी शुरुआत की गई थी और तब से लेकर अब तक नौ वर्षों में इसकी सफलता और लोकप्रियता देखने को लगातार मिल रही है।मुख्यमंत्री ने कहा, कुरुक्षेत्र 48 कोस की परिधि में फैला है जिसमें अनेक तीर्थ स्थल हैं, जिनमें से कुरुक्षेत्र विकास स्थल की ओर से 182 तीर्थस्थलों की पहचान कर ली गई है। सबसे अच्छा है कि कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि में अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने भगवत गीता का उपदेश बताया था।उन्होंने कहा कि 2019 में यह महोत्सव लंदन और मॉरीशस में मनाया गया था। इसके बाद यह ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया सहित कई देशों में आयोजित किया गया था। हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका आयोजन पूरे विश्व में हो रहा है। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र में हर साल देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, जिससे इसकी लोकप्रियता भी देखी जा रही है।उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने जो ज्ञान दिया था उसके 5163 साल पूरे हो गए हैं। यह महोत्सव देश–विदेशों में मनाया जाने लगा है। इस बार मध्य प्रदेश पार्टनर स्टेट के तौर पर गीता महोत्सव में रहेगा और 24 नवंबर को ब्रह्महस्रोवर पर यज्ञ के बाद शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री कृष्ण ने जो अमर वाणी दी है, उससे हर व्यक्ति आगे बढ़ सकता है। इस गीता महोत्सव में 16 देशों के 25 विद्वानों की उपस्थिति रहेगी। 29 नवंबर को संत सम्मेलन का आयोजन भी होगा और 1 दिसम्बर को 18 हजार छात्र गीता पाठ करेंगे।

संवाद एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित

जयपुर, 03 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर के राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा भारत में आत्मनिर्भरता एवं सततता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वनस्पति तेल आपूर्ति श्रृंखला के हितधारकों के साथ संवाद एवं परामर्श विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि यह कार्यक्रम सॉलिडेरिडाड रीजनल एक्सपर्टीज सेंटर एवं स्टार सोसायटी, जयपुर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान (आईआईआरएमआर), भरतपुर और श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, विस्तार अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों तथा कृषकों को एक साझा मंच पर लाकर भारत में वनस्पति तेल आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं सतत बनाने के उपायों पर विचार–विमर्श करना था।

हरियाणा में अंशकालिक और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का वेतन बढ़ा

जनवरी 2025 से मिलेगा लाभ

चंडीगढ़, 03 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों और सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत अंशकालिक (पार्ट टाइम) और दैनिक वेतनभोगी (डेली वेजिज) कर्मचारियों के वेतन में संशोधन करने का निर्णय लिया है। संशोधित वेतन 1 जनवरी, 2025 से प्रभावी होगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में एक अधिसूचना की गई है। यह निर्णय विभिन्न विभागों और संगठनों द्वारा वेतन वृद्धि के सम्बन्ध में किए गए प्रतिवेदनों के बाद लिया गया है, ताकि अंशकालिक और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को उचित पारिश्रमिक मिल सके। राज्य को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है और हर श्रेणी में तीन स्तरों (लेवल) के लिए अलग–अलग वेतन दरें तय की गई हैं। श्रेणी–1 में आने वाले जिलों में अब लेवल–1 कर्मचारियों को 19,900 रुपये प्रतिमाह, 765 रुपये प्रतिदिन और 96 रुपये प्रति घंटा वेतन मिलेगा। लेवल–2 कर्मचारियों को 23,400 रुपये प्रतिमाह, 900 रुपये प्रतिदिन और 113 रुपये प्रति घंटा, जबकि लेवल–3 कर्मचारियों को 24,100 रुपये प्रतिमाह, 927 रुपये प्रतिदिन और 116 रुपये प्रति घंटा दिया जाएगा। श्रेणी–2 जिलों में लेवल–1 के लिए 17,550 रुपये प्रतिमाह, 675 रुपये प्रतिदिन और 84 रुपये प्रति घंटा मिलेगा। लेवल–2 के लिए 21,000 रुपये प्रतिमाह, 808 रुपये प्रतिदिन और 101 प्रति घंटा, जबकि लेवल–3 के लिए 21,700 रुपये प्रतिमाह, 835 रुपये प्रतिदिन और 104 रुपये प्रति घंटा वेतन निर्धारित किया गया है।

श्रेणी–3 जिलों में लेवल–1 कर्मचारियों को 16,250 रुपये प्रतिमाह, 625 प्रतिदिन और 78 रुपये प्रति घंटा मिलेगा। लेवल–2 कर्मचारियों को 19,800 रुपये प्रतिमाह, 762 रुपये प्रतिदिन और 95 प्रति घंटा, जबकि लेवल–3 कर्मचारियों को 20,450 रुपये प्रतिमाह, 787 प्रतिदिन और 98 प्रति घंटा वेतन मिलेगा।

छात्रों से एफिडेविट मांगना अप्रजातांत्रिक है और छात्रों का गला घोंटने के समान : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 03 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज पंजाब यूनिवर्सिटी में एंटी प्रोटेस्ट ऐफिडेविट और छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ चल रहे छात्रों के धरने पर पहुंच कर पिछले 6 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ महासचिव अभिषेक डागर से मिले और छात्रों की माँगो का पूर्ण समर्थन किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि छात्रों की मांगें जायज हैं। छात्रों से एफिडेविट मांगना अप्रजातांत्रिक है और छात्रों का गला घोंटने के समान है। छात्र अधिकारों का हनन और विश्वविद्यालयों का भगवाकरण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी की वाइसचांसलर प्रो. रेणु विग से भी मुलाकात कर छात्रों से बातचीत करके इस मसले का समाधान कराने को कहा। इसपर वाइसचांसलर ने छात्रों से बातचीत करने के बाद लीगल ओपिनियन लेकर सकारात्मक हल निकालने का आश्वासन दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने चेताया कि अगर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इस तरह की कार्रवाई जारी रहती है तो वे खुद इस मुद्दे को लोकसभा के शीतकालीन सत्र में उठायेंगे और सत्तारूढ़ दल द्वारा एक विचारधारा को आगे बढ़ाने के प्रयासों का पुरजोर विरोध करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लगातार एक के बाद एक ऐसे फैसले किए जा रहे हैं जिनके जरिए छात्रों के प्रजातान्त्रिक अधिकारों पर वार किया जा रहा है, ये स्वीकार्य नहीं है।

विश्वविद्यालयों में लोकतांत्रिक माहौल खत्म करने की कोशिश की जा रही है। सीनेट भंग करना और एंटी–प्रोटेस्ट एफिडेविट थोपना छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास है। प्रशासन चलाने में प्रजातांत्रिक व्यवस्था से चुनी हुई सीनेट की भूमिका होती है और उसी सीनेट को भंग कर दिया गया, जिसमें चुने हुए सदस्य होते हैं। एंटी प्रोटेस्ट एफिडेविट और एसओपी थोपने का सीधा अर्थ है कि सत्तारुढ़ भाजपा द्वारा एक की विचारधारा के लोगों को बोलने की स्वीकृति देने की कोशिश की जा रही है। छात्रसंघ महासचिव अभिषेक डागर जब छात्रों की आवाज उठा रहे हैं तो उसे कुचलने की कोशिश की जा रही है। संविधान को बचाने के लिये हमारे सभी छात्र डटे हुए हैं। आज छठा दिन है जब अपनी जायज बात को लेकर छात्र भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी आवाज को दबने नहीं दिया जायेगा। छात्रों की आवाज चंडीगढ़ तक नहीं रुकेगी इसे वो दिल्ली तक लेकर जायेंगे। संसद में इस आवाज की गूंज सुनाई देगी।

ब्रिटिश नागरिक बन चुके मौलाना पर यूपी में एफआईआर

कट्टरपंथ को बढ़ावा देने का मामला, पाकिस्तान से लिंक

लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक मौलाना शम्सुल हुदा खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एटीएस की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले के खलीलाबाद थाने में मामला दर्ज किया गया है। मौलाना पर कथित तौर पर इस्लामी कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और धार्मिक शिक्षा की आड़ में अवैध रूप से विदेशी धन इकट्ठा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश एटीएस के अनुसार मौलाना विदेशी व्यक्तियों और संगठनों से धन इकट्ठा कर रहा था और उसे अनधिकृत माध्यमों से भारतीय मदरसों में भेज रहा था। उसने

कथित तौर पर विदेशी चंदे के लिए बिचौलिए की भूमिका निभाई और अपने एनजीओ, रज़ा फाउंडेशन का इस्तेमाल करके कानूनों का उल्लंघन करते हुए वित्तीय हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि मौलाना ने दो मदरसे स्थापित किए थे। एक मदरसा आजमगढ़ और दूसरा संतकबीर नगर में बनाया गया था। एटीएस की जांच के बाद योगी सरकार ने दोनों की मान्यता रद्द कर दी है। उसके एनजीओ का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया है। एटीएस ने पाया कि मौलाना अक्सर पाकिस्तान जाता था और उस देश के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में भी कट्टरपंथी मौलवियों और संदिग्ध व्यक्तियों के संपर्क में था। एटीएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि वह चरमपंथी विचारधारा फैलाने और अपने प्रभाव नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कश्मीर में लोगों से संपर्क बनाए रखने के लिए अपने कंप्यूटर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा था।

मौलाना के बारे में यह भी पता चला कि ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बावजूद मौलाना लगातार भारत और पाकिस्तान का दौरा करता रहा। वह अलग-अलग इस्लामी समूहों के साथ संबंध स्थापित करता रहा और कथित तौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश करता रहा।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार को कानूनी कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया, जिसके कारण धोखाधड़ी और विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (एफईआरए) के उल्लंघन के आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज की गई। अधिकारी अब मौलाना के नेटवर्क के वित्तीय और डिजिटल लिंक का पता लगा रहे हैं, जिसके बारे में एटीएस का मानना है कि यह शिक्षा की आड़ में विदेशी धन को कट्टरपंथी धार्मिक गतिविधियों में लगाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा था।

पद्मविभूषण गिरिजा देवी का आवास बनेगा सांस्कृतिक केंद्र

वाराणसी, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

पद्मविभूषण गिरिजा देवी का आवास संस्कृति का नया केंद्र बनेगा। इसके लिए देश-दुनिया में विख्यात संस्था रूपवाणी ने पद्मविभूषण से सम्मानित गायिका गिरिजा देवी का वाराणसी स्थित आवास खरीदा है। पद्मविभूषण गिरिजा देवी का संजय नगर कॉलोनी स्थित आवास अब संस्कृति का नया केंद्र बनेगा। संगीत की पुण्यभूमि पर अब रंगकर्म की नई पौध तैयार होगी। गिरिजा देवी की पुत्री सुधा दत्ता ने रंगमंच की संस्था रूपवाणी को यह आवास बेचा है। आवास को संस्कृति केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम भी शुरू हो चुका है।

राम की शक्तिपूजा और कामायनी समेत अपने अनेक नाटकों के लिए देश-दुनिया में विख्यात संस्था रूपवाणी ने पद्मविभूषण से सम्मानित पूरब अंग की शीर्ष स्थानीय गायिका गिरिजा देवी का वाराणसी स्थित

आवास खरीदा है। यह वही घर है जिसमें सुनंदा शर्मा, मालिनी अवस्थी, रीता देव और राहुल-रोहित मिश्र समेत अप्पाजी के शिष्य-शिष्याओं की कई पीढ़ियां रियाज, प्रशिक्षण व आशीर्वाद से तैयार हुई हैं और अब दुनिया भर में बनारस अंग की उपशास्त्रीय गायकी का परचम लहरा रही हैं।

रंग निर्देशक और रूपवाणी के प्रमुख व्योमेश शुक्ल ने बताया कि रूपवाणी के इस नए ठिकाने को विदुषी अप्पाजी (गिरिजा देवी) के सांस्कृतिक अवदान के अनुरूप गतिविधियों का एक प्रधान केंद्र बनाया जाएगा। यहां नियमित रूप से रूपवाणी के नाटकों का पूर्वाभ्यास और अभिनय की कार्यशाला तो होगी ही, समय-समय पर मूर्धन्य संगीतकारों के सानिध्य में पूरब अंग और बनारस घराने की विविध विधाओं की बैठकी भी आयोजित की जाएगी। संगीत के सूक्ष्म और गूढ़ माने जानेवाले विषयों पर संगोष्ठियों व व्याख्यानों का आयोजन भी होगा और भिन्न-भिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के साथ संवाद का अभिलेखन होगा। इस केंद्र में तकनीक की सुविधा से संपन्न एक पॉडकास्ट स्टूडियो भी होगा।

पिछले दिनों गिरिजा देवी की एकमात्र संतान, उनकी बेटी और जानी-मानी ओडिसी नृत्यांगना सुधा दत्ता कोलकाता से काशी आई हुई थीं। तभी दोनों पक्षों ने विक्रय अभिलेख पर हस्ताक्षर किए। सुधा दत्ता ने बताया कि मां की विरासत को सही हाथों में सौंपकर मन को बेहद सुकून है। पद्मविभूषण गिरिजा देवी को ठुमरी सम्राज्ञी भी कहा जाता है। उन्हीं के नाम पर सांस्कृति संकुल भी है।

हापुड़ के गांव में गिरा सेना का विशालकाय ड्रोन

हापुड़, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी के हापुड़ स्थित बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बहरामपुर बाढ़ली गांव में सोमवार की सुबह एक विशालकाय ड्रोन खेत में पड़ा मिला।

खेत पर जा रहे लोगों ने ड्रोन देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वहां से ग्रामीणों को दूर रहने की हिदायत दी, फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। बाद में पता चला कि ड्रोन सेना का था। टोपोग्राफिकल सर्वे के दरम्यान सेना का ड्रोन रेंज से बाहर चला गया और खेत में जा गिरा। सेना ने मौके से ड्रोन को बरामद कर लिया है।

ग्रामीणों ने रविवार की देर रात करीब साढ़े 10 बजे एक बड़ा ड्रोन गांव में उड़ता देखा था। इससे गांव में दहशत भी हो गई थी।

सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने उस विशालकाय ड्रोन को खेत में गिरा देखा। ड्रोन करीब 50 किलो वजन का था। मौके पर जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया और ड्रोन को कब्जे में लेकर इसकी पूरी जांच की गई। कुछ समय बाद ही बाबूगढ़ छावनी से सेना ने लोकेशन लोकेट कर ड्रोन को हस्तगत किया।

माटीकला मेलों में 4.20 करोड़ की बिक्री का रिकॉर्ड

लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में आयोजित माटीकला मेलों में प्रदेश के कारीगरों व हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन में उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया है। इस अवधि में बोर्ड ने 10 दिवसीय माटीकला महोत्सव, 07 दिवसीय क्षेत्रीय माटीकला मेले और 03 दिवसीय लघु माटीकला मेले आयोजित किए। इन सभी मेलों में कुल 691 दुकानें लगाई गईं और 4,20,46,322 की बिक्री हुई। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज कुल बिक्री 3,29,28,410 की तुलना में 91,17,912 अधिक है, जो लगभग 27.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे ज्यादा फोकस परंपरागत शिल्पों व उद्योगों में कार्यरत कारीगरों की उन्नति पर है। प्रदेश समेत देश-विदेश में उनके उत्पादों को वृहद स्तर पर खरीदार मिलें, इसके लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास

किए जा रहे हैं और माटीकला बोर्ड इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

लखनऊ के खादी भवन में 10 से 19 अक्टूबर 2025 तक आयोजित 10 दिवसीय माटीकला महोत्सव में 56 दुकानों द्वारा 1,22,41,700 की बिक्री हुई। गोरखपुर, आगरा, कानपुर देहात और मुरादाबाद में 13 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 07 दिवसीय क्षेत्रीय मेलों में 126 दुकानों ने 78,84,410 का विक्रय किया। इसी क्रम में प्रदेश के 70 जनपदों में 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 03 दिवसीय लघु माटीकला मेलों में 509 दुकानों के माध्यम से 2,19,20,212 की बिक्री दर्ज की गई।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित मेलों में कुल 878 दुकानों द्वारा 3,29,28,410 की बिक्री हुई थी। यद्यपि इस वर्ष कुल दुकानों की संख्या कम रही, फिर भी विक्रय में वृद्धि यह दर्शाती है कि उत्पादों की गुणवत्ता, प्रदर्शनी की व्यवस्था और विपणन सहयोग अधिक प्रभावशाली रहा। इससे यह भी स्पष्ट हुआ है कि माटीकला उत्पादों के प्रति आमजन में जागरूकता और आकर्षण निरंतर बढ़ रहा है। माटीकला बोर्ड का लक्ष्य है कि निरंतर मेलों, उन्नत प्रदर्शनी प्रबंधन, प्रशिक्षण, डिजाइन विकास व ब्रांडिंग गतिविधियों के माध्यम से कारीगरों को दीर्घकालिक आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान किया जाए। आने वाले सत्रों में अधिक उपभोक्ता आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से कारीगरों की उत्पादकता, विपणन दक्षता तथा आय वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।

परंपरागत कारीगरों और शिल्पियों की कला को संरक्षित व संवर्धित करने, उनकी सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सुदृढ़ता, तकनीकी विकास और विपणन सुविधा बढ़ाने तथा नवाचार के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड का गठन किया है।

इस पहल के माध्यम से न केवल पारंपरिक माटीकला को नई पहचान मिली है, बल्कि हजारों परिवारों को आत्मनिर्भरता का नया आधार भी प्राप्त हुआ है।

योगी सरकार ने प्रजापति समुदाय के उन सभी लोगों के लिए, जो माटीकला उद्योग से जुड़े हैं, एक महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान की है कि गांव के तालाबों से मिट्टी निकालने की व्यवस्था निःशुल्क कर दी गई है। इससे कारीगरों को उत्पादन की मूल सामग्री सुलभ हुई है और उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। ये कदम दर्शाते हैं कि योगी सरकार परंपरागत शिल्प को केवल संरक्षित ही नहीं कर रही, बल्कि उसे आधुनिक विपणन, प्रशिक्षण और नवाचार के माध्यम से वैश्विक मंच तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

सीईओ खादी एवं ग्रामोद्योग माटीकला बोर्ड के महाप्रबंधक ने बताया कि योगी सरकार के समग्र समर्थन और बोर्ड के लक्षित प्रयासों के परिणामस्वरूप कारीगरों को सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मेलों में आए खरीदारों ने स्थानीय शिल्प व पारंपरिक उत्पादों को उत्साहपूर्वक अपनाया, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि हुई है तथा माटीकला उत्पादों की ब्रांड वैल्यू मजबूत हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी वर्षों में इन मेलों के दायरे का विस्तार कर और अधिक जिलों में इस तरह के आयोजन किए जाएंगे, ताकि प्रदेश के माटीकला उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ सकें।

वैश्विक मंच तक पहुंची यूपी के पारंपरिक शिल्प और कला की गूंज

लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी के पारंपरिक शिल्प और कला की गूंज अब वैश्विक स्तर पर सुनाई दे रही है। लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश डिजाइन एवं शोध संस्थान में रविवार को सेंट्रल एवं दक्षिणी अमेरिकी देशों तथा कैरेबियन द्वीप समूहों के लगभग 47 सदस्यीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने भ्रमण किया। इस प्रतिनिधिमंडल में डिजाइन, शिक्षा, कला एवं फैशन उद्योग से जुड़े अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान एवं वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) जैसी योजनाओं ने प्रदेश के लाखों कारीगरों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया है। भ्रमण के दौरान संस्थान की ओर से पारंपरिक भारतीय कला एवं हस्तशिल्प पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बोन कार्विंग, जरी-जरदोजी,

चिकनकारी, बाटिक प्रिंटिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग, टेराकोटा और लोक कलाओं का लाइव प्रदर्शन किया गया। प्रसिद्ध शिल्पगुरु माधुरी मिश्रा (बाटिक प्रिंटिंग), राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जलालुद्दीन (बोन कार्विंग), राज्य पुरस्कार विजेता अकील अख्तर (बोन कार्विंग) और विनोद मिश्रा (बाटिक प्रिंटिंग) सहित कई कुशल शिल्पकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

विदेशी अतिथियों ने भारतीय शिल्प की बारीकियों को नजदीक से देखा और सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों की निपुणता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रेरणादायक है। प्रतिनिधियों ने संस्थान के पुस्तकालय और म्यूजियम का भी अवलोकन किया, जहां डिजाइन, कला और फैशन से जुड़ी 100 से 150 वर्ष पुरानी दुर्लभ पुस्तकें एवं कलाकृतियाँ संरक्षित हैं। इसके अलावा उन्होंने ओडीओपी उत्पादों की आर्ट गैलरी एवं डिजाइन स्टूडियो का भी दौरा किया, जहाँ संस्थान में प्रशिक्षित लाभार्थियों द्वारा तैयार उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। विदेशी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत की पारंपरिक कला और फैशन इंडस्ट्री में अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम विश्व स्तर पर डिजाइन नवाचार को नई दिशा प्रदान करते हैं।

संस्थान की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह भ्रमण अंतरराष्ट्रीय सहयोग, कला आदान-प्रदान और डिजाइन शिक्षा में साझेदारी को प्रोत्साहन देगा।

उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से प्रदेश की पारंपरिक हस्तशिल्प परंपरा को वैश्विक पहचान मिलेगी और प्रधानमंत्री के लोकल फॉर ग्लोबल विजन को साकार किया जा सकेगा।

प्रतिनिधिमंडल में कई देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इनमें एंटीगुआ एंड बरबूडा, अर्जेंटीना, बहामास, बारबाडोस, ब्राज़ील,कैरीकॉम सेक्रेटेरिएट, कोलंबिया, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, कॉमनवेल्थ ऑफ डोमिनिका, कोस्टा रिका, क्यूबा, डोमिनिकन रिपब्लिक, एल साल्वाडोर, गुयाना, हैती, होंडुरास, जमैका, पनामा, पैराग्वे, पेरु, सूरीनाम, सेंट किड्स एंड नेविस और वेनेजुएला के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर एमएसएमई विभाग के संयुक्त आयुक्त सुनील कुमार, संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संस्थान द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान करने एवं विदेशी अतिथियों को ओडीओपी उत्पादों के विशेष उपहार भेंट करने के साथ हुआ।

341 करोड़ की जीएसटी चोरी मास्टरमाइंड अबतक फरार

मुरादाबाद, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

मुरादाबाद में 341 करोड़ की टैक्स चोरी के मामले में राज्य कर विभाग की टीमें मास्टर माइंड के ईमेल और मोबाइल नंबरों को खंगालने में जुटी है। किन-किन नंबरों पर ओटीपी जनरेट हुए, इनका ब्यौरा जुटाया जा रहा है। ऐसे में टैक्स चोरी 341 करोड़ से अधिक होने की आशंका जताई जा रही है। दो मोबाइल नंबरों पर देशभर में 122 बोगस फर्म बनाकर 341 करोड़ की जीएसटी चोरी की जांच एसआईटी कर रही है। लखनऊ निवासी मास्टर माइंड लोहा कारोबारी अंकित कुमार ने इन फर्जी फर्मों पर 1811 करोड़ का व्यापार किया है।

पंजीयन के लिए उसने सीजीएसटी के सरल नियमों का फायदा उठाते हुए फर्जी अभिलेखों का प्रयोग किया है। फर्जी ई वे बिल और अभिलेखों के आधार पर केंद्र और राज्य सरकार को करोड़ों का चूना लगाया है लेकिन मुरादाबाद राज्य कर की टीम ने लोहे के लदे दो ट्रकों को पकड़कर प्रदेश की एक बड़ी जीएसटी चोरी का खुलासा किया। इस मामले में

राज्य कर विभाग ने सिविल लाइंस थाने में दो केस भी दर्ज कराया है। राज्य कर की टीमें मास्टर माइंड के ईमेल और मोबाइल नंबरों की जांच पड़ताल करने में जुटी है। जांच में लगी टीमें यह देख रही हैं कि किन नंबरों पर ओटीपी जनरेट हुए हैं। ऐसे नंबरों को एक स्थान पर इकट्ठा किया जा रहा है।

राज्य कर अधिकारी अब अंकित कुमार के साथ उसके साथी मुजफ्फरनगर के सौरभ मिश्रा की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में सौरभ का पता फर्जी पाया गया है। इस मामले में ई- मेल के आधार पर राज्य कर अधिकारी जांच रही है। इस मामले में राज्य कर अधिकारियों ने विभाग के तकनीकी विशेषज्ञों को भी लगाया है। मुख्यालय स्तर से भी जांच की प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि सोमवार या मंगलवार तक इस मामले में प्रगति आने की संभावना है। जांच अधिकारियों का मानना है कि टर्नओवर का दायरा भी बढ़ेगा।

जीएसटी की कार्रवाई के कारण बोगस फर्मों पर संचालित गुटका और लोहे से लदे वाहन हाईवे पर इक्का दुक्का ही आए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई के डर के चलते जीएसटी चोरी करने वालों ने रास्ता बदल दिया है। राज्य कर विभाग द्वारा जीएसटी चोरी के मामले में लगातार कार्रवाई के चलते बोगस फर्मों के माध्यम से कारोबार करने वाले लोहे के व्यवसायी भयभीत हो गए हैं। सभी को अपने रिफंड की चिंता सताने लगी है। इसके पहले गुटका और सुपारी की खेप लेकर वाहन चालक झारखंड और बिहार से दिल्ली की तरफ जाते थे।

इस प्रकार के वाहनों के आवागमन में तीन दिनों से कमी आ गई है। राज्य कर अधिकारियों का मानना है कि बोगस फर्मों के सहारे चलने वाले चालकों ने रास्ता बदल दिया है। पहले सुपारी लदे वाहनों की भरमार रहती थी लेकिन सुपारी की बोगस फर्मों के खिलाफ कार्रवाई के चलते चालकों ने रास्ता बदलना ही उचित समझा है। राज्य कर विभाग लोहा के पहले लकड़ी की बोगस फर्मों के खिलाफ अभियान चला चुका है। लकड़ी की 128 बोगस फर्मों को चिन्हित कर उनको निरस्त कराया गया है। अब नंबर एक में काम करने वाले व्यवसायियों के वाहन लखनऊ-दिल्ली हाईवे से गुजरे हैं।

चेन्नई एथलेटिक्स में बांदा का 76 वर्षीय धावक मोतीलाल स्पाइक्स पहनकर लगाएंगे दौड़

बांदा, 03 नवंबर (एजेंसियां) ।

कहते हैं, 'उम्र सिर्फ़ एक संख्या है, हौसला हो तो पहाड़ भी रास्ता देता है।' इसी जज़्बे को हक़ीक़त में बदलते नज़र आ रहे हैं बांदा के 76 वर्षीय धावक मोतीलाल चौरसिया, जो चेन्नई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने रवाना हो गए हैं।

शहर में उनकी विदाई किसी उत्सव से कम नहीं थी। फूलों की मालाएं, ढोल-नगाड़े, तालियों की गूंज और हर किसी की आंखों में गर्व की चमक। जैसे ही मोतीलाल चौरसिया ने 'भारत माता की जय' का नारा लगाया, माहौल जोश से भर गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 'यह मेरे जीवन का सुनहरा अवसर है। मैं मैदान में उतरूंगा तो हर कदम भारत के सम्मान के लिए होगा।'

छात्र जीवन में तीन बार जिला और विश्वविद्यालय स्तरीय अजेय चैम्पियन रह चुके मोतीलाल चौरसिया ने राज्य स्तरीय नौ और राष्ट्रीय स्तर पर छह बार अपनी रफ्तार से सबको चकित कर चुके हैं। करीब तीस साल पहले उन्होंने दौड़ से संन्यास लिया था, लेकिन रफ्तार उनकी रगों से कभी नहीं उतरी। अपने 70वें जन्मदिन पर उन्होंने पुलिस लाइन मैदान में लगातार 70 मिनट तक दौड़कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया था। उस दिन तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शालिनी और डीआईजी ने उन्हें सम्मानित किया था।

चेन्नई में 4 से 6 नवंबर तक होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में वे 5 किलोमीटर दौड़ श्रेणी में उतरेंगे।76 वर्ष की आयु वर्ग में भारत के इकलौते प्रतिनिधि के रूप में चयनित होना उनके जुनून और अनुशासन की कहानी बयां करता है। इस प्रतियोगिता में 165 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जहां अनुभव, हौसला और गति का रोमांचकारी संगम देखने को मिलेगा।

खेल मंत्रालय के पूर्ण खर्च पर प्रयागराज होते हुए चेन्नई रवाना हुए मोतीलाल चौरसिया का कहना है कि 'अब मेरा सपना है कि बांदा का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन हो। युवाओं से कहना चाहता हूं कि सपनों की उम्र नहीं होती, बस हौसले की ज़रूरत होती है। 'स्थानीय खिलाड़ियों, खेलप्रेमियों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें फूलों से लादकर शुभकामनाएं दीं। किसी ने कहा कि 'यह दौड़ मोतीलाल जी नहीं, बांदा की आत्मा दौड़ रही है।' तो कोई बोला कि 'ये बुज़ुर्ग नहीं, बुंदेलखंड की दौड़ती प्रेरणा हैं।' चेन्नई के ट्रैक पर जब यह 76 वर्षीय धावक स्पाइक्स पहनकर दौड़ेंगे, तो यह सिर्फ़ एक खेल नहीं होगा यह साबित करेगा कि जुनून कभी बूढ़ा नहीं होता।

न्यूज ब्रीफ

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह 'आईडीसीए 9वीं टी-20 नेशनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर द डेफ' के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह छावला में आयोजित आईडीसीए 9वीं टी-20 नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर द डेफ के उद्घाटन समारोह में शामिल हुई। उन्होंने यहां सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। यह टूर्नामेंट 3 से 9 नवंबर तक दिल्ली में आयोजित हो रहा है। इसका आयोजन इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन के अधीन डेफ क्रिकेट सोसाइटी दिल्ली की ओर से किया जा रहा है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट में देशभर से कुल 20 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 15 खिलाड़ी चयनित होकर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनेंगे और दुबई में आयोजित वर्ल्ड कप (डेफ टूर्नामेंट) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को साकार करते हुए हमारे ये खिलाड़ी देश का गौरव बढ़ाकर साबित कर रहे हैं कि कोई भी चुनौती उन्हें रोक नहीं सकती।

एआईएफएफ का ऐलान- इंडियन विमेंस फुटबॉल लीग 2025-26 दो चरणों में होगी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सोमवार को घोषणा की कि इंडियन विमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) 2025-26 को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय भाग लेने वाले क्लबों के अनुरोध के बाद लिया गया है। एआईएफएफ ने अपने बयान में बताया कि 30 अक्टूबर को आठों क्लबों के साथ हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। लीग का पहला चरण 20 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा चरण 20 अप्रैल से 10 मई 2026 तक आयोजित होगा। महासंघ ने बताया कि कार्यक्रम में बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि 'काफी संख्या में खिलाड़ी अपने-अपने क्लबों के अंतरराष्ट्रीय मैचों और राष्ट्रीय टीम की प्रतिबद्धताओं में व्यस्त रहेंगे।' गौरतलब है कि ईस्ट बंगाल मौजूदा आईडब्ल्यूएल चैंपियन है।

देश के 550 से ज्यादा जिलों में 07 नवंबर को होंगे 1400 से ज्यादा हॉकी टूर्नामेंट : मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि सात नवंबर को भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इन 100 वर्षों में हॉकी ने देश को गौरव और सम्मान दिलाया है। उन्होंने बताया कि सात नवंबर को देशभर के 550 से ज्यादा जिलों में 1400 से अधिक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे, ताकि देश में हॉकी के प्रति व्यापक जागरूकता फैले। सोमवार को यहां मेजर ध्यान चद नेशनल स्टेडियम में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने कहा कि सात नवंबर का दिन हमारे देश के हॉकी के खिलाड़ियों, जिन्होंने देश को सम्मान दिलवाया है, उन्हें याद करने का दिन है। सात नवंबर देश के भविष्य के लिए हॉकी को आगे बढ़ाने का संकल्प करने का अवसर होगा और 100 साल हॉकी को मनाकर देश के नए एथलीट को एक नया संदेश देंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहली बार वनडे विश्व कप विजेता बनने पर उन्होंने कहा कि मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभिनंदन देता हूं। यह हमारे देश की नारी शक्ति का सम्मान है, नारी शक्ति की विजय है जिन्होंने महिला क्रिकेट में हमको विश्व विजेता बनाया है। मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय हॉकी का समृद्ध इतिहासभारतीय हॉकी ने 7 नवंबर, 1925 को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से संबद्धता प्राप्त की थी। इसी तारीख ने भारतीय खेल इतिहास में राष्ट्रीय गर्व की कहानी लिखी। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी का सफर वैश्विक खेलों में बेजोड़ विरासत की गाथा है, जिसमें आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी, एक रजत और एक कांस्य पदक भी शामिल है।

महिला टीम ने वर्ल्ड कप जीत के साथ तोड़े कई बड़े रिकॉर्ड

मुंबई,03 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। भारत ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप जीतकर न सिर्फ खिताब अपने नाम किया बल्कि कई विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इस जीत के साथ भारत अब ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बाद 50 ओवर के वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाला चौथा देश बन गया है।

आइए जानते हैं इस ऐतिहासिक सफर में भारत द्वारा बनाए गए शानदार रिकॉर्ड्स---

स्मृति मंधाना की बल्लेबाजी का जलवा – 434 रन – स्मृति मंधाना ने मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। मिताली ने 2017 में 409 रन बनाए थे।

339 रन का लक्ष्य – सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने हासिल किया महिला वनडे इतिहास का सबसे बड़ा सफल रनचेज़। यह किसी भी पुरुष या महिला वर्ल्ड कप नॉकआउट में पहली बार 300+ रन का पीछा था।

167 रनों की साझेदारी – जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी निभाई।

212 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप – स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी विश्व कप साझेदारी का नया रिकॉर्ड बनाया।

155 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया – स्मृति और प्रतिका की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी की।

स्मृति मंधाना का सुनहरा विश्व कप –वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय बनीं — और वह भी सबसे तेज़ (112 पारियों) और सबसे कम उम्र (29 वर्ष) में।

बनीं दुनिया की पहली खिलाड़ी, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय — और सबसे तेज़ (21 पारियों) में।

ऋचा घोष का निचले क्रम से धमाका – दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 94 रन की पारी — महिला वनडे में नंबर 8 या नीचे बल्लेबाजी करने वाली खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर।

यह पारी किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी भी रही।

स्नेह राणा के साथ उनकी 88 रन की साझेदारी — भारत की 8वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी 8वें विकेट साझेदारी बन गई।

दीप्ति शर्मा: ऑलराउंडर की मिसाल – 22 विकेट लेकर बनीं किसी एक वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज।

बनीं पहली खिलाड़ी (पुरुष या महिला) जिन्होंने एक वर्ल्ड कप में 200+ रन और 20+ विकेट दोनों हासिल किए।

सेमीफाइनल में 58 रन और 5/39 के शानदार प्रदर्शन के साथ दीप्ति बनीं पहली क्रिकेटर, जिन्होंने वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में फिफ्टी और पांच विकेट दोनों लिए।

टीम इंडिया की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ – भारत ने ऑस्ट्रेलिया की 15 मैचों की वर्ल्ड कप अजेय श्रृंखला को तोड़ा — 2017 से उनका यह पहला वर्ल्ड कप हार था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने छठे विकेट के बाद 149 रन बनाए — जो विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्ण युग शुरू – स्मृति की निरंतरता, दीप्ति की हरफनमौला चमक और ऋचा की साहसी बल्लेबाजी ने इस वर्ल्ड कप को भारत के लिए सपनों से भरी हकीकत बना दिया। यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा और भारतीय महिला क्रिकेट के नए युग की शुरुआत है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से रिलीज़ हुए कुलदीप यादव

नई दिल्ली,03 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही 5 मैचों की टी20 सीरीज से तीसरे मैच के बाद रिलीज़ कर दिया गया है। इस मैच में भी कुलदीप को खेलने का मौका नहीं मिला।

टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि कुलदीप इंडिया ए टीम से जुड़कर दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में हिस्सा ले सकें। यह मुकाबला 6 नवंबर से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने इस बात की जानकारी अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा की। कुलदीप को लाल गेंद से अभ्यास दिलाने का मुख्य उद्देश्य उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करना है।

अपडेटेड भारत टी20 टीम (चौथे और पांचवें टी 20 के लिए):

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

अपडेटेड इंडिया ए टीम (दूसरा चार दिवसीय मैच):

ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बरार, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, कुलदीप यादव।

फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी ने जीते छह स्वर्ण सहित 16 पदक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी करेली ने जिला स्तरीय इंटर स्कूल ताइंक्वांडो चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह, स्वर्ण, सात रजत एवं तीन कांस्य सहित 16 पदक जीते। फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी के चेयरमैन मोहम्मद तल्हा हन्फी के अनुसार वशिष्ठ वात्सल्य पब्लिक स्कूल में 1 से 2 नवम्बर तक आयोजित हुई चैम्पियनशिप में फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी के 13 बालक एवं पांच बालिकाओं ने भाग लिया। इसमें बालक वर्ग में इब्राहिम, मोहम्मद जफर, कबीर हुसैन, नजर ने स्वर्ण पदक, मोहम्मद शाह आलम, सुफियान सिद्दीकी, रमजी, आबिद, अब्दुल्ला, मोहम्मद शाबान ने रजत पदक और खालिद ने कांस्य पदक जीता। बालिका वर्ग में फ़िलजा फातिमा व रुमैसा शाहिद स्वर्ण पदक, आकिफा फातिमा ने रजत और हफ्सा बतूल व उमैमा फातिमा ने कांस्य पदक जीता। फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी को बेस्ट फेयर प्ले का अवार्ड भी दिया गया। चैम्पियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर दस बालक एवं तीन बालिकाओं का चयन केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में 5 से 8 नवम्बर तक आयोजित होने वाली प्रदेशीय ताइंक्वांडो प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इस सफलता पर एकेडमी ने अपनी सीईओ इकरा नवाब' और कोच अभिलाष कुमार का आभार जताया है।

दीप्ति शर्मा ने विश्वकप के फाइनल मैच में 58 रन की पारी खेलकर और 5 विकेट लेकर पीतलनगरी की चमक बढ़ाई

7 पारियों में उन्होंने तीन अर्धशतक के साथ कुल 215 रन बनाए, 22 विकेट हासिल किए

मुरादाबाद,03 नवंबर (एजेंसियां) ।

डॉ भीमराव पुलिस अकादमी मुरादाबाद में डिप्टी एसपी का प्रशिक्षण ले रही हैं आगरा निवासी दीप्ति शर्मा ने महिला क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मैच भारतीय टीम की ओर से 58 गेंद में 58 रन की पारी खेल कर और 5 विकेट लेकर पीतलनगरी का नाम दुनिया भर में और ज्यादा चमका दिया। दीप्ति शर्मा ने मौजूदा वर्ल्ड कप में उन्होंने अब तक नौ मुकाबले खेले हैं जिनमें 7 पारियों में उन्होंने तीन अर्धशतक के साथ कुल 215 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहा। नौ मैचों में उन्होंने 22 विकेट हासिल किए जिनमें एक मैच में चार विकेट भी शामिल हैं। भारतीय टीम को खिताबी दहलीज तक पहुंचाने में दीप्ती ने भी अहम योगदान दिया है। वहीं मुरादाबाद रेल मंडल में कार्यरत देहरादून निवासी स्नेहा राना भी इस महिला क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा है।

महिला क्रिकेट विश्वकप में भारतीय टीम में पीतलनगरी मुरादाबाद से जुड़ी दो धुरंधर खिलाड़ी दीप्ती शर्मा और स्नेह राणा शामिल है। भारत ने 2025 के महिला क्रिकेट विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298/7 रन बनाकर इतिहास रच दिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 58 रन और शेफाली ने 87 रन की पारी खेली। वहीं दीप्ति ने फाइनल मैच में पांच महत्वपूर्ण विकेट लेकर भारतीय क्रिकेट टीम को जीत दिलाई।

एशेज की तैयारी के लिए भारत के खिलाफ चल रही टी 20 सीरीज से बाहर हुए ट्रैविस हेड

मेलबर्न,03 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड भारत के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम दो मैचों से बाहर हो गए हैं। वे अब एशेज की तैयारी के तहत अपने राज्य साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से शेफील्ड शील्ड में खेलने उतरेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार हेड अगले सप्ताह होबार्ट में तस्मानिया के खिलाफ मैच में हिस्सा लेंगे। यह उनका जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद पहला फर्स्ट क्लास मैच होगा।

हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है — उन्होंने पिछले आठ पारियों में (टी20 और वनडे मिलाकर) केवल एक बार 30 से अधिक रन बनाए हैं। अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 142 रन की पारी के बाद से वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं।

ट्रैविस हेड टेस्ट टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी माने जाते हैं और वे नंबर 5 पर उतरेंगे, जहां उनकी आक्रामक बल्लेबाजी विपक्ष के लिए मैच का रुख बदल सकती है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें खुद निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी गई थी कि वे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले एक चार दिवसीय मैच खेलना चाहते हैं या नहीं।

इस कदम से शेफील्ड शील्ड का आगामी राउंड बेहद आकर्षक हो गया

है, क्योंकि लगभग पूरी ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम इसमें हिस्सा लेने वाली है।

जोश हेजलवुड (जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे टी20 के बाद टीम छोड़ी थी) और मिचेल स्टार्क न्यू साउथ वेल्स की ओर से विक्टोरिया के खिलाफ खेलेंगे, जहां उनके साथ नाथन लायन भी गेंदबाजी करेंगे। सीन एबॉट भी होबार्ट मैच के बाद टी20 टीम से जुड़कर न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलेंगे।

स्टीव स्मिथ, जिन्होंने हाल ही में गाबा में क्वींसलैंड के खिलाफ 118 रन की पारी खेली थी, अपना दूसरा लगातार शील्ड मैच खेलेंगे। विक्टोरिया की टीम में स्कॉट बोलैंड भी शामिल रहेंगे, जिन्हें पिछले मैच में आराम दिया गया था। कैमरन ग्रीन वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वींसलैंड के खिलाफ उतरेंगे और उम्मीद है कि वे इस मैच में गेंदबाजी की वापसी करेंगे। मार्नस लाबुशेन भी टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलने के इच्छुक हैं, जबकि मैट रेनशॉ को ओपनिंग स्लॉट के लिए आजमाया जा सकता है।

तस्मानिया की टीम में ब्यू वेबस्टर खेलेंगे, जबकि साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए एलेक्स केरी और ब्रेंडन डॉगेट उपलब्ध रहेंगे।

इस बीच, लेग स्पिनर तनवीर संगा को टी20 टीम से रिलीज कर दिया गया है ताकि वे वन-डे कप में न्यू साउथ वेल्स की ओर से सोमवार को क्वींसलैंड के खिलाफ खेल सकें। वे एडम जंपा की गैरमौजूदगी में कवर के रूप में टीम के साथ थे, जो इस समय अपने दूसरे बच्चे के जन्म की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पहले से घोषित योजना के अनुसार, लेफ्ट-आर्म सीमर बेन द्वार्शुइस चोट से उबरकर टी20 टीम में अंतिम दो मैचों के लिए शामिल होंगे। फिलहाल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर है, जिसमें भारत ने होबार्ट में 5 विकेट से जीत दर्ज की थी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

ईडी ने रिलायंस ग्रुप की 3,000 करोड़ की संपत्तियां कुर्क कीं

मनी लॉन्ड्रिंग जांच में बड़ी कार्रवाई, कंपनी ने आरोपों को बताया निराधार

मुंबई,03 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिजनेसमैन अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कदम धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान उठाया गया है। जांच एजेंसी ने पुष्टि की है कि यह कुर्की रिलायंस ग्रुप की विभिन्न कंपनियों और अनिल अंबानी से जुड़े लेनदेन के मामले में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि कुर्क संपत्तियों से जुड़ा विस्तृत बयान जल्द जारी किया जाएगा। ईडी की यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जिसमें अनिल अंबानी की कई ग्रुप कंपनियों पर बैंकों से लिए गए कर्ज में धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। एजेंसी 17,000 करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध लेनदेन की जांच कर रही है, जिसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है। इसी मामले में इस साल अगस्त में ईडी ने अनिल अंबानी से भी पूछताछ की थी। इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों की जांच कर रहा है। सीबीआई ने यस बैंक, उसके पूर्व सीईओ राणा कपूर और उनके रिश्तेदारों की कंपनियों के साथ रिलायंस ग्रुप की कथित धोखाधड़ी वाली डील्स में चार्जशीट दाखिल की है।

अमेरिकी कंपनी कर सकती है वोडाफोन आइडिया का अधिग्रहण

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क की एक प्राइवेट इक्विटी कंपनी टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग्स (टीजीएच) भारत की टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) में 4 से 6 अरब डॉलर का निवेश करने और कंपनी के संचालन पर नियंत्रण लेने की बातचीत कर रही है। एक खबर के मुताबिक यह जानकारी इस मामले से संबंधित अधिकारियों ने दी। हालांकि यह निवेश तभी संभव हो पाएगा जब भारत सरकार कंपनी की सभी वित्तीय जिम्मेदारियों (देय राशि), जिसमें एजीआर और स्पेक्ट्रम से जुड़े बकाया शामिल हैं, को कवर करने वाला एक व्यापक राहत पैकेज देगी। अगर यह सौदा होता है, तो टीजीएच कंपनी का नया प्रमोटर बन जाएगी और मौजूदा प्रमोटर अडिट्या बिड़ला ग्रुप और ब्रिटेन की वोडाफोन कंपनी से संचालन की बागडोर ले लेगी। सरकार, जो 49 फीसदी हिस्सेदारी के साथ कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक है, एक निष्क्रिय निवेशक बनी रहेगी। निवेशक कंपनी टीजीएच सरकार से सभी बकाया राशि माफ करने की मांग नहीं कर रही है, बल्कि वह इन देयताओं के पुनर्गठन की मांग कर रही है ताकि कंपनी को सांस लेने का मौका मिल सके। इसके लिए उसने सरकार के सामने एक विस्तृत प्रस्ताव रखा है।

न्यूज ब्रीफ

विदेशी फर्मों की दुर्लभ खनिज ऑक्साइड आपूर्ति में रुचि , पीएलआई योजना से मैग्नेट उत्पादन को मिलेगी रफ्तार

मुंबई। भारत सरकार की दुर्लभ स्थायी मैग्नेट उत्पादन को बढ़ावा देने वाली उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को अंतरराष्ट्रीय खनन और रिफाइनिंग कंपनियों का समर्थन मिला है। ब्रिटेन की रेनबो रेयर अर्थ्स, ऑस्ट्रेलिया की लिनास रेयर अर्थ्स और इलुका रिसोर्सेज जैसी प्रमुख कंपनियों ने आश्वासन दिया है कि वे बोली जीतने वाली भारतीय कंपनियों को दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की पर्याप्त मात्रा दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से आपूर्ति कर सकती हैं। भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, योजना के तहत निजी कंपनियों को 7,350 करोड़ के प्रोत्साहन के साथ पांच 6,000 टन वार्षिक उत्पादन क्षमता वाले संयंत्र स्थापित करने होंगे। इन संयंत्रों में कुल 6,000 टन स्थायी मैग्नेट का उत्पादन करने के लिए लगभग 1,500 टन दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आवश्यकता होगी। वर्तमान में इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड केवल 500 टन तक आपूर्ति कर सकती है, इसलिए शेष 1,000 टन का आयात करना अनिवार्य है।

अक्टूबर में यूपीआई ने तोड़ा रिकॉर्ड, 27.28 लाख करोड़ के डिजिटल लेनदेन हुए

मुंबई। अक्टूबर माह डिजिटल भुगतान के इतिहास में रिकॉर्ड बनाने वाला साबित हुआ। इस दौरान यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से 20.7 अरब लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 27.28 लाख करोड़ रहा। यह अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। सितंबर की तुलना में अक्टूबर में लेनदेन की संख्या 5 प्रतिशत और मूल्य 10 प्रतिशत अधिक रहा। इस वृद्धि के पीछे त्योहारी सीजन में बढ़ती खरीदारी और जीएसटी 2.0 सुधारों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। त्योहारी सीजन और जीएसटी 2.0 सुधारों से बढ़ी डिजिटल गतिविधियां अन्य प्रणालियों में भी सकारात्मक रुझान दिखा। आईएमपीएस लेनदेन सितंबर के 39.4 करोड़ से बढ़कर 40.4 करोड़ और मूल्य 6.42 लाख करोड़ पहुंच गया। फास्टैग से अक्टूबर में 36.1 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि आधार आधारित भुगतान प्रणाली में भी 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारत अब तेज़ी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

टाटा ट्रस्ट्स विवाद में नया मोड़ः मेहली मिस्त्री ने बोर्ड बदलावों पर रोक की मांग कर दायर की कैविएट

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के भीतर उठे मतभेद अब कानूनी मोड़ पर पहुंच गए हैं। उद्योगपति मेहली मिस्त्री, जिन्हें हाल ही में ट्रस्ट्स के बोर्ड में दोबारा नियुक्ति नहीं मिली, ने मुंबई के चैरिटी कमिश्नर के समक्ष कैविएट दाखिल की है। इस कानूनी कदम के तहत उन्होंने अनुरोध किया है कि ट्रस्ट बोर्ड में किसी भी तरह के बदलाव से पहले उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए। कैविएट एक ऐसा प्रावधान है, जिसके तहत कोई व्यक्ति अदालत या सक्षम प्राधिकारी से यह आग्रह करता है कि बिना उसकी बात सुने कोई आदेश पारित न किया जाए। मिस्त्री ने यह नोटिस सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, सर रतन टाटा ट्रस्ट और बाई हिराबाई जमसेटजी नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन के सभी ट्रस्टीज़, जिनमें चेयरमैन नोएल टाटा भी शामिल हैं, को भेजा है। पुनर्नियुक्ति से वंचित उद्योगपति ने कहा, बिना मेरी बात सुने ट्रस्ट कोई निर्णय न ले मिस्त्री का तर्क है कि 17 अक्टूबर 2024 को ट्रस्ट्स ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार सभी मौजूदा ट्रस्टी अपने कार्यकाल के बाद स्थायी ट्रस्टी के रूप में फिर से नियुक्त किए जाएंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुसार, महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट और ट्रस्ट डीड के तहत यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी है और इसे रद्द करने के लिए नई मीटिंग बुलाना अनिवार्य है। हालांकि, कुछ ट्रस्टीज़ का कहना है कि वह प्रस्ताव केवल प्रक्रिया का हिस्सा था, बाध्यकारी नहीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश तख्तापलट...

क्योंकि यह दुनिया के किसी भी हिस्से से समुद्री मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। यह एक प्रमुख जलमार्ग होने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से भी अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्वी हिस्से में, बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा के करीब स्थित 7.3 किलोमीटर लंबा यह द्वीप समुद्र तल से लगभग 3.6 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है।

माना जाता है कि लगभग 5,000 वर्ष पहले यह टेकनाफ प्रायद्वीप का हिस्सा था लेकिन धीरे-धीरे समुद्र में डूब गया। करीब 450 वर्ष पूर्व इसका दक्षिणी भाग फिर से उभरा और अगले 100 वर्षों में उत्तरी और शेष भाग भी समुद्र से ऊपर उठ आए। वर्ष 1900 में ब्रिटिश भारत ने भूमि सर्वेक्षण के दौरान इस द्वीप को अपने नियंत्रण में ले लिया और इसे चटगांव के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर मार्टिन के नाम पर सेंट मार्टिन द्वीप कहा गया। इस द्वीप से बंगाल की खाड़ी और आस-पास के समुद्री इलाकों पर नजर रखी जा सकती है, जिससे यह बांग्लादेश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण बन जाता है। दक्षिण एशिया के परिप्रेक्ष्य में भी यह द्वीप जियो-पॉलिटिक्स में शक्ति संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। बंगाल की खाड़ी स्वयं दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक सेतु की तरह कार्य करती है और व्यापारिक मार्गों के माध्यम से क्षेत्रीय देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाती है।

किसी आकस्मिक युद्ध की स्थिति में भी यहां से संपर्क और संचालन स्थापित करना आसान होता है, यही कारण है कि शक्तिशाली देश इस द्वीप की ओर आकर्षित हैं। व्यापारिक और सामरिक हितों के कारण चीन और अमेरिका दोनों ही इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं जबकि भारत के लिए भी सेंट मार्टिन द्वीप का रणनीतिक महत्व अत्यधिक है। अमेरिका की रुचि का मुख्य कारण यह है कि यदि उसे इस द्वीप पर प्रभाव जमाने का अवसर मिलता है, तो वह यहां से पूरे क्षेत्र, विशेष रूप से चीन और भारत पर निगरानी रख सकता है।

दीप हलदर का कहना है कि यह खुलासा बांग्लादेश को और बेचैन कर सकता है। उनका कहना है कि जनरल वकार को हसीना ने अपने पद से हटने से ठीक पहले नियुक्त किया था। उन्होंने कहा, पिछले साल और इस साल भी नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के नेताओं द्वारा लगातार यह बयान दिया जाता रहा कि जनरल वेकर भारत के एजेंट हैं। अब यह बड़ा खुलासा हुआ है, जिससे यह सवाल उठता है कि वकार किसकी तरफदारी कर रहे हैं। असदुज्जमां खान ने अपनी बात को समझाने के लिए महाभारत का हवाला भी दिया है। उन्होंने कहा, जैसे अभिमन्यु को चारों तरफ से घेर लिया गया और फिर युद्ध में अपने ही हाथों ढेर कर दिया गया, वैसे ही वकार ने हसीना को गिराने के लिए बांग्लादेश की कट्टरपंथी ताकतों से हाथ मिला लिया। जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश ने इससे पहले भी सभी कट्टरपंथी ताकतों को एक साथ लाया था।

यह भी दावा किया गया है कि पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जमात के साथ मिलकर काम कर रही थी। उन्होंने कहा, कुछ आईएसआई-प्रशिक्षित लोग जमात में घुसपैठ कर चुके थे और जून के अंत में पुलिसकर्मियों की हत्या में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने दावा किया कि जब अराजकता फैली तो उन्हें शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आईएसआई-प्रशिक्षित लोग जमात में घुसपैठ कर चुके हैं और छात्र प्रदर्शनकारियों के साथ मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि वह तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना के पास गए थे लेकिन उन्होंने उन्हें बताया गया कि सेना प्रमुख ने हसीना को आश्वासन दिया है कि वह आंदोलनकारी छात्रों की बढ़ती भीड़ को संभाल लेंगे।

असदुज्जमां ने 4 अगस्त 2024 से पहले वाली शाम को हुई बैठक को लेकर कहा, शेख हसीना के सामने वकार ने मुझसे कहा कि सड़कों पर हो रही हिंसा के कारण लोगों का पुलिस पर से भरोसा उठ गया है और बेहतर होगा कि सेना ही प्रवेश द्वारों पर आंदोलनकारियों को रोके। वकार ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि सेना किसी को भी प्रधानमंत्री आवास के पास न आने दे। असदुज्जमां ने कहा कि इस बैठक के अगले दिन क्या हुआ यह सब जानते हैं। दरअसल, हिंसक प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने हसीना के आवास पर धावा बोल दिया था और हजारों की संख्या में लोग उनके आवास में दाखिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें देश छोड़कर भारत आने को मजबूर होना पड़ा।

एनडीए की...

यह चुनाव बिहार के नौजवानों के बहुत महत्वपूर्ण है।बिहार का यह चुनाव राज्य को विकसित बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। विकसित बिहार का मतलब है हर परिवार की समृद्धि है। इसके लिए एनडीए की डबल इंजन सरकार बहुत जरूरी है। केंद्र सरकार गरीबों को पक्के घर बनाने में मदद करती है। जहां-जहां एनडीए की सरकार है, वहां घर बनाने का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन, जहां कांग्रेस की सरकार है, वो इस योजना को डिब्बे में बंद कर रहे हैं। वह गरीबों का घर नहीं बनने दे रहे हैं। इसलिए पक्के घर बनाने के लिए एनडीए को आपका आशीर्वाद चाहिए। बिहार में 60 लाख पक्के घर गरीबों को मिल चुके हैं। कटिहार में ही करीब एक लाख पक्के घर गरीबों को मिले हैं। पीएम मोदी ने एनडीए सरकार की विकास योजनाओं को गिनाया। इसके बाद एनडीए प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहरसा में भी जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने मंच से कहा कि एनडीए की पहचान विकास से है, जबकि आरजेडी-कांग्रेस की पहचान विनाश से है। पीएम मोदी ने इससे जुड़ी बात भी साझा की। पीएम मोदी ने कहा, कोसी महासेतु प्रोजेक्ट की शुरुआत 2003 में अटल बिहारी बाजपेयी सरकार ने किया। 2004 में राजद के समर्थन वाली दिल्ली में मनमोहन सिंह जी की सरकार बनी। 2005 में नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी। बिहार के लोगों ने राजद को साफ कर दिया। ऐसे में बिहार के लोगों से इतना गुस्सा किया कि बिहार के लोगों को बर्बाद करने में जुट गए।

पीएम मोदी ने सनातन धर्म के अपमान और शिक्षा को लेकर राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव को घेरा। उन्होंने छठ से लेकर अयोध्या तक की चर्चा की। राहुल गांधी के बेगूसराय में मछली मारने की खबरों से जोड़ते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में निषाद राज का मंदिर बना है। वहां वह कभी नहीं जाते हैं। भगवान राम से अगर तकलीफ है तो निषाद राज जी, सबरी माता और वाल्मिकी जी के मंदिर में ही माथा टेक कर आ जाओ। उन्होंने लालू प्रसाद की हैलोवीन मनाती तस्वीरों पर भी निशाना साधा और घेरते हुए कहा, राजद और कांग्रेस का परिवार दुनियाभर के त्यौहार मनाते हैं। विदेशी त्यौहार मनाने पर इन्हें मजा आता है। लेकिन, अब छठ महापर्व मनाने में इन्हें शर्म आती है। छठी मैया का इनलोगों ने अपमान किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद के नामदार जमीन से भी कटे हुए हैं। यह लोग भांति-भांति के सपने भले देखते हों। अब कांग्रेस के नामदार लोगों को कह रहे हैं जब दिल्ली में उनकी सरकार बनेगी तो बिहार में नालंदा जैसा विश्वविद्यालय बनाएंगे। जब केंद्र में राजद और कांग्रेस की सरकार 10 साल तक थी, तब भी यही कहते थे कि नालंदा में विश्वविद्यालय बनाएंगे। यह लोग सिर्फ 20 करोड़ देकर भूल गए। इतने में तो गांव में भी एक स्कूल नहीं बनता। जब आपने एनडीए सरकार को मौका दिया।

हमने नालंदा विश्वविद्यालय बनाने के लिए 2000 करोड़ रुपए दिए। दो हजार करोड़ लगाकर हमलोगों ने नालंदा विश्वविद्यालय का शानदार कैंपस बनाया। यहां पर 21 से ज्यादा देशों के छात्र पढ़ रहे हैं। जिन लोगों ने स्कूल-कॉलेज में ताले लगा दिए। जिन लोगों के राज में ग्रेजुएशन करने में पांच साल लग जाते थे, वह आज बिहार में शिक्षा पर ज्ञान दे रहे हैं। मैं आपलोगों को विश्वास दिलाता हूं कि बिहार में शिक्षा का गौरव फिर से लौटेगा। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले आपस में ही लड़ाई लड़ रहे हैं। विकास की बात इनके मुंह से बेमानी है।

पीएम मोदी ने कहा, दिल्ली में सरकार इनके समर्थन की थी। इन्होंने मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के बगल में बैठकर इन्होंने बिहार की भलाई के प्रोजेक्ट पर ताले लगवा दिए। पैसा रोक दिया। आरजेडी-कांग्रेस ने कोसी महासेतु को लटका दिया। बिहार के लोगों को अपनी हार की सजा दी। पीएम मोदी ने कहा, साल 2014 में मुझे मौका दिया। बदला लेने वालों को हटवाया। मैंने नई योजना बनवाई। नए सिरे से पैसे दिए। आ-खिरकार 2020 में एनडीए सरकार ने ये पुल बनाकर आप लोगों को सौंपा। राजद-कांग्रेस की बदला वाली नीति के चलते बिहार के लोगों को परेशान होना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आरजेडी-कांग्रेस की डिक्शनरी में कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार, कुशासन और करप्शन जैसे शब्द भरे पड़े हैं। जंगलराज की पाठशाला में इन्होंने बस यही सीखा है।

पीएम मोदी ने जंगलराज की याद दिलाते हुए कहा, सहरसा के बहादुर डीएसपी सत्यपाल जी जंगलराज वालों पर नकेल कस रहे थे, उन्हें ठीक कर रहे थे। ये बात पटना में बैठे जंगलराज वालों को पसंद नहीं आई। इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। जिन अपराधियों ने ईमानदार अधिकारी की हत्या की, उन्हें खुला छोड़ दिया गया।

आरटीसी बस और...

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचने और सभी आवश्यक राहत उपाय करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों को पर्याप्त उपचार प्रदान करने के लिए हैदराबाद के सरकारी गांधी और उस्मानिया अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिया कि गंभीर स्थिति वाले सभी लोगों को बचाने के लिए चिकित्सा दल उपलब्ध कराए जाएँ।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि स्वास्थ्य आपातकाल मानते हुए घायलों को बेहतर उपचार प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की है कि राज्य सरकार दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (शु-सीरींळर) प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल दी जा रही है।

चेवेल्ला सरकारी अस्पताल में शवों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि शवों को बिना किसी देरी के परिवारों को सौंपा जाए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार शोक संतप्त परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

भागने के चक्कर में ...

और अन्य राज्यों में घरेलू सहायकों व दिहाड़ी मजदूरों के तौर पर काम करते हैं। पिछले 3 दिनों में 89 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया है।

उधर, हकीमपुर में 11 बच्चों और 15 महिलाओं समेत कम से कम 45 और बांग्लादेशी घुसपैठियों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की कोशिश करते हुए हिरासत में लिया गया। बशीरहाट के एसपी हुसैन मेहदी रहमान ने बताया कि घुसपैठियों को बीएसएफ कर्मियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। एसपी ने कहा, वे कोलकाता और राजारहाट इलाकों में काम करते थे और भागने की कोशिश कर रहे थे। सभी बंदियों को बशीरहाट अदालत में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गौरतलब है कि एसआईआर की घोषणा और हाल ही में अवैध प्रवास की घटनाओं के बाद बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी गश्त तेज कर दी है।

महागठबंधन में 3...

योगी ने कांग्रेस पर कश्मीर को विवादित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी क्या मुसीबत आई कि कश्मीर हिंदू विहीन हो गया? एक फिल्म का कलाकार 27 वर्षों बाद अपने ही कश्मीर लौट पाया। कांग्रेस के पाप का परिणाम था कि धारा 370 कश्मीर पर थोपी गई, जिसके कारण बिहार, मिथिला या देश का कोई भी व्यक्ति वहां बस नहीं सकता था। कांग्रेस ने पाप किया, जबकि पाकिस्तानी कश्मीर में लोग बसते गए। लेकिन मोदी जी के आने के बाद धारा 370 समाप्त की गई, अब कश्मीर में मिथिला और बिहार का बेटा भी बस सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि माता जानकी की इस धरा को कोटि-कोटि नमन। रामलला विराजमान हो गए हैं, तो मां जानकी का मंदिर पुनौरा धाम, मिथिला में बनना शुरू हो गया है। आपकी आस्था के अनुरूप जानकी मंदिर का निर्माण केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कर रही हैं। अयोध्या और पुनौरा धाम को जोड़ने वाली राम-जानकी सड़क भी बनाई जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि मखाना बोर्ड और हल्दिया से पटना जलमार्ग जैसी परियोजनाओं से मिथिला की शोभा और महिलाओं के सम्मान में वृद्धि हुई है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नीतियों से गरीबों के जीवन में बड़े बदलाव आए हैं। जैसे धुएं रहित रसोई का सपना साकार हुआ और कश्मीर से जुड़ा विवाद भी धारा 370 हटाकर समाप्त कर दिया गया। सभा के अंत में योगी आदित्यनाथ ने एनडीए प्रत्याशी डॉ. मुरारी मोहन झा को मंच पर जीत की माला पहनाकर समर्थन जताया और जनता से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, जब भी आरजेडी और कांग्रेस सत्ता में आते हैं तो बिहार जलने लगता है। हम अपने बॉर्डर वाले शहरों से घुसपैठियों को बाहर निकाल देंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने आर्टिकल 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तानी तत्वों को हटाया था। अपने संबोधन में योगी ने कहा राजद के शासन में गरीबों का राशन लूट लिया जाता था, लेकिन आज 8 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। अपने संबोधन के अंत में सीएम योगी ने बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे का नारा लगाया।

टेक्नोलॉजी से ही...

भागीदारी की सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा कि जब विज्ञान का पैमाना मिलता है और जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है। उन्होंने कहा, हम रिसर्च को आसान बनाने पर फोकस कर रहे हैं ताकि भारत में नवाचार का एक मॉडर्न इकोसिस्टम डेवलप हो सके। ईएसटीआईसी 5 नवंबर तक चलेगा जिसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3000 से ज्यादा लोग भाग ले रहे हैं। इनमें नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं।प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किए गए अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) फंड से उच्च स्तर की तकनीक और जोखिम वाले क्षेत्रों में रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। इस फंड को जारी करने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रजिस्टर्ड पेटेंट के मामले में भारत में 17 गुना वृद्धि हुई है। स्टार्टअप्स के काम करने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के मामले में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। यह बताता है कि भारत अपने यहां नवाचार करने वालों और नए उद्यमियों के लिए बेहतर वातारण उपलब्ध करा रहा है।आरडीआई फंड की शुरुआत अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। एक ऐसा फोरम है जो सरकार के विकसित भारत 2047 विजन को आगे बढ़ाने के लिए नीति निर्माताओं और नए इनोवेटर्स को एक मंच पर लाएगा। इसका लाभ देश में अनुसंधान से जुड़े फर्मों को मिलेगा। आरडीआई फंड का प्रबंधन विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग की दो स्तरीय संरचना के जरिए किया जाएगा। इस योजना के तहत शुरुआती स्तर पर अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के अंतर्गत एक विशेष निधि बनाई जाएगी। यह निधि 1 लाख करोड़ रुपए की होगी। एएनआरएफ इसकी देखरेख और प्रबंधन करेगी।आरडीआई फंड दूसरे स्तर के फंड मैनेजरों जरिए पूंजी निर्माण की कवायद करेगा। इसमें वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ), विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां (एनबीएफसी) शामिल हैं। ये प्रबंधक, वित्तीय, व्यावसायिक और तकनीकी विशेषज्ञों वाली स्वतंत्र निवेश समितियों के मार्गदर्शन में, समर्थन के लिए परियोजनाओं की पहचान करेंगे और उनकी सिफारिश करेंगे। पीएम मोदी ने इसकी लॉन्चिंग के दौरान भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली एक कॉफी टेबल बुक और देश के भविष्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लक्ष्यों को रेखांकित करने वाला एक विजन दस्तावेज भी लॉन्च किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 04 नवंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बीडीएल का सतर्कता जागरूकता सप्ताह सम्पन्न

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2025, जो 27 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक बीडीएल में मनाया जा रहा था, सोमवार को संपन्न हुआ।

सोमवार को बीडीएल में आयोजित समापन समारोह में,वी. वी. लक्ष्मीनारायण, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता थीम, सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी पर मुख्य भाषण दिया।मुख्य अतिथि वी. वी. लक्ष्मीनारायण, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने चेतना – 2025 का विमोचन किया। यह बीडीएल के सतर्कता विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक समाचार पत्र है। इस अवसर पर कमोडोर ए. माधवराव, सीएमडी, बीडीएल; श्री डी. वी. श्रीनिवास राव, निदेशक (तकनीकी); जी. गायत्री प्रसाद, निदेशक (वित्त); श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी; कमोडोर गिरीश आर. प्रधान (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक और यूनिट हेड बीडीएल, कंचनबाग यूनिट; और बीडीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस वर्ष, बीडीएल के सतर्कता जागरूकता सप्ताह में हितधारकों के बीच सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें विक्रेता बैठक (तशपर्वीी चशशीं), ग्राम सभा, वॉकथॉन, इंटरैक्टिव सत्र और प्रतियोगिताएँ शामिल थीं।

वी. वी. लक्ष्मीनारायण, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने अपने संबोधन में ईमानदारी (खपींशसीळीं) और सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल से जुड़ा एक उपाख्यान सुनाया, जिसे 'पटेल टेस्ट' के नाम से जाना जाता है। यह एक मूल्यवान अनुस्मारक है कि हमें अपने कार्यों में ईमानदारी को लागू करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईमानदारी का मतलब है सही काम करना, भले ही कोई देख न रहा हो, क्योंकि हमारा अंतर्मन हमेशा हमें देखता है। उन्होंने कहा कि आइए, हम अपने काम में सतर्कता को आदत, अपने संगठन में संस्कृति और अपने राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता बनाने का प्रयास करें।

कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त), सीएमडी, बीडीएल ने कहा कि सभी व्यक्तियों को अपने दिन–प्रतिदिन के कर्तव्यों का निर्वहन करते समय सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य करना चाहिए।

श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी, आईआरएस, सीवीओ, बीडीएल ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025 के हिस्से के रूप में आयोजित सतर्कता जागरूकता गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण दिया और सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में उनकी जबरदस्त भागीदारी के लिए कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

एनएमडीसी ने मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2025

सत्यनिष्ठा को साझा जिम्मेदारी के रूप में बढ़ावा दिया

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने हैदराबाद में अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में एक उत्साहपूर्ण समापन समारोह के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का सफल आयोजन किया । एक सप्ताह तक मनाए गए इस आयोजन के दौरान इस वर्ष की थीम सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी प्रतिध्वनित होती रही, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक उत्कृष्टता के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रेरित करती है ।सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को शुरू हुआ, जिसमें एनएमडीसी की परियोजनाओं और कार्यालयों में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा सहित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताएं और डिजिटल जागरूकता अभियान जैसी आकर्षक गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल थी । वीएडब्ल्यू थीम के अनुरूप, एनएमडीसी ने तीन माह का जागरूकता अभियान शुरू किया, जो 18 अगस्त, 2025 को प्रारंभ हुआ और 17 नवंबर, 2025 तक जारी रहेगा । इस पहल के हिस्से के रूप में, नैतिक प्रथाओं और सतर्कता–तंत्र की समझ बढ़ाने के लिए भारत सरकार के वर्तमान में कार्यरत और सेवानिवृत्त कार्मिकों द्वारा कपैसिटी बिल्डिंग कार्यक्रमों सहित विभिन्न सत्र आयोजित किए जा रहे हैं । अभियान के तहत इस वर्ष शुरू किया गया एक प्रमुख घटक आई–गॉट मॉड्यूल है, जिसके माध्यम से एनएमडीसी के अधिकारी सतर्कता प्रशासन के विभिन्न पहलुओं पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं । संगठन से परे सत्यनिष्ठा के संदेश को प्रसारित करने के लिए, एनएमडीसी ने मेजबान समुदायों और हितधारकों को शामिल करते हुए अपने

परियोजना स्थलों पर ग्राम सभाओं का भी आयोजन किया ।1 नवंबर, 2025 को समापन समारोह में मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश उप क्षेत्र मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने संगठनात्मक संस्कृति को आकार देने में व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया । उन्होंने कहा, सत्यनिष्ठा केवल एक गुण नहीं है, जिसे हम तब प्रदर्शित करते हैं जब कोई देख रहा होता है, यह हमारे चरित्र का सार है, जो हमारे द्वारा लिए गए हर निर्णय में परिलक्षित होता है । सतर्कता आत्म–जागरूकता से शुरू होती है और एक संगठन के रूप में हमारी सामूहिक चेतना तक फैली हुई है । हम में से प्रत्येक को अपने आचरण में सतर्क, पारदर्शी और निष्पक्ष होने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए । सच्ची सतर्कता संदेह के बारे में नहीं है; यह एक ऐसा वातावरण बनाने के बारे में है जहां ईमानदारी सहज है और विश्वास नींव है । उन्होंने आगे कहा, जब ईमानदारी एक आदत बन जाती है, तो सतर्कता सहज हो जाती है । यह एनएमडीसी जैसे संस्थानों को विश्वसनीयता, अनुशासन और उद्देश्य पर आगे बढ़ने में सहायता करती है – यह सुनिश्चित करती है कि विकास न केवल टन अयस्क में मापा जा सकता है, बल्कि विश्वास के टन में भी मापा जा सकता है ।कार्यक्रम में एनएमडीसी के वरिष्ठ नेतृत्व श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी); श्री जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन); श्रीमती प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक) और श्री सी नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, के साथ–साथ एनएमडीसी के कर्मचारी भी उपस्थित थे ।

संगठन की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) ने पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देने में सतर्कता टीम की सक्रिय भूमिका की सराहना की तथा कहा कि एनएमडीसी में सतर्कता विभाग सिर्फ एक प्रहरी नहीं है बल्कि यह परिवर्तन का उत्प्रेरक है । हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ डिजिटल हस्तक्षेप, डेटा–संचालित अंतर्दृष्टि और निवारक सतर्कता निर्णय लेने का मजबूत आधार बनेंगे । अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हमारा ध्यान ऐसे फ्रेमवर्क बनाने पर होना चाहिए जो हर स्तर पर निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करें । उन्होंने आगे कहा, जब प्रणालियाँ मज़बूत होती हैं, तो निर्णय वस्तुनिष्ठ हो जाते हैं – और यही सत्यनिष्ठा का सबसे सच्चा प्रतिबिंब है ।इस अवसर पर श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ने कहा, सतर्कता केवल मैनुअल या चेकलिस्ट तक सीमित नहीं है – यह एक जीवंत सिद्धांत है जो हमारे सोचने, कार्य करने और नेतृत्व करने में मार्गदर्शन करता है । अपनी पहलों के माध्यम से हमने हैदराबाद, बैलाडीला, जगदलपुर, नगरनार, पन्ना और दोणिमले के स्कूलों और समुदायों तक पहुँच बनाई है और हज़ारों युवा छात्रों को यह समझने के लिए प्रोत्साहित किया है कि ईमानदारी और ज़िम्मेदारी जीवन–पर्यंत साथ देने वाली संपत्ति है । ये विचार–विमर्श हमें याद दिलाते हैं कि शिक्षा और जागरूकता भ्रष्टाचार मुक्त समाज की नींव होते है । हम ऐसी प्रणालियाँ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो न केवल खामियों का पता लगाएँ, बल्कि उनकी रोकथाम भी करें । केंद्रीय सतर्कता आयोग के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित, एनएमडीसी निष्पक्ष, नैतिक और सुस्थिर प्रक्रियाओं का निरंतर निर्माण कर रहा है ।पूरे सप्ताह के दौरान, एनएमडीसी के कर्मचारियों और हितधारकों ने प्रश्नमंच, चित्रकला, निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो सतर्कता की भावना को सक्रिय रखने के लिए आयोजित की गई थीं । समापन समारोह के दौरान विजेताओं की रचनात्मकता और नैतिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए पुरस्कृत किया गया । समापन समारोह में कर्मचारियों, छात्रों और नेतृत्व को एक साथ लाया गया, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि ईमानदारी सतत विकास और सुशासन को किस प्रकार बढ़ावा देती है ।एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का समापन नई ऊर्जा और साझा उद्देश्य के साथ किया और अपने इस विश्वास की पुष्टि की कि सत्यनिष्ठा प्रत्येक का कर्तव्य है – और सतर्कता एक सामूहिक प्रतिबद्धता है ।

ईसीआईएल और प्रोएन्जिन एसएएस, फ्रांस के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भारत में बनेगा पोर्टेबल केमिकल वारफेयर एजेंट डिटेक्टर

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है, जो बहु–विषयक उत्पादों के विकास/उत्पादन/एकीकरण में लगी हुई है। यह परमाणु ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा और राष्ट्रीय महत्व के अन्य रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी समाधान प्रदान करती है।

ईसीआईएल ने 3 नवंबर 2025 को मेसर्स प्रोएन्जिन एसएएस फ्रांस के साथ स्वदेशी निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन फ्लेम फोटोमेट्री आधारित पोर्टेबल केमिकल वारफेयर एजेंट डिटेक्टर और थ्रेट डिटेक्शन हब बॉक्स (टीडीएच) के इन–हाउस विनिर्माण के लिए किया गया है।

समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान डॉ. अनिश कुमार शर्मा, ओएस, निदेशक (तकनीकी), ईसीआईएल और श्री इमैनुअल डेलसार्ट, उपाध्यक्ष, मेसर्स प्रोएन्जिन एसएएस, फ्रांस के बीच हुआ। इस समझौता ज्ञापन पर कमोडोर नीरज उदय, वीएसएम (सेवानिवृत्त), महाप्रबंधक (एचएसएस और एसईडी), ईसीआईएल और श्री इमैनुअल डेलसार्ट, उपाध्यक्ष, मेसर्स प्रोएन्जिन एसएएस, फ्रांस ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर श्री प्रतीक़ कुमार चक्रवर्ती, निदेशक (वित्त), ईसीआईएल और श्री राघवेंद्र राव, महाप्रबंधक, मेसर्स प्रोएन्जिन एसएएस, साथ ही ईसीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।ईसीआईएल और मेसर्स प्रोएन्जिन एसएएस, फ्रांस ने व्यापक सीबीआरएन सिस्टम और समाधान प्रदान करने के लिए व्यावसायिक सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है। इस जुड़ाव की दिशा में पहले कदम के रूप में, स्वदेशी निर्माण टीडीएच बॉक्स और एफपीडी आधारित केमिकल डिटेक्टर तथा व्यावसायिक विकास सहित दो मुख्य सहयोग क्षेत्रों की पहचान की गई। तदनुसार, सीबीआरएन के क्षेत्र में अनुभव, सर्वोत्तम प्रथाओं, क्षमता निर्माण और ज्ञान को साझा करने के माध्यम से उनके बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एनआईआईएमएच, हैदराबाद में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया गया

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक किया गया। इस वर्ष की थीम थी सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी।यह राष्ट्रव्यापी पहल केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशन में सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी के मूल्यों को सुदृढ़ करने एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन के महत्व को रेखांकित करने हेतु आयोजित की गई।उद्घाटन समारोह 27 अक्टूबर 2025 को संस्थान के सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. जी. पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि सतर्कता केवल संस्थागत व्यवस्था नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक और आत्म–अनुशासन से जुड़ा दायित्व है।सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों का समन्वय डॉ. अशफाक अहमद, रिसर्च ऑफिसर (यूनानी) ने किया। उद्घाटन दिवस पर सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें कर्मचारियों ने पारदर्शिता एवं सत्यनिष्ठा पर अपने विचार प्रस्तुत किए।पूरे सप्ताह कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक निबंध लेखन, वाद–विवाद एवं क्विज प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन गतिविधियों ने नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और सुशासन को प्रोत्साहित करने की दिशा में कर्मयोगियों की सामूहिक प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त किया।साथ ही, सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा थीम पर आधारित एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें तीन विषय विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन प्रदान किया और एनआईआईएमएच के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने सहभागिता की।सप्ताह का समापन 3 नवंबर 2025 को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मिधानि में सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह सम्पन्न

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अधीन मिनीरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशानुसार, 27.10.2025 से 02.11.2025 तक सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025 मनाया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025 का आयोजन 27.10.2025 को अपराह्न 3:00 बजे मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ शुरू हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), श्री पड़विट्टा बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी और मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सप्ताह के दौरान, मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही के संचालन हेतु ई–प्लेटफ़ॉर्म का शुभारंभ किया गया।

इस वर्ष की थीम सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी पर सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न प्रश्न–ोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सीवीसी के निर्देशानुसार, समाज के सभी हितधारकों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विक्रेता सम्मेलन, ग्राहक शिकायत निवारण सत्र (ऑनलाइन) और मिधानि के हैदराबाद संयंत्र और रोहतक संयंत्र के आसपास के क्षेत्र में 4 किलोमीटर की वॉकथॉन, तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के सिंगापुरम गाँव में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। मिधानि के सतर्कता विभाग के अनुरोध पर, सप्ताह के दौरान आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में मिधानि के आवस परिसर में स्थित बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों के लिए पोस्टर तैयार करने, वाक् और नारा लेखन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।

सप्ताह का समापन 03.11.2025 को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में श्री वी.वी. लक्ष्मीनारायण, आईपीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व संयुक्त निदेशक, सीबीआई ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से दर्ज करके कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में श्री पड़विट्टान बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी और मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, सीवीओ, मिधानी ने संगठन में सतर्कता कार्यों के प्रत्येक कार्यक्षेत्र पर जोर दिया और बताया कि यह समय के साथ विकसित हुआ है और प्राथमिकताएँ दंडात्मक सतर्कता से निवारक सतर्कता में स्थानांतरित हो गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में, माननीय सीवीसी द्वारा सहभागी सतर्कता और पूर्वानुमानित सतर्कता की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

श्री वी.वी. लक्ष्मीनारायण, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने अपने मुख्य भाषण में विषय पर अपने व्यावहारिक विचार साझा किए और भ्रष्टाचार के विभिन्न स्तरों जैसे गौरैया प्रकार, बकरी प्रकार और भैंस प्रकार का उल्लेख किया, जो हमारे समाज पर हानिकारक प्रभाव डालता है। उन्होंने भ्रष्टाचार उन्मूलन के तरीकों के महत्व पर बल दिया और सभी कर्मचारियों को अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में अत्यधिक ईमानदारी का पालन करने के लिए प्रेरित किया। सतर्कता विभाग की गृह पत्रिका जागृति का विमोचन किया गया और सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। सत्र का समापन मिधानि के सभी कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने भारत को एक भ्रष्टाचार मुक्त, विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लक्ष्य हासिल करने के लिए योगदान देने हेतु अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

बेगम बाजार में परशुराम मंदिर निर्माण हेतु सर्व ब्राह्मण समाज की संयुक्त सभा आयोजित

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेगम बाजार स्थित पारीक मंदिर प्रांगण में आज राजस्थानी ब्राह्मण सभा और सर्व ब्राह्मण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का उद्देश्य भगवान परशुराम मंदिर, बेगम बाजार के निर्माण कार्य को गति देना और आगामी रूपरेखा तय करना था।

सभा में ब्राह्मण समाज की विभिन्न समितियों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मंदिर निर्माण कार्य को संगठित रूप से आगे बढ़ाने के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया जाएगा।

इस समिति में ब्राह्मण समाज की सभी प्रमुख शाखाओं एवं संगठनों के पदाधिकारियों को सम्मिलित किया जाएगा, ताकि मंदिर निर्माण का कार्य सामूहिक एकजुटता से आगे बढ़ सके।

सभा में यह भी तय किया गया कि प्रचार एवं व्यवस्था समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक समिति से 10-10 प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। ये समितियाँ निर्माण, व्यवस्था, प्रचार-प्रसार एवं समाज को जोड़ने के कार्य का दायित्व निभाएँगी। अगले रविवार तक इन समितियों की पूर्ण सूची घोषित की जाएगी।

सभा में उपस्थित वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब पूरे समाज को एक मंच पर लाकर भगवान परशुराम मंदिर के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण परिषद एवं राजस्थानी ब्राह्मण सभा के प्रमुख पदाधिकारी श्री वेद प्रकाश जोशी जी, श्री रामदेव नागला जी, श्री पवन मिश्रा जी, श्री सुरेश कुमार तिवारी जी, श्री मोहन शर्मा जी, श्री विशाल शर्मा जी, श्री नरेश अवस्थी जी, श्री धनंजय मनसबदार जी, श्री रितेश शर्मा जी, श्री संदीप जयलवाल जी, श्री संदेश उपाध्याय जी, श्री मनीष शर्मा जी, श्री दुर्गा शर्मा जी एवं श्री लक्ष्मीकांत पांडेय जी आदि उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप ने बेगम बाजार पर किया अन्नदान

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान किया गया।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, गोविन्द राम पचेरीया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, शर्मिला गोयल, मीना अग्रवाल, मनोज शर्मा एवं आशीष आदि उपस्थित थे।

श्रीजी भागवत सेवा समिति,विप्र फाउंडेशन जलना के तत्वावधान में श्रीधाम बृंदावन में चल रही श्रीमद् भागवत में भक्तगण एवं व्यास पीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली)।

अग्रवाल सेवा दल एवं पित्ती ट्रस्ट द्वारा 154वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप सम्पन्न

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के संयुक्त तत्वावधान में, अग्रवाल समाज रामनगर शाखा के सहयोग से 154वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप बंसीलालपेट स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन अस्पताल की ओर से हृदय रोग (कार्डियोलॉजी), हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस जैसी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। इन सेवाओं में ऑर्थोपेडिक डॉ. पूजिता, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मनदीप, नर्सिंग स्टाफ संगीता, भाग्यलक्ष्मी, मल्लेश्वरी, बीएमडी तकनीशियन मोहन, 2डी इको तकनीशियन अक्षिता और मार्केटिंग विभाग से उदय कुमार ने सक्रिय सहयोग दिया।साथ ही एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल, दोमलगुड़ा द्वारा 187 लोगों की नेत्र जांच (स्क्रीनिंग) की गई, जिसमें 61 व्यक्तियों को निशुल्क चश्मे एवं 9 मरीजों को मोतियाबिंद संचालन हेतु चयनित किया गया।लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल के ट्रस्टी किशोर छाबरिया, अजित कश्यप, वरफान, सौमिक, पी. यदागिरि और भास्कर ने शिविर में सहयोग प्रदान किया।कैंप में सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस, डिप्लोमा इन डायबिटीज) तथा दंत चिकित्सक डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल (एसएनआर डेंटल) द्वारा अपनी सेवाएँ दी गईं। फिजियोथेरेपी की सुविधा डॉ. मीता बजाज (बजाज फिजियो केयर) द्वारा प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त, श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने दो जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायक उपकरण प्रदान कर सेवा की।शिविर के सफल आयोजन में अग्रवाल सेवा दल एवं संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, विनय सी. अग्रवाल, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल तथा अग्रवाल समाज रामनगर शाखा अध्यक्ष प्रशांत धन्नावत, मानद मंत्री दीपक गुप्ता, सदस्य अखिलेश केडिया, नितिन अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।विद्यालय प्राचार्य स्वप्न माला, स्वयंसेवक पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबीता अग्रवाल, सुनैना नारसरिया, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, लावण्या, हाजिरा अदीब, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल तथा पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने भी सहयोग दिया।

कैंप से 254 से अधिक मरीजों ने जांच व परामर्श का लाभ उठाया।

श्री गुरु नानक देवजी का 556वां प्रकाशोत्सव

अफजलगंज से निकला भव्य नगर कीर्तन, विशाल दीवान कल

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सोमवार को गुरुद्वारा गुरु सिंग सभा, अफजलगंज से रंगारंग व भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। श्री गुरु नानक देवजी का प्रकाश उत्सव 5 नवंबर, 2025 को बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा।

शबद कीर्तन, सुसज्जित वाहन पर गुरु ग्रंथ साहिबजी को ले जाना, निशान साहिबान लेकर चलना और सिख युद्ध कला गतका का रोमांचक प्रदर्शन - प्रथम सिख गुरु और सिख धर्म के संस्थापक, श्री गुरु नानक देवजी के 556वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में निकाले गए नगर कीर्तन का मुख्य आकर्षण रहा।

चल रहे 556वें प्रकाश पर्व समारोह के एक भाग के रूप में, सोमवार (3 नवंबर 2025) को गुरुद्वारा सिंग सभा, अशोक बाजार से नगर कीर्तन निकाला गया, जो अफजलगंज, सिद्दिअंबर बाजार, जामबाग, पुतली बाउली, केंद्रीय गुरुद्वारा साहिब गौलीगुड़ा होते हुए शाम को गुरुद्वारा सिंह सभा पहुँचा।

प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सतविंदर सिंह बग्गा (जीएसजीएसएस), एस. बलदेव सिंह बग्गा (जीएसएस), जसपाल सिंह टुटेजा (जीएसजीएसएस उपाध्यक्ष), महासचिव जगमोहन सिंह (जीएसएस), जोगिंदर सिंह मुजराल (जीएसजीएसएस), सचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी (जीएसएस) और अन्य समिति सदस्यों ने बताया कि नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिबजी (सिखों के पूजनीय धर्मग्रंथ) को एक सुंदर रूप से सजाए गए वाहन पर विराजित किया गया था। कीर्तनी जत्थों द्वारा शबद कीर्तन प्रस्तुत किए गए, जबकि युवाओं ने गतका कौशल दिखाया।

अमृतसर के जय तेगंग गतका अखाड़ा, दशमेश कलगीधर जत्था एवं अन्य जत्थों के सिख युवाओं ने कुंद हथियारों, कृपाण, तलवारों और विभिन्न युद्ध कला प्रदर्शन द्वारा अपने रोमांचक गतका कौशल (सिख मार्शल आर्ट) का प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं को कड़ा प्रसाद, चाय और नाश्ते की व्यवस्था की गई। साथ ही, गुरु नानक देवजी के जीवन और शिक्षाओं को एक एलईडी स्क्रीन वाले सुसज्जित वाहन पर प्रदर्शित किया गया।

मुख्य 556वें प्रकाश उत्सव (जन्मदिवस) मनाने हेतु 5 नवंबर 2025 को प्रदर्शनी मैदान, नामपल्ली, हैदराबाद में एक विशाल दीवान (सामूहिक समागम) का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा, जिसमें 25,000 से अधिक सिख श्रद्धालुओं और अन्य धर्मों के लोगों की भागीदारी अपेक्षित है।

इस अवसर पर भाई हरजिंदर सिंहजी (श्रीनगर वाले), भाई बलजीत सिंह (यूएसए वाले), ज्ञानी साहेब सिंहजी (मारकंडा वाले), हजूरी रागी जत्थे, भाई हरि सिंहजी, भाई जगदेव सिंहजी, भाई हरविंदर सिंह और अन्य प्रतिष्ठित कथा वाचक व रागी जत्थे शबद कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। कीर्तन और प्रवचन गुरु नानक देवजी की शिक्षाओं पर केंद्रित रहेंगे, जो शांति, समानता और मानवता के प्रतीक माने जाते हैं।समागम के समापन पर श्रद्धालुओं को गुरु का लंगर (नि:शुल्क सामुदायिक भोजन) परोसा जाएगा।

इसके अतिरिक्त 4 और 5 नवंबर 2025 को दो रात्रि कीर्तन दरबारों का आयोजन किया जाएगा। 4 नवंबर (मंगलवार) को गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद में शाम 7 बजे से रात 10.30 बजे तक तथा 5 नवंबर को रात 9 बजे से सुबह 2 बजे तक गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, अफजलगंज में रात्रि कीर्तन दरबार होगा, जिसमें उपरोक्त प्रसिद्ध रागी जत्थे गुरुबाणी कीर्तन का पाठ करेंगे।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप में किया अन्नदान। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, रणधीर एवं अन्य।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीधर लोखंडे ने मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता अत्तापुर कॉर्पोरेटर और सम्मानित अतिथि श्री कोमारैया, प्रशांत नीमकर, अनीश, डेविड राज, सतीश कुमार, वामशी कृष्णा तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में जीएचएमसी कर्मचारियों को साड़ियाँ वितरित की गई।

एचसीए बी डिवीजन 2-डे लीग चैम्पियनशिप में मानव सिंह लोध का धमाकेदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) द्वारा आयोजित बी डिवीजन 2-डे लीग चैम्पियनशिप के रोमांचक मुकाबले में गौड्स 11 के स्टार गेंदबाज़ मानव सिंह लोध ने गेंद से कमाल दिखाया। विजय हनुमान टीम के विरुद्ध उनके शानदार प्रदर्शन ने पूरे मैच का रुख बदल दिया।

मानव सिंह लोध ने 14.4 ओवरों की सटीक और नियंत्रित गेंदबाज़ी में केवल 38 रन देते हुए 5 महत्वपूर्ण विकेट झटके। यह फाइव-विकेट हॉल उनके करियर का यादगार पल साबित हुआ और गौड्स 11 के लिए निर्णायक मोड़ बन गया।विजय हनुमान टीम की शुरुआत संभलकर रही, लेकिन मानव की सटीक और तेज गेंदबाज़ी ने मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया। लगातार विकेटों की झड़ी लगाकर उन्होंने विपक्षी टीम पर भारी दबाव बना दिया। मैदान पर मौजूद दर्शकों ने उनके हर विकेट पर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

उनके प्रदर्शन से प्रेरित होकर टीम के अन्य गेंदबाज़ों ने भी बेहतरीन लय बरकरार रखी और गौड्स 11 ने मुकाबले में मजबूत स्थिति हासिल कर ली। क्रिकेट प्रेमियों और टीम प्रबंधन ने मानव सिंह लोध की इस शानदार गेंदबाज़ी को मैच टर्निंग स्पेल करार देते हुए उन्हें बधाई दी।

ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी के मामलों में हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यहाँ की साइबर क्राइम पुलिस ने आज खुलासा किया कि उन्होंने ऑनलाइन निवेश घोटालों में कथित संलिप्तता के लिए आंध्र प्रदेश से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने देश भर के लोगों को कई लाख रुपये का चूना लगाया।

पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

आरोपी, गुंटूर जिले के मडथला रमेश रेड्डी (25), विशाखापत्तनम के गांधी श्रीनू (31), और विजयवाड़ा के गुर्रापूकौंडा श्रीधर (43), संगठित साइबर-आपराधिक सिंडिकेट के लिए फैसिलिटेटर (सुविधाकर्ता) के रूप में काम करते पाए गए।

उन्होंने कथित तौर पर कई बैंक खाते खोले और प्रत्येक धोखाधड़ी लेनदेन पर 10 से 20 प्रतिशत तक कमीशन के लिए अपने क्रेडेंशियल ऑनलाइन धोखेबाजों को सौंप दिए।

इन आरोपियों ने व्हाट्सएप और टेलीग्राम के माध्यम से वीआईपी-2012 स्टॉक ग्रोथ स्ट्रेटेजीज, हॉरिजन कैपिटल, और टी14 - आमिर सिंह कम्युनिटी जैसे फर्जी निवेश लिंक और चैनल प्रसारित करने में मदद की। पीड़ितों को एसएमसी एसटीके ट्रेडिंग ऐप और वेलियंटकैपिटल ऐप जैसे नकली स्टॉक और क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में उच्च रिटर्न के वादे के साथ निवेश करने के लिए लुभाया जाता था। एक बार जब पीड़ितों ने निवेश किया, तो उनके खाते ब्लॉक कर दिए गए और धोखेबाज धनराशि लेकर फरार हो गए।

साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 362/2025, 867/2025 और 1328/2025 के तहत दर्ज तीनों मामलों में 59 लाख रुपये से अधिक का संयुक्त नुकसान बताया गया है।

ये गिरफ्तारियां एसीपी शिव मारुति की देखरेख में की गईं, जिसमें जांच दल का नेतृत्व इंस्पेक्टर एस. नरेश ने किया।

कुलदेवी बधर माताजी का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

चितौड़/हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बधर माता धाम, ताना गाँव में गोपाष्टमी के अवसर पर सोमानी, मर्दा, गदिया, हिंगड़ सहित 14 माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माताजी का वार्षिकोत्सव 30 अक्टूबर को पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः बेला में ट्रस्ट अध्यक्ष शाम सुंदर सोमानी ने सपत्नीक पूजन कर किया। सायं 5.30 बजे हुई ट्रस्ट की वार्षिक बैठक में गोविंदलाल गदिया, भगवतीलाल हिंगड़, राजेश सोमानी, पूरण मर्दा सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए।

सायंकालीन भजन संध्या में चारभुजा कीर्तन मंडल, मनसा एवं नीमच के युवा गायक मनीष सोनी ने बधर माता, चारभुजा नाथ और शाम बाबा के भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे भक्त देर रात तक भक्ति रस में झूमते रहे।सांवलिया धाम के महंत अनुजदासजी महाराज का ट्रस्ट की ओर से स्वागत किया गया। उन्होंने अपने आशीर्वचनों में पालकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार और सनातन धर्म की शिक्षा भी दें।अगले दिन निर्माणाधीन भक्त निवास परिसर में नवचंडी यज्ञ आयोजित हुआ, जिसमें ट्रस्ट अध्यक्ष शाम सुंदर सोमानी और सभी भक्तों ने आहुतियाँ दीं। दोपहर में आयोजित महाप्रसादी में कपासन, भीलवाड़ा, उदयपुर, अकोला, हैदराबाद सहित देश के विभिन्न स्थलों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर श्री रमेश मर्दा ने नवीन भक्त निवास निर्माण हेतु एक कक्ष के लिए 11 लाख रुपए के अनुदान की घोषणा की। अन्य दानदाताओं का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेंद्र सोमानी (कपासन), सहसचिव गोविंद सोमानी (हैदराबाद) और ओमप्रकाश सोमानी (व्यवस्थापक, भक्त निवास) का विशेष योगदान रहा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, P LALITHA Spouse of Service No. 643938A Ex Air Craftsman KESHAVA REDDY MADHAVA REDDY, Resident of H.No.12-80/9, Flat No.402, Sri Vijaya Laxmi Residency, Plot No.143, Chandanagar, Serilingampally, K.V.Rangareddy-500050, Telangana have changed my name from P LALITHA to KESAVA REDDY LALITHA vide affidavit dt:3-11-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, JYOTI wife of Army No 15166194P Rank Hav (Chef Mess) Name SHARNAPPA presently residing at Village- Devinagar Bhalki PO- Bhalki, Teh- Bhalki, District- Bidar, State- Karnataka, PIN Code-585328, have changed my DOB from 04 Mar 1988 to 12 Sep 1989 respectively vide affidavit No 43AA 227189 dated 29' October 2025 before High Court Tolichowki, Hyderabad, (TS)

CHANGE OF NAME & DOB
I, SHITHEMAH, mother of Army No 15166194P Rank Hav (Chef Mess) Name SHARNAPPA presently residing at Village- Devinagar Bhalki PO- Bhalki, Teh- Bhalki, District- Bidar, State-Karnataka, PIN Code-585328, have changed my name from SHITHEMAH to SIDHAMMA & DOB from 16 Jul 1961 to 01 Jan 1964 respectively vide affidavit No 43AA 227188 Dated.29' October 2025 before High Court Tolichowki, Hyderabad (TS)

कांग्रेस से अलग हुए समूह ने बीआरएस और भाजपा की मदद से करीमनगर शहरी बैंक चुनाव जीता

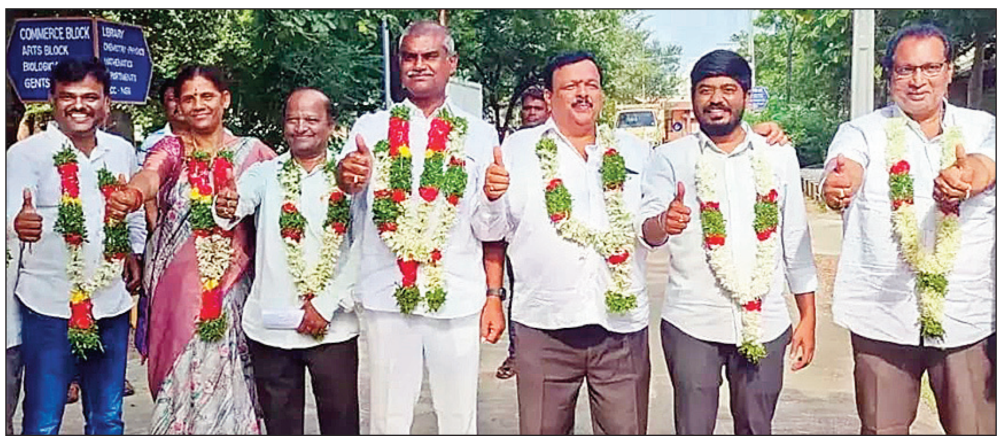

मंचेरियाल, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
करीमनगर कोऑपरेटिव अर्बन बैंक के चुनावों में पूर्व अध्यक्ष कर्रा राजशेखर के नेतृत्व वाले पैनल ने शानदार जीत दर्ज की है। घोषित परिणामों के अनुसार, बैंक के 12 निदेशक पदों के लिए करीमनगर और जगतियाल में मतदान संपन्न हुआ। कुल 9,287 पंजीकृत मतदाताओं में से 4,114 मतदाताओं ने 24 मतदान केंद्रों (करीमनगर) और 7 मतदान केंद्रों (जगतियाल) पर अपने मताधिकार का उपयोग किया।राजशेखर के पैनल ने 12 में से 10 निदेशक पदों पर जीत दर्ज करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया। वहीं, कांग्रेस के करीमनगर संसदीय क्षेत्र प्रभारी वेलचाला राजेंद्र राव के नेतृत्व वाले पैनल को 2 सीटें मिलीं, जबकि निवर्तमान अध्यक्ष गद्दाम विलास रेड्डी के नेतृत्व वाला पैनल एक भी सीट नहीं जीत सका। बड़ी विफलता यह रही कि स्वयं विलास रेड्डी भी चुनाव हार गए।हालांकि कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कोई पैनल नहीं बनाया था, लेकिन पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं – राजशेखर, राजेंद्र राव और विलास रेड्डी – ने अपने-अपने समूह बनाकर जोरदार प्रचार किया। बताया जा रहा है कि राजशेखर ने बीआरएस और भाजपा नेताओं के साथ समन्वय कर अपना पैनल तैयार किया, जबकि राजेंद्र राव और विलास रेड्डी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर चुनाव लड़ा।नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए राजेंद्र राव ने कहा कि उनके पैनल ने मामूली हार के बावजूद नैतिक जीत हासिल की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजशेखर की जीत अवैध और बीआरएस-भाजपा के अनैतिक गठबंधन का परिणाम है। राव ने यह भी घोषणा की कि वे इस मामले की शिकायत कांग्रेस आलाकमान से करेंगे।

लक्ष्मीनरसिंहस्वामी मंदिर में भ्रष्टाचार का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

यादगिरिगुट्टा, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।बीआरएस पार्टी मंडल अध्यक्ष कर्रे वेंकटैया ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार से आँखें खोलने तथा प्रसिद्ध श्री लक्ष्मीनरसिंहस्वामी मंदिर को भ्रष्टाचार से बचाने की अपील की

। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि विगत तीन महीनों में पहाड़ी स्थित मंदिर के तीन कार्यकारी अधिकारियों (ईओ) का तबादला हो चुका है, जिससे प्रशासनिक अनियमितता और भ्रष्ट्राचार की आशंका बढ़ गई है।कर्रे वेंकटैया ने आरोप लगाया कि स्थानीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से पहाड़ी पर स्थित दुकानों की नीलामी में गड़बड़ी हुई है, तथा नारियल जैसे पूजन सामग्री के नाम पर श्रद्धालुओं से मनमाना शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि मंदिर के कार्यकारी अधिकारी वुडेपु रामा राव, जिन्हें हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 1.90 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा, के मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई कि निविदा और दुकानों के आवंटन में सरकारी नियमों की अनदेखी हो रही है तथा ठेकेदार मनमानी कीमतें वसूलकर श्रद्धालुओं को परेशान कर रहे हैं।

विधायक तोटा लक्ष्मीकांता राव ने किया सोयाबीन खरीदी केंद्र का शुभारंभ

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक तोटा लक्ष्मीकांता राव ने सोमवार के दिन स्थानीय सहकार सोसायटी कार्यालय परिसर में श्रीफल फोड़कर सोयाबीन बीज खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया।इस अवसर पर सहकार सोसायटी अध्यक्ष राम पाटील ने बताया कि डोंगली सोसायटी के अंतर्गत आने वाले किसान अपने खेत की पट्टा पासबुक, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की ज़ेरॉक्स कॉपी के साथ सोयाबीन लेकर आ सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे निजी व्यापारियों की बातों में न आएं तथा अपना सोयाबीन बीज केवल सरकार को ही बिक्री करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों से अंतिम बिंज तक खरीदी की जाएगी।इस दौरान कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष देशई, कृषि बाजार समिति उपाध्यक्ष परमेश पटेल, सोसायटी उपाध्यक्ष विजय पाटील, हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटील, पूर्व एमपीटीसी दीनदयाल, अशोक पाटील तथा मदनूर मंडल के कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

जन आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाए : डेविड

आसिफाबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र एवं पारदर्शी समाधान किया जाए।सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में आयोजित जन कार्यक्रम में उन्होंने आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ आमजन से प्राप्त आवेदनों को स्वीकार किया।कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं।अहमद नगर (सिरपुर टी मंडल) के निवासियों ने तीन माह से बंद पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की।थुम्मुगुड़ा (केरामेरी मंडल) की चौहान

अश्विनी ने पति की मृत्यु के बाद रोजगार की आवश्यकता जताई।सुंगापुर (तिरयानी मंडल) के दुर्गम शंकर ने अपनी कृषि भूमि के स्वामित्व अधिकार के लिए आवेदन दिया।वानकिडी मंडल के दुर्गम श्याम राव ने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग की।अजमीरा रेणुका (गोलेटी, रेब्बेना मंडल) ने इंदिराम्मा आवास योजना के तहत घर स्वीकृति का अनुरोध किया।अजमीरा अमृतभाई (रल्लापेट, रेब्बेना मंडल) ने अपने कृषि ऋण के नवीनीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।कन्नल्ली पोशम (गन्नाराम, कागजनगर मंडल) ने भूमि स्वामित्व पत्र की मांग की।पीवीटीजी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति की मांग रखी।राठौड़ गुलाब (पिप्पर गोंडी, वानकिडी मंडल) ने रोजगार प्रदान किए जाने का अनुरोध किया, यह उल्लेख करते हुए कि वे पूर्व नक्सली हैं और आत्मसमर्पण कर चुके हैं।अपर कलेक्टर एम. डेविड ने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए प्रत्येक आवेदन की क्षेत्र स्तर पर जांच करें और शीघ्र निपटान सुनिश्चित करें।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में आवेदक उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक सिरसिल्क फैक्ट्री की जमीन की नीलामी से कागजनगर में पुनरुद्धार की उम्मीदें धूमिल

मंचेरियाल, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कागजनगर की ऐतिहासिक सिरसिल्क फैक्ट्री की जमीन की नीलामी प्रक्रिया शुरू होने से स्थानीय लोगों और पूर्व श्रमिकों की दशकों पुरानी उम्मीदें एक बार फिर टूट गई हैं। शनिवार से प्रारंभ हुई इस प्रक्रिया ने शहर की औद्योगिक विरासत के पुनर्जीवन की संभावना लगभग समाप्त कर दी है।1939 में निज़ाम सरकार द्वारा स्थापित यह रेशमी वस्त्र निर्माण इकाई कभी राज्य की औद्योगिक पहचान का प्रमुख केंद्र हुआ करती थी। फैक्ट्री ने अपने स्वर्णिम दौर में 3,745 श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया था और उच्च गुणवत्ता वाले कृत्रिम रेशम का उत्पादन करती थी, जिसे देश और विदेश में निर्यात किया

जाता था।1952 में इस कारखाने का प्रबंधन बिड़ला समूह को सौंपा गया, परंतु 1984 में बढ़ते घाटे के कारण कर्मचारियों की 50% छंटनी करनी पड़ी। 1985 में सरकार द्वारा रियायती दरों पर कच्चे माल की आपूर्ति बंद किए जाने से फैक्ट्री पूरी तरह ठप हो गई।1994 में श्रमिक आंदोलनों के बाद इसे पुनः चालू किया गया, लेकिन 1995 में घाटे के चलते फिर से बंद करना पड़ा। इसके बाद हजारों श्रमिकों की आजीविका प्रभावित हुई, कईयों को पलायन करना पड़ा और कुछ ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या तक कर ली।

वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस फैक्ट्री के पुनरुद्धार का वादा किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजदूर अब भी फैक्ट्री परिसर के आस-पास ही रह रहे हैं और पुनर्जीवन की आस लगाए हुए हैं।इस बीच, आधिकारिक परिसमापक ने 48.23 एकड़ भूमि की ई-नीलामी के लिए 20 नवंबर को बोली आमंत्रित की है। वरिष्ठ कर्मचारियों का कहना है कि यह नीलामी सिरसिल्क फैक्ट्री के पुनरुद्धार की आखिरी उम्मीद पर पानी फेर सकती है। उन्होंने दुःख जताया कि देश के सबसे पुराने रेशम उत्पादक केंद्रों में से एक का फिर से खुलना अब लगभग असंभव प्रतीत होता है।

जियो मोबाइल टावरों से बैटरी-डीजल चोरी

अंतर-जिला गिरोह का भंडाफोड़

मंचेरियाल, 3 नवंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तेलंगाना पुलिस ने राज्य भर में जियो मोबाइल टावरों को निशाना बनाने वाले एक अंतर-जिला चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थोगुटा थाने में दर्ज शिकायत के आधार पर जांच के दौरान पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि छह अन्य फरार हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बथुला गुरु स्वामी, बथुला साईराम, अलकुंटा लक्ष्मण राव, अलकुंटा शंकर और बथुला सिनू के रूप में हुई है। फरार सदस्यों में बंडारी श्रीनिवास, पुट्टा अंजनेयुलु, शिलासागरम रामचंद्रम, नुने महेंदर, एमडी हाजीम और जोगी यादी शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 18 चोरी की बैटरियां, चोरी के माल की बिक्री से अर्जित 3.01 लाख रुपये नकद, दो चार-पहिया वाहन, एक ऑटो-रिक्शा और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस आयुक्त एसएम विजय कुमार ने बताया कि गिरोह ने राज्य के विभिन्न स्थानों पर जियो टावरों से कुल 28 बैटरियां और 4,899 लीटर डीजल चुराया था। इसके अलावा, सदस्य पहले भी वाहनों की बैटरियों की चोरी में संलिप्त रहे हैं। जांच जारी है, और फरार सदस्यों की तलाश में टीमें तैनात हैं।यह कार्रवाई दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुई है।

मदनूर में सीसीआई द्वारा कपास खरीदी केंद्र का शुभारंभ

मदनूर, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जुक्कल के विधायक थोटा लक्ष्मीकांत राव ने सोमवार को मदनूर मंडल केंद्र स्थित कृष्णा नेचुरल जीनिंग मिल में कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा स्थापित कपास खरीदी केंद्र का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि तेलंगाना सरकार

किसानों के हित में हर संभव सहयोग कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार एक क्विंटल कपास 7,810 में खरीद रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को उचित मूल्य, पारदर्शी खरीद प्रक्रिया और समय पर भुगतान मिले।

विधायक लक्ष्मीकांत राव ने किसानों से साहसपूर्वक अपनी उपज सीसीआई केंद्रों पर बेचने का आह्वान किया, ताकि उन्हें लाभकारी मूल्य प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम में बांसवाड़ा की उपजिलाधिकारी किरणमयी, जिला बाजार समिति अधिकारी, मंडी अध्यक्ष सौजन्य रमेश, ओबीसी प्रदेश नेता साई पटेल, मंडी उपाध्यक्ष परमेश पटेल, सिंगल विंडो अध्यक्ष श्रीनिवास पटेल, मंडल पार्टी अध्यक्ष सायलू रमेश वतनाल वार, मिर्जापुर मंदिर अध्यक्ष राम पटेल, कोंडा गंगाधर, हनमंडलु स्वामी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता

रैगिंग-हिंसा पर शी टीम से निडर संपर्क करें : एसपी

आसिफाबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अपील की है कि रैगिंग, छेड़छाड़ या हिंसा का शिकार होने पर निडर होकर पुलिस या शी टीम से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि शी टीम, महिला तस्करी विरोधी इकाई और भरोसा केंद्र सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, तथा साहसपूर्वक शिकायत करने पर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।एसपी ने बताया कि कॉलेज-स्कूल छात्राओं के लिए रैगिंग, ईव टीजिंग, पॉक्सो, शी, महिला तस्करी जैसे मुद्दों पर शी टीम, भरोसा टीम और स्थानीय पुलिस स्टेशनों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। कार्यस्थल पर हिंसा की शिकायत के लिए भी शी टीम से संपर्क करने की सलाह दी। अक्टूबर माह में शी टीम ने 87 हॉटस्पॉट्स की पहचान कर 22 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, 16 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा, 6 ऋखठ दर्ज कीं, 2 परामर्श याचिकाएं दायर कीं तथा 24 मामलों में परामर्श प्रदान किया।

महिलाओं को सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम) पर सतर्क रहने और फोटो-वीडियो शेयरिंग में सुरक्षा उपाय अपनाने की हिदायत दी। नाबालिगों और महिलाओं की सुरक्षा हेतु कठोर कार्रवाई का वादा किया। जिले में दो शी टीमें कार्यरत हैं-संपर्क: आसिफाबाद डिवीजन (8712670564), कागज़नगर डिवीजन (8712670565) या इमरजेंसी 100। सूचना गोपनीय रखी जाएगी।यह पहल पुलिस-जनता के बीच विश्वास मजबूत करने और अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में सकारात्मक कदम है।

एसजीएफ जिला स्तरीय अंडर-17 बालक-बालिका टीम चयन परीक्षा सम्पन्न

आसिफाबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले में सोमवार को जिला केंद्र स्थित आदर्श विद्यालय एवं महाविद्यालय में एसजीएफ (स्कूल गेम्स फेडरेशन) अंडर-17 बालक एवं बालिका टीम चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों से आए 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 बालिकाओं और 12 बालकों का चयन क्षेत्रीय स्तर के लिए किया गया।

कार्यक्रम में कोमुराम भीम जिला एसजीएफ सचिव बी. वेंकटेशम ने चयनित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे क्षेत्रीय स्तर पर जाकर जिले का नाम रोशन करें और अपनी प्रतिभा का सर्वोत्तम प्रदर्शन करें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में और बेहतर तैयारी करने की सलाह दी।आदर्श विद्यालय एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एम. मल्लेश, एस. श्री वर्धन, एम. राममोहन, पी.डी. बी. तिरुपति, पी.डी. कृष्णमूर्ति, पी.डी. राजन्ना, पी.डी. शारदा, पी.डी. हरिकृष्ण, पी.डी. सत्यनारायण, पी.डी. अजय, खेलो इंडिया कोच राकेश तथा पी.डी.पी.ई.टी. सहित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यह चयन प्रक्रिया जिले के युवा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, जो राज्य स्तर तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का पुतला दहन किया

मदनूर, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार के दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा ऑपरेशन सिंधुर को लेकर की गई विवादित टिप्पणियों के विरोध में मदनूर मंडल केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री की टिप्पणियों को अपमानजनक और गैरजिम्मेदाराना बताया तथा उनसे सार्वजनिक माफी की मांग की।कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष थेप्पावर तुकाराम, कृष्ण पटेल, पंडित राव पटेल, लुटे प्रवीण पटेल, गद्दी तुकाराम, गोपनवार शिवाजी, माधव सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मुख्यमंत्री ने अपने बयान वापस नहीं लिए तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा।

एसएलबीसी टनल कार्य को पुनर्जीवित करने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी ने हेलीमैग्नेटिक सर्वेक्षण का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज नागरकुर्नूल जिले के मन्नेवारिपल्ली में एक हेलीकॉप्टर और उन्नत उपकरणों का निरीक्षण किया, जो लंबे समय से लंबित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर सुरंग परियोजना को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से हेलीमैग्नेटिक भूभौतिकीय सर्वेक्षण के शुभारंभ का प्रतीक है।

राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों की देखरेख में आयोजित यह सर्वेक्षण, 1,000 मीटर की गहराई तक भूवैज्ञानिक डेटा एकत्र करने के लिए हेलीकॉप्टर पर लगे ट्रांसमीटर का उपयोग करेगा।अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि यह उच्च तकनीक वाला अध्ययन सुरंग की खुदाई के लिए महत्व-पूर्ण भूमिगत कतरनी क्षेत्रों और जल प्रवाह मार्गों की पहचान करने में मदद करेगा।

निरीक्षण के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 30 टीएमसी पानी खींचकर तीन लाख एकड़ जमीन की सिंचाई के उद्देश्य से डङइउ परियोजना को 1983 में स्वीकृत किया गया था। दिवंगत मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखरा रेड्डी के कार्यकाल के दौरान 2004 में टनल-1 और टनल-2 पर काम शुरू किया गया था।उन्होंने कहा कि परियोजना को शुरू में 1,968 करोड़ रुपये के लिए स्वीकृत किया गया था, और इस उद्देश्य के लिए भारत में पहली बार एक टनल बोरिंग मशीन (ढइच्) तैनात की गई थी।रेवंत रेड्डी ने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव एक दशक में 10 किलोमीटर सुरंग भी पूरी करने में विफल रहे, और राजनीतिक दुर्भावना के कारण परियोजना उपेक्षित रही।

उन्होंने कहा, अगर यह 40 किलोमीटर की सुरंग पूरी हो जाती है, तो तेलंगाना एक विश्व रिकॉर्ड हासिल करेगा। पहले इसे लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जा सकता था, लेकिन अब लागत बढ़ने के कारण इसके लिए लगभग 4,600 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार किसी भी परिस्थिति में इस काम को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

उन्होंने पिछली सरकार पर सिंचाई कार्यों पर 1.86 लाख करोड़ रुपये खर्च करे का भी आरोप लगाया, जिसमें कालेश्वरम परियोजना पर 1.05 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं, जबकि कृष्णा जल में तेलंगाना का उचित हिस्सा सुरक्षित करने में विफल रही।

मुख्यमंत्री ने कहा, उनकी लापरवाही के कारण, कृष्णा का पानी आंध्र प्रदेश की ओर मोड़ा जा रहा है। हम अपने हिस्से को सुरक्षित करने के लिए न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) में लड़ रहे हैं।

सुरंग कार्य के दौरान आठ श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए, रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि उनके परिवारों का समर्थन किया जाएगा और परियोजना को जिम्मेदारी के साथ पूरा किया जाएगा।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल में बीडीएल द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्म प्रकाश डी.ए.वी. स्कूल में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा संचालित सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी रहा, जो विद्यार्थियों में नैतिकता, ईमानदारी और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक निबंध लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्रों ने अपने रचनात्मक विचारों के माध्यम से सतर्कता और नैतिक मूल्यों के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि श्री वी.वी. लक्ष्मी नारायण (आई ए एस – सेवानिवृत्त) एवं बीडीएल प्रबंधन के माननीय अधिकारियों श्री ए. माधवराव (सी एम डी – बीडीएल) तथा श्रीमती स्पूर्ती रेड्डी (मुख्य सतर्कता अधिकारी – बीडीएल) ने विद्यार्थियों के कार्य की सराहना की और उन्हें सतर्कता के महत्व के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए और उनके प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जिम्मेदारी और ईमानदारी के मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देना था। बीडीएल प्रबंधन ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती के. मधुबाला, सहायक क्षेत्रीय अधिकारिणी श्रीमती के. आनंदवल्ली तथा एल एम सी (बीडीएल) के सदस्यों ने सभी को अपनी शुभकामनाएँ दीं और विद्यार्थियों को सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी अभियान को जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम की सफलता में प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत तथा विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने छात्रों को सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूक करने और कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई।

बाल दिवस पर कोडंगल में विशाल रसोई की नींव रखेंगे तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 3 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी 14 नवंबर (बाल दिवस) को कोडंगल (विकाराबाद जिला) के पास एनकेपल्ली में 2 एकड़ के विशाल क्षेत्र में एक बड़ी ग्रीन फील्ड रसोई के निर्माण के लिए आधारशिला रखेंगे।

यह ग्रीन फील्ड रसोई मुख्यमंत्री के कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के सभी सरकारी स्कूलों में स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की आपूर्ति करेगी।अक्षय पात्र फाउंडेशन इस रसोई का निर्माण कर रहा है, जो कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्रों को मध्याह्न भोजन की आपूर्ति करेगी।सोमवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें इस रसोई की नींव रखने के लिए आमंत्रित किया।फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उन सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जो मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र की रसोई में उच्च गुणवत्ता वाला भोजन पकाने और सरकारी स्कूलों के छात्रों को आपूर्ति करने के लिए प्रदान की जा रही हैं।इस विधानसभा क्षेत्र में नाश्ता योजना पहले ही दिसंबर से शुरू हो चुकी है और यह निर्वाचन क्षेत्र के 312 स्कूलों में 28,000 छात्रों को भोजन की आपूर्ति कर रही है।वर्तमान में, राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना के लिए सरकार प्रति छात्र 7 रुपये का भुगतान कर रही है।फाउंडेशन उच्च गुणवत्ता वाला भोजन तैयार करने और उपलब्ध कराने के लिए प्रति भोजन 25 रुपये तक खर्च कर रहा है।

नामपल्ली पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास वैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर अनुदान किया गया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, गौरव गोयल, महेश गुप्ता, सुरेश डालमिया, ई जगन चंपापेट,मनोज शर्मा एवं ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित थे।

तेलंगाना सरकार ने आदिलाबाद संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई क्षेत्र के लिए भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दी

हैदराबाद, 3 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने आज आदिलाबाद जिले में एक संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई क्षेत्र विकसित करने के लिए 700 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। इस हवाई क्षेत्र का उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों प्रकार के विमानों द्वारा किया जाएगा।

इस संबंध में, सरकार के विशेष मुख्य सचिव (परिवहन, सड़कें और भवन (हवाई अड्डे) विभाग) विकास राजू द्वारा एक सरकारी आदेश (ऋज) जारी किया गया, जिसमें जिला कलेक्टर को भूमि अधिग्रहण का निर्देश दिया गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को पहले तेलंगाना में प्रस्तावित छह क्षेत्रीय हवाई अड्डों के लिए तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने हेतु परामर्शदाता नियुक्त किया गया था।

एएआई द्वारा प्रस्तुत व्यवहार्यता अध्ययन में आदिलाबाद को हवाई अड्डा विकास के लिए व्यवहार्य स्थानों में से एक के रूप में पहचाना गया, जो कुछ स्वीकृतियों के अधीन है।

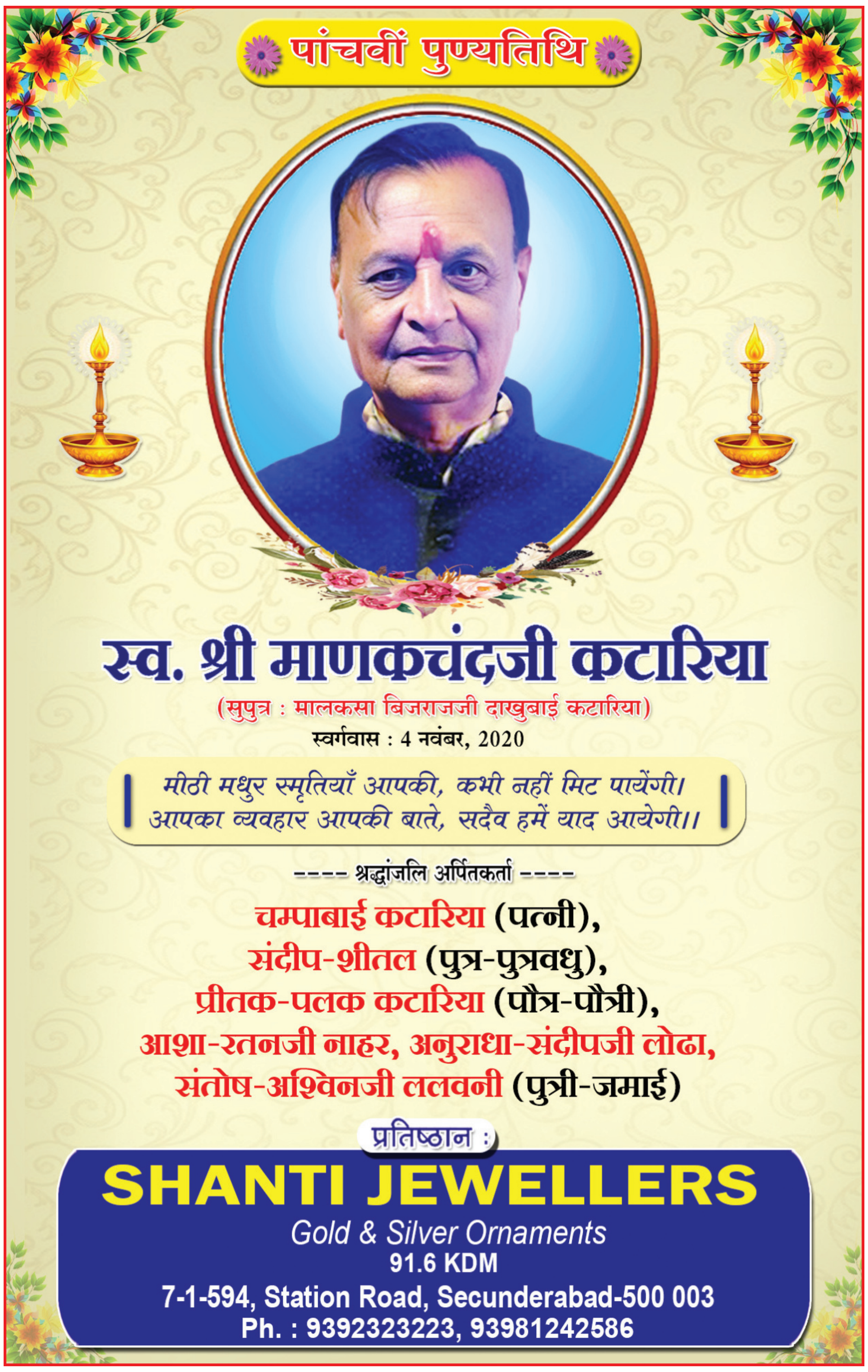

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.